नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 187 | नई दिल्ली, मंगलवार 03 सितम्बर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

कृति सेनन ने बॉलीवुड का किया बचाव.... पेज-12

एक नजर

मोदी करेंगे भाजपा के राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान का शुभारंभ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में पार्टी के 'संगठन पर्व, सदस्यता अभियान 2024' का शुभारंभ करेंगे।

इस अवसर पर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, सड़क एवं परिवहन नितिन गड़करी सहित पार्टी के तमाम आला नेता मौजूद रहेंगे। पार्टी के सदस्यता अभियान का पहला चरण 02 से 25 सितंबर और दूसरा चरण 01 से 15 अक्टूबर तक चलेगा। इसके बाद 16 से 31 अक्टूबर तक पार्टी का सक्रिय सदस्यता अभियान चलेगा। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने कहा, सदस्यता अभियान 2024 देश के सभी इच्छुक नागरिकों के लिए भाजपा से जुड़ने और देश के विकास में कदम से कदम मिलाकर योगदान देने का एक शानदार अवसर है। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने 17 अगस्त को सदस्यता अभियान शुरू करने का फैसला लिया था। श्री तावड़े ने कहा इस सदस्यता अभियान का मुख्य उद्देश्य भाजपा की राष्ट्र निर्माण की भावना, पार्टी की विचारधारा और 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने की योजना से लोगों को जोड़ना और संगठित करना है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्राथमिक सदस्यता 8800002024 नंबर पर मिस कॉल देकर, नमो ऐप, क्यूआर कोड और पारंपरिक आवेदन फॉर्म के माध्यम से ग्रहण की जा सकती, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सीमित मोबाइल कवरेज वाले क्षेत्रों या बिना मोबाइल फोन वाले लोग भाग ले सकें। इसके साथ ही पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर से लेकर राज्य, शहर, गांव और बूथ स्तर तक अपनी उपस्थिति का व्यापक विस्तार करने का फैसला किया है।

रेवंत रेड्डी को 'कैश फॉर वोट' मामले में सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तेलंगाना में 2015 के कथित 'कैश फॉर वोट' घोटाला मामले में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को सार्वजनिक बयान देने में कुछ संयम बरतने की नसीहत देते हुए सोमवार को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक गुंटाकंडला जगदीश रेड्डी और तीन अन्य की याचिका पर कांग्रेस नेता रेड्डी के अलावा अन्य आरोपियों से दो सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा। बीआरएस नेता और अन्य की याचिका में मुकदमे को स्थानांतरित करने की मांग करते हुए कहा गया है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के पास गृह मंत्रालय का भी प्रभार है और वह इस मामले में सार्वजनिक रूप से बयान दे रहे हैं।

याचिकाकताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सी ए सुंदरम ने मुख्यमंत्री के कुछ बयानों का उल्लेख किया तो पीठ ने कहा, जब कोई व्यक्ति इतने ऊंचे पद पर होता है, तो कुछ संयम की उम्मीद की जाती है। सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठे लोगों को सावधान रहना चाहिए। पीठ ने श्री रेड्डी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा से भी पूछा कि उन्होंने (श्री रेड्डी) अपने बयानों में अदालतों और वकीलों को क्यों घसीटा है। शीर्ष अदालत ने पिछली सुनवाई के दौरान श्री रेड्डी को दिल्ली की आबकारी नीति कथित घोटाले मामले में बीआरएस नेता के. कविता को दी गई जमानत पर उनके बयान के लिए फटकार लगाई थी।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, लगेगी रोक!

कहा दोषी हो तब भी किसी का घर नहीं गिरा सकते

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में बुलडोजर कार्रवाई पर सवाल खड़ा किया है। जस्टिस बीआर गवाई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि सिर्फ आरोपित होने के आधार पर किसी के खिलाफ ऐसी कार्रवाई नहीं हो सकती है। कोर्ट ने कहा कि इसे लेकर वो राष्ट्रीय स्तर पर दिशा-निर्देश जारी करेगा। मामले की अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने उदयपुर में चाकू मारने के आरोपित बच्चे के पिता के घर पर बुलडोजर कार्रवाई पर कहा कि एक पिता का बेटा अड़ियल हो सकता है लेकिन उसके लिए उसका घर गिरा दिया जाए, यह तरीका सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी के दोषी साबित होने के बाद भी उसका घर नहीं गिराया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बुलडोजर कार्रवाई के संबंध में दिशा-निर्देश बनाए जाने की जरूरत है। कोर्ट ने राष्ट्रीय स्तर पर दिशा-निर्देश जारी करने के लिए सभी पक्षों से सुझाव मांगा।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ऐसा केवल नगर निगम के कानून के अनुसार ही किया जा सकता है। यहां याचिकाकर्ता अदालत के सामने गलत ढंग से मामले को रख रहे हैं। बुलडोजर की कार्रवाई नियमों का पालन करते हुए की गई है। मेहता ने कोर्ट के समक्ष रखे गए मामलों का हवाला देते हुए कहा कि नोटिस बहुत पहले जारी किए गए थे और लोग पेश नहीं हुए। तब जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि अगर किसी की कोई कमी भी हो तो उसका फायदा नहीं उठाना चाहिए। जस्टिस गवई ने कहा कि अगर निर्माण अनधिकृत है, तो ऐसे मामलों में भी कार्रवाई कानून के अनुसार होना चाहिए।

तीन राज्यों में बुलडोजर एक्शन पर SC में सुनवाई

मध्यप्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद और बरेली में 22 और 26 जून को दो FIR में नामजद आरोपितों की छह संपत्तियों पर बुलडोजर चला दिया गया. वहीं, राजस्थान के उदयपुर में प्रशासन और वन विभाग की टीम ने आरोपित राशिद खान का घर गिरा दिया. राशिद के 15 साल के बेटे पर स्कूल में अपने सहपाठी को चाकू से गोदने का आरोप था.

सुप्रीम कोर्ट में किसकी क्या दलील ?

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने दिल्ली के जहांगीरपुरी में हुई कार्रवाई को लेकर दलील दी, इस दौरान कोर्ट ने उनसे सवाल किया कि अगर कोई आरोपी है, महज इस आधार पर बुलडोजर एक्शन कैसे लिया जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह कानून के खिलाफ है और हम इसे लेकर निर्देश जारी करेंगे साथ ही तमाम राज्यों को नोटिस भी जारी करेंगे.

सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि सिर्फ म्यूनिसिपल कानून में ही बुलडोजर एक्शन का प्रावधान है. कोर्ट ने कहा है कि क्या आपराधिक कानून के तहत किसी आरोपी के खिलाफ बुलडोजर एक्शन लिया जा सकता है? इस पर जवाब देने के लिए रत्रने कोर्ट से वक्त मांगा, जिसके बाद बेंच ने कहा कि वो मामले की सुनवाई अगले सोमवार करेंगे.

वहीं जमीयत की ओर से पेश हुए वकील दुष्यंत दवे ने सुप्रीम कोर्ट में दावा किया है कि बुलडोजर एक्शन के जरिए सिर्फ अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ही निशाना बनाया जा रहा है, लिहाजा इन मामलों में तत्काल रोक लगाने की जरूरत है.

केंद्र सरकार और राज्यों को पक्षकार बनाया गया

याचिका में केंद्र सरकार और राज्यों को पक्षकार बनाया गया. कहा गया कि आरोपितों के खिलाफ वाजिब कानूनी कार्यवाही के बजाय उनके घरों को बुलडोजर से ढहाया जा रहा है. यह पूरी तरह से गैरकानूनी और मनमाना रवैया है, जिसे अंजाम देकर अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है.

हाल ही में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यूपी के मैनपुरी में शहीद स्मारक स्थल पर बुलडोजर चलाने को लेकर योगी सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाया था. अखिलेश ने कहा कि बीजेपी की सियासत शहीदों में भी भेदभाव करने लगी है. शहीद मुनीश यादव के स्मारक स्थल को राजस्व टीम ने बुलडोजर चलवा दिया था.

अमानतुल्लाह खान गिरफ्तार

वक्फ बोर्ड घोटाले में छापेमारी के बाद ईडी का ऐक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के ओखला से विधायक अमानतुल्लाह खान को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया है। सुबह उनके आवास पर करीब 6 घंटे तक छापेमारी के बाद विधायक को ईडी की टीम अपने साथ ले गई। कथित वक्फ बोर्ड घोटाले से जुड़े मामले में ईडी ने यह ऐक्शन लिया है। सुबह छापेमारी के बाद अमानतुल्लाह खान के घर पर काफी हंगामा हुआ। विधायक ईडी की टीम को अपने घर में घुसने से रोकने की कोशिश करते रहे। उन्होंने अपनी सास के बीमार होने का हवाला भी दिया था।

सुबह करीब 7 बजे ईडी की एक टीम विधायक के ओखला स्थित आवास पर सर्च वारंट के साथ पहुंची थी। विधायक ने काफी देर तक गेट नहीं खोला और जंगले से अफसरों के साथ बहस करते रहे। मौके पर पुलिस और पैरा मिल्ट्री फोर्स के जवान भी मौके पर बुलाए गए। बाद में किसी तरह विधायक माने और अफसरों को अंदर आने दिया। 7 अफसरों की टीम घर के अंदर काफी देर तक जांच करती रही। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे ईडी की टीम विधायक को अपनी गाड़ी में बिठाकर निकली।

इस दौरान वहां मीडिया के अलावा स्थानीय लोगों और विधायक के समर्थकों की भीड़ एकत्रित हो चुकी थी थी। काफी हो हंगामे के बीच पुलिसकर्मियों ने गाड़ी के निकलने का रास्ता बनाया। दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अमानतुल्लाह खान के खिलाफ 2016 में एंटी करप्शन ब्यूरो ने

केस दर्ज किया था। बाद में कथित तौर पर मनी लॉन्ड्रिंग की बात सामने आने पर ईडी ने केस दर्ज किया है।

ईडी ने हाल ही में कोर्ट से शिकायत की थी कि अमानतुल्लाह खान एजेंसी के सामने हाजिर नहीं हो रहे हैं और जांच में शामिल नहीं होते। एएनआई के मुताबिक केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि खान ने अग्रिम जमानत याचिका दायर करके और जांच से दूर भागकर अपनी भूमिका गवाह से बाढ़कर आरोपी की कर ली है। ईडी के वकील ने कहा था कि जांच एजेंसी उनके खिलाफ जांच को पूरी नहीं कर पाई है क्योंकि खान पेश नहीं हो रहे हैं।

चार आरोपियों और एक कंपनी के खिलाफ चार्जशीट पहले ही दायर हो चुकी है। आरोप है कि 100 करोड़ की वक्फ प्रॉपर्टी को अवैध तरीके से लीज पर दिया गया था। यह भी आरोप है कि नियमों की अनदेखी करते हुए 32 लोगों को कॉन्ट्रेक्ट पर नियुक्ति दी गई।

ईडी की टीम पहुंची तो अमानतुल्लाह खान को यह अहसास हो चुका था कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कचरा बेचने में भी घपला, RG Kar कॉलेज में चल रहा था बड़ा 'खेल'

सीबीआई ने संदीप घोष समेत चार को किया गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। सीबीआई ने सोमवार को वित्तीय अनियमितता मामले में कोलकाता के उस आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष को गिरफ्तार कर लिया, जिसकी महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। जांच एजेंसी ने इस वारदात के 26वें दिन डॉ. घोष को गिरफ्तार किया।

घोष के अलावा तीन अन्य को संस्थान में वित्तीय कदाचार में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया। घोष की गिरफ्तारी के एक घंटे के भीतर ही अधिकारियों ने उनके सुरक्षा गार्ड और दो विक्रेताओं को हिरासत में ले लिया, जो अस्पताल को सामग्री की आपूर्ति करते थे।

फजीर्वाड़े के गंभीर आरोप

घोष पर टेंडरों को लेकर पक्षपात करने, मेडिकल ऑर्गेनिक कचरे की अवैध बिक्री और रुपये लेकर मेडिकल छात्रों को पास कराने जैसे गंभीर आरोप हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर एजेंसी की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने डॉ. घोष के खिलाफ 24 अगस्त को एफआईआर दर्ज कर इस मामले की भी जांच शुरू की थी।

अस्पताल के पूर्व उपाधीक्षक डॉ. अख्तर अली ने डॉ. घोष के खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए थे। उन्होंने ईडी से इसकी जांच कराने को लेकर हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। डॉ. अली ने अपनी शिकायत में संदीप घोष के अलावा, कॉलेज के फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के प्रमुख देबाशीष सोम, अस्पताल के पूर्व अधीक्षक संजय वशिष्ठ और अस्पताल के आपूर्तिकर्ता बिप्लब सिंह का नाम भी लिया था।

ममता सरकार ने गठित की थी एसआईटी

बंगाल की ममता सरकार ने अस्पताल के भ्रष्टाचार मामले की जांच के लिए 16 अगस्त को एसआईटी का गठन किया था। इसके एक दिन बाद ही हाई कोर्ट के आदेश पर मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई थी। हाई कोर्ट ने सीबीआई को इस मामले में 17 सितंबर को जांच से संबंधित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

सीबीआई ने घोष के आवास पर की थी छापेमारी

सीबीआई की टीम ने 25 अगस्त की सुबह कोलकाता के बेलेघाटा स्थित संदीप घोष के घर पर छापेमारी की थी। 75 मिनट तक बाहर इंतजार करने के बाद घोष ने दरवाजा खोला था। इसके बाद रात तक उनके घर पर छापेमारी चली थी। सीबीआई ने उनके घर से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए थे। अब जांच अधिकारियों ने सोमवार को कोलकाता के निजाम पैलेस स्थित सीबीआई के कार्यालय में 16वें दिन पूछताछ के बाद घोष को गिरफ्तार कर लिया है।

माता-पिता बोले- भ्रष्टाचार की बलि चढ़ गई बेटी

डॉ. घोष की गिरफ्तार का आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि यह उनकी नैतिक जीत है। महिला डॉक्टर के माता-पिता ने कहा कि उनकी बेटी इसी भ्रष्टाचार की बलि चढ़ गई थी। इस मामले के अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी होनी चाहिए। संदीप घोष को फांसी मिलनी चाहिए। नौ अगस्त को महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या की वारदात के बाद डॉ. घोष की भूमिका को लेकर सवाल उठे थे। उन्हें पहली बार 15 अगस्त को तलब किया गया था। घोष को दो बार पॉलीग्राफ टेस्ट का भी सामना करना पड़ा है। सीबीआई का दावा था कि उनके बयान में तमाम विसंगतियां मिली।

'हम दीवारों पर दीपक का निशान बनाते थे, वे मजाक उड़ाते थे...'

जब प्रधानमंत्री मोदी ने सुनाया जनसंघ के जमाने का किस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया. बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पीएम मोदी को प्रथम सदस्य बनाया. इस दौरान प्रधानमंत्री ने जनसंघ के जमाने का एक किस्सा सुनाया. उन्होंने कहा कि मैं जब राजनीति में नहीं था, उस जनसंघ के जमाने में, हम बड़े उत्साह से जनसंघ के निशान दीपक को पेंट करते थे, तब कई राजनीतिक दलों के नेता हमारा मजाक उड़ाते थे. वो कहा करते थे कि दीवारों पर दीपक पेंट करने से सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंचा जा सकता है.

उन्होंने कहा कि कुछ लोग हमेशा हमारा मजाक उड़ाते रहे हैं. जब संसद में हमारे दो सदस्य थे, तब भी इतना भद्दा मजाक हमारे लिए उड़ाया गया. कुछ लोगों का चरित्र ही ऐसा होता है. उनको लगता है कि ऐसा करने से वो बड़े बन जाएंगे.

पीएम ने कहा कि 50 साल पहले की बात होगी, जनसंघ के लोग अहमदाबाद में सत्याग्रह कर रहे थे और वहां एक कार्यकर्ता बहन जो आंदोलन करने के लिए जेल गई थी, वो भी थी. अपने नौ महीने के बच्चे के

साथ उसने एक महीना जेल में गुजारा था. ऐसे जुल्म सहकर पार्टी आज यहां तक पहुंची है.

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने '8800002024' नंबर पर मिस्ड कॉल कर फिर से भाजपा की सदस्यता ली. मिस्ड कॉल करने के बाद पीएम के पास भाजपा की तरफ से एसएमएस आया, जिसमें उन्होंने अपना डिटेल भरा और इसी के साथ वो भाजपा के पहले सदस्य बन गए.

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पीयूष गोयल, भूपेंद्र यादव, शिवराज सिंह चौहान एवं नित्यानंद राय और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं पार्टी के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के संयोजक विनोद तावड़े एवं अरुण सिंह सहित कई अन्य नेता और हजारों की तादाद में कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में मौजूद रहे.

बता दें कि लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी जैसे कई दिग्गज नेताओं के घर जाकर भाजपा नेता उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाएंगे. मिस्ड कॉल अभियान के जरिये पार्टी का सदस्य बनाने के लिए भाजपा ने एक नंबर '8800002024' जारी किया है.

उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर बनाने और जम्मू कश्मीर से जुड़े संविधान के अनुच्छेद-370 को हटाने तथा काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनाने सहित मोदी सरकार की कई उपलब्धियों का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि इस सदस्यता अभियान के साथ ही फिर से भाजपा के विजय की शुरूआत होगी. मजबूत भाजपा संगठन के बल पर ही महान और विकसित भारत का सपना साकार होगा.

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा कि 18 करोड़ सदस्यों वाली पार्टी होने के बावजूद भाजपा के संविधान के मुताबिक, हर छह साल में सभी को सदस्यता का नवीनीकरण करवाना पड़ता है. भाजपा भारत की एकमात्र पार्टी है जो नियम, संविधान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चलती है. इस बार सदस्यता अभियान में हमने 10 करोड़ से ज्यादा सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है. इस सदस्यता अभियान का पहला चरण 25 सितंबर तक पूरा होगा. इसके बाद 1 से 15 अक्टूबर तक सदस्यता अभियान का दूसरा चरण चलेगा. इसके बाद 16 से 31 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता अभियान चलाया जाएगा. सक्रिय सदस्यता अभियान के बाद पार्टी में बूथ स्तर से चुनाव शुरू होगा, जो मंडल, जिला, राज्य और फिर केंद्र के स्तर तक चलेगा.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कथनी और करनी में अंतर के कारण नेताओं पर जनता का विश्वास कम हुआ है, लेकिन जनता के बीच नेताओं की विश्वसनीयता के कम होने को पीएम नरेंद्र मोदी ने गंभीरता से लिया. उन्होंने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव के समय पार्टी के घोषणापत्र को लेकर कहा था कि उसमें वही वादे शामिल किए जाएं, जिसका पूरी तरह से हम पालन कर सकें. भाजपा देश बनाने के लिए राजनीति करती है.

भारत की बेटियों ने पैरालंपिक्स में बढ़ाया देश का मान

प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ इस अंदाज में दी बधाई

पेरिस, एजेंसी। पेरिस पैरालंपिक्स 2024 के पांचवें दिन महज 10 मिनट के अंदर मनीषा रामदास और तुलसीमति मुरुगेशन ने बैडमिंटन में भारत को 2 मेडल दिलाए हैं. अब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की इन बेटियों को ऐतिहासिक कारनामा करने पर बधाई दी है. मुरुगेशन ने सिल्वर तो मनीषा ने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया है. जिससे पैरालंपिक्स 2024 में भारत के मेडलों की संख्या 11 हो गई है.

टी मुरुगेशन को बधाई का संदेश देकर पीएम मोदी ने X पर लिखा, "यह हमारे लिए गौरव का पल है कि तुलसीमति मुरुगेशन ने महिला सिंगल्स बैडमिंटन एसयू5 कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता है. उनकी सफलता से युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी. उनकी खेलों के लिए प्रतिबद्धता सराहनीय है. उन्हें बहुत-बहुत बधाई."

दूसरी ओर प्रधानमंत्री ने मनीषा रामदास के लिए भी X पर खास संदेश साझा किया. उन्होंने कहा, "मनीषा रामदास ने महिला सिंगल्स एसयू5 कैटेगरी में शानदार प्रयास करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता है. उनकी प्रतिबद्धता और उनका दृढ़ स्वरूप ही उन्हें इस उपलब्धि तक खींच ले गया है. उन्हें बहुत बधाई."

बताते चलें कि भारत ने टोक्यो पैरालंपिक्स में 5 गोल्ड समेत 19 मेडल जीते थे. वहीं पेरिस पैरालंपिक्स की बात करें तो भारतीय एथलीटों ने पांचवां दिन समाप्त होने से पहले ही 11 पदक जीत लिए हैं. भारत पिछली बार के रिकॉर्ड को ध्वस्त करने की ओर अग्रसर है और जल्द ही मेडलों की संख्या 20 के पार जा सकती है.

रजोकरी पहाड़ी की बस्तियों के 7000 मकानों पर चलेगा बुलडोजर !, फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के रजोकरी पहाड़ी बस्ती में दिल्ली सरकार के वन और वन्यजीव विभाग की ओर से झुग्गी बसतियों को तोड़ने के लिए 'डिमोलिशन नोटिस' जारी किया गया है। नोटिस के मिलने के बाद अब इस इलाके की तीन कलस्टर के टूटने का खतरा मंडराने लगा है। इन झुग्गियों में करीब 7000 से ज्यादा मकान हैं, जिसमें रहने वालों की संख्या तकरीबन 12,000 से ज्यादा है। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एडिशनल चीफ सेक्रेटरी को एक नोट लिखा है, जिसमें इन लोगों को बेघर होने से बचाने और उनके रिहैबिलिटेशन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि वन एवं वन्यजीव विभाग की ओर से रजोकरी पहाड़ी स्लम क्लस्टर बस्ती को खाली करने के लिए 8 अगस्त को डिमोलिशन नोटिस जारी किया गया था। रजोकरी पहाड़ी बस्ती के रेजिडेंट्स ने बताया है कि? यह तीनों क्लस्टर दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड क्लस्टर स्लम की लिस्ट में 675 नंबर पर सीरियल नंबर 185, 186 और 187 में लिस्टेड हैं। डेमोलिशन ऑर्डर जारी होने के बाद से अभी तक ड्यूसिब पॉलिसी के अनुसार, क्लस्टर लिस्टेड बस्ती के रिहैबिलिटेशन को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। भारद्वाज ने एडिशनल चीफ सेक्रेटरी ड्यूसिब सीईओ को कहा है कि वह किसी तरह के डेमोलिशन एक्शन से पहले नियमों का अनुपालन करते हुए इन सभी लोगों के दूसरी जगह पुनर्वास करवाने के इंतजाम करें।

सौरभ भारद्वाज ने कहा है, "इस मामले में फॉरेस्ट एंड वाइल्डलाइफ डिपार्टमेंट के साथ को-आर्डिनेशन बनाकर ड्यूसिब एक्ट के मुताबिक सरकार की नीतियों और अदालत के विभिन्न आदेशों और निर्णय का अनुपालन करते हुए इन सभी लोगों के रिहैबिलिटेशन की व्यवस्था की जानी चाहिए।" उन्होंने बताया कि इस मामले पर गत 22 अगस्त को रजोकरी पहाड़ी बस्ती के लोगों ने मुलाकात की थी और उनकी तरफ से एक रिप्रेजेंटेशन भी दिया गया था। इसमें उनकी तरफ से सभी बातों का विस्तार से जिक्र करते हुए सेल्फ एक्सप्लेनेशन किया गया।

बताया जाता है कि राजोकरी पहाड़ी बस्ती 1968 में ग्राम सभा की भूमि पर बसाई गई थी। वर्तमान में यहां पर 3 स्?लम क्लस्टर में बनी है, जिनमें करीब 12 हजार से ज्यादा लोग रहते हैं। इन तीन बस्तियों में जोगी खोली वाला बाबा मंदिर रजोकरी (रामदेव डेरा जोगी), केवल कृष्ण चौक पोस्ट रजोकरी (केके कैंप) और रामदेव का डेरा बीएसएफ ऑफिस रजोकरी पहाड़ी दिल्ली (बीएसएस कैंप) प्रमुख रूप से शामिल है।

बताया जाता है कि इन सभी झुग्गियों में रहने वाले लोग एससी और एसटी कम्युनिटी से ताल्लुक रखते हैं, जो शुरूआत में रजोकरी पहाड़ी में लेबर मीनिंग का काम करते थे। इन सभी के पास अपनी बस्ती का राशन कार्ड, इलेक्ट्रिसिटी बिल, वोटर कार्ड, आधार कार्ड आदि सभी दस्तावेज भी हैं। सभी को दिल्ली प्रशासन की ओर से 1990 में पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की सरकार के वक्त झुग्गी टोकन भी जारी किया गया था।

इन झुग्गियों में 1968 में जब इनके पूर्वज यहां आए थे तो वह सभी माइग्रेंट वर्कर थे। वह यहां पर माइनिंग का काम किया करते थे, जिनिमें से काफी लोग माइनिंग वर्क करने की वजह से सिलिकोसिस यानी सांस की बीमारी से पीड़ित हैं। हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद एरिया में होने वाली माइनिंग एक्टिविटी को अवैध घोषित कर दिया गया था। इसके बाद लोग अपनी आजीविका के लिए कुक, गार्ड, ड्राइवर और डोमेस्टिक हेल्प जैसे दूसरी तरह के काम करने लग गए।

आबकारी नीति कथित घोटाला, सुप्रीम कोर्ट ने नायर को दी जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाला मामले के आरोपियों में शामिल आम आदमी पार्टी (आप) के संचार विभाग के प्रभारी विजय नायर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दर्ज धन शोधन के मुकदमे में सोमवार को जमानत दे दी।

न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने याचिकाकर्ता नायर के 23 महीने से हिरासत में होने और इस मामले में सुनवाई में देरी को मुख्य आधार मानते हुए जमानत याचिका मंजूर की। पीठ ने कहा कि ईडी आश्वासन के बावजूद समय पर सुनवाई पूरी नहीं कर पाई और अभी करीब 350 गवाहों से पूछताछ की जानी है। आगे कहा कि याचिकाकर्ता 23 महीने से हिरासत में है। मुकदमा सजा नहीं बन सकता।

शीर्ष अदालत ने श्री नायर को जमानत पर रिहा करते हुए कहा, ह्लइस मामले में याचिकाकर्ता 23 महीने से हिरासत में है और मुकदमा शुरू हुए बिना विचाराधीन कैदी के रूप में उसकी कैद सजा का तरीका नहीं हो सकती। अगर याचिकाकर्ता को मुकदमा शुरू किए बिना जेल में रखा जाता है तो 'जमानत नियम है और जेल अपवाद है' यह सार्वभौमिक नियम विफल हो जाएगा। पीठ ने कहा, जब मनीष सिसोदिया (दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री) का मामला इस अदालत में आया था, तब ईडी ने आश्वासन दिया था कि छह से आठ महीने के भीतर सुनवाई पूरी कर ली जाएगी, लेकिन देखा जा सकता है कि अभी तक सुनवाई शुरू नहीं हुई है।

ईडी ने 30 अक्टूबर 23 को 6-8 महीने के भीतर सुनवाई पूरी करने का आश्वासन दिया था।, लेकिन यह देखा गया है कि 40 लोगों को आरोपी बनाया गया और अभियोजन पक्ष करीब 350 गवाहों से पूछताछ करना चाहता है। श्री नायर को दिल्ली आबकारी नीति मामले से जुड़े जांच में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज मुकदमे में नवंबर 2022 में जमानत मिल गई थी। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा दिल्ली के मुख्य सचिव की रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई जांच की सिफारिश की गई थी।

कवयित्री बबीता सागर की कविता संग्रह 'सागर लफ्जों का' प्रचार के लिए प्रेस वार्ता आयोजित

ऋषि तिवारी

नई दिल्ली। प्रसिद्ध कवयित्री और लेखिका बबीता सागर ने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में अपने प्रशंसित कविता संग्रह 'सागर लफ्जों का' (खंड 1 और 2) के प्रचार के लिए एक विशेष संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पुस्तक को व्यापक दर्शकों से परिचित कराना और साहित्य जगत में सागर के योगदान को उजागर करना था। इस मौके पर मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में जाने-माने कवि अंश बसोया भी मौजूद रहे। 'सागर लफ्जों का' एक उल्लेखनीय द्विभाषी संग्रह है जिसमें हिंदी और अंग्रेजी दोनों में कविताएँ हैं, जो इसे विविध दर्शकों के लिए सुलभ बनाती हैं। ड्रीम पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक को रोहित आर्य के मार्गदर्शन में प्रकाशित किया गया है। यह पुस्तक प्रेम, हानि और जीवन के सार्वभौमिक विषयों पर प्रकाश डालती है, जो बबीता सागर की विचारोत्तेजक और हार्दिक कविता के माध्यम से पाठकों से जुड़ने की गहन क्षमता को प्रदर्शित करती है।

चंडीगढ़ में रहने वाली बबीता सागर चंडीगढ़ और पंजाब में लेखन समुदाय की सक्रिय सदस्य रही हैं। उनकी साहित्यिक यात्रा को कई प्रशंसाओं द्वारा चिह्नित किया गया है, जिसमें 'सागर लफ्जों का' खंड 2 को कई संगठनों द्वारा चुना गया और बेस्टसेलर का दर्जा प्राप्त किया गया और इस साल की शुरूआत में दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में भी अच्छी बिक्री हुई।

अपने लेखन करियर के अलावा, बबीता सागर एक कुशल कलाकार, फैशन डिजाइनर और एक पूर्व एनसीसी कैडेट भी हैं, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभाओं को दर्शाती हैं। सांस्कृतिक गतिविधियों से लेकर पंजाब स्कूल एसर परियोजना में हेल्पडेस्क समन्वयक के रूप में सेवा करने तक उनके विविध अनुभवों ने उनकी कविता को काफी प्रभावित किया है, इसे प्रामाणिकता और गहराई के साथ प्रभावित किया है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, बबीता सागर ने न केवल अपने काम को बढ़ावा देने की इच्छा पर जोर दिया, बल्कि साहित्यिक क्षेत्र में नए लेखकों को प्रेरित करने और अवसर प्रदान करने के लिए भी जोर दिया। इस कार्यक्रम में 'सागर लफ्जों का' से चयनित कविताओं का वाचन किया गया, जिससे उपस्थित लोगों को सागर के काम की गीतात्मक सुंदरता का प्रत्यक्ष अनुभव करने की अनुमति मिली। इसके बाद एक इंटरैक्टिव सत्र हुआ, जहां बबीता सागर ने दर्शकों के साथ अपनी कविता के पीछे की प्रेरणाओं और दो भाषाओं में लिखने की प्रक्रिया पर चर्चा की।

'सागर लफ्जों का' बबीता सागर के काव्य कौशल और भाषाई सीमाओं को पार करने की उनकी क्षमता का एक वसीयतनामा है। संग्रह को इसकी भावनात्मक गहराई, विशद कल्पना और हिंदी और अंग्रेजी के सहज सम्मिश्रण के लिए सराहा गया है, जो पाठकों को एक अनूठा और समृद्ध अनुभव प्रदान करता है। आज 'सागर लफ्जों का' की खोज करें, एक ऐसी कृति जो न केवल दिल को छूती है बल्कि कविता की शक्ति के माध्यम से सांस्कृतिक विभाजन को भी पाटती है। पुस्तक अब अमेजॅन, फ्लिपकार्ट और देश भर के प्रमुख बुकस्टोर्स पर उपलब्ध है।

आप और भ्रष्टाचार एक-दूसरे के पर्याय बन गये हैं : दिल्ली प्रदेश भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और दावा किया कि दिल्ली भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने इसका संज्ञान लिया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि पार्टी ने आप के भ्रष्टाचार के संबंध में दिल्ली एसीबी में शिकायत दर्ज कराई है और शाखा ने इसका संज्ञान लिया है। भाजपा के इस आरोप पर आप की अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी है।

सचदेवा ने कहा, चाहे स्वास्थ्य विभाग हो या शिक्षा विभाग या कोई अन्य विभाग हो, दिल्ली सरकार के सभी विभाग भ्रष्टाचार के केंद्र बन गए हैं। उन्होंने कहा कि आप और भ्रष्टाचार एक-दूसरे के पर्याय बन गए हैं तथा अरविंद केजरीवाल सरकार सभी जिम्मेदारियों से भागती है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा, जब भी भ्रष्टाचार या कोई अन्य अनियमितता होती है तो आप के मंत्री खुद को पाक-साफ बताते हुए अधिकारियों पर ठीकरा फोड़ देते हैं। अगर ऐसा है तो फिर मंत्री के तौर पर आप क्या कर रहे हैं?

इसी तरह भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आप के मंत्रियों ने मोहल्ला क्लीनिक एवं अन्य अस्पतालों को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया है। गुप्ता ने कहा, भाजपा विधायकों ने एसीबी को शिकायत के साथ विस्तृत रिपोर्ट भी दी है, जिसमें भ्रष्टाचार की पूरी जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि उस शिकायत का नतीजा यह हुआ है कि एसीबी ने इसका संज्ञान लेकर इस पर कार्रवाई शुरू कर दी है और इस संबंध में मुझे एक पत्र भी दिया है।

दिल्ली के पटाखा गोदाम में लगी भीषण आग, केयरटेकर की झुलसकर मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार थाना क्षेत्र अंतर्गत चौहान पट्टी में पटाखे के गोदाम में भीषण आग लग गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल की पांच गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इस अगिनकांड में एक शख्स की मौत हो गई। दमकल विभाग के मुताबिक, तड़के करीब 4:00 बजे पटाखा गोदाम में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पांच दमकल की टीम को मौके पर भेजा गया, जिसने आग पर काबू पा लिया।

आग बुझने के बाद तलाशी लेने पर वहां एक शख्स मिला, जो बुरी तरह झुलस गया था। घायल को अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अंदेशा है कि मृतक गोदाम में केयरटेकर के तौर पर काम करता था। हालांकि, पुलिस का कहना है कि पुख्ता तौर पर मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया गया है। लापरवाही से मौत सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। शुरूआती जांच में पता चला है कि गोदाम का मालिक कृष्णा है। जिन्होंने जावेद को किराए पर गोदाम दिया था। इस गोदाम में काफी तादाद में पटाखे स्टोर कर रखे गए थे।गोदाम में इतना पटाखा कहां से आया, इसकी हो रही जांचः बहरहाल, पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि गोदाम में इतना पटाखा कहां से आया? पुलिस गोदाम मालिक से पूछताछ करेगी। किराए पर गोदाम चलाने वाले जावेद की भी तलाश की जा रही है।

पर्यावरण एवं गणपति का रखें मान : राजेश्वरानंद

गणेश स्थापना से पहले सम्मानित विसर्जन करें निश्चित

नई दिल्ली, एजेंसी। गणपति स्थापना से अधिक सम्मानित विसर्जन करें निश्चित तभी गणेशोत्सव सुफलता प्रदान करेगा यह अति महत्वपूर्ण संदेश दिया गया आगामी गणेशोत्सव से पहले स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज द्वारा सनातन धर्मावलंबी गणेश भक्तों को संबोधित करते हुए गोरख पार्क शाहदरा स्थित श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर में। स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज ने आगामी गणेशोत्सव संदर्भ में भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि "कुछ दिनों के बाद गणेशोत्सव का शुभारंभ होने वाला है। जो भक्त लोग अपने घरों या सार्वजनिक स्थानों पर विशाल स्तर पर गणेश स्थापना करे वह

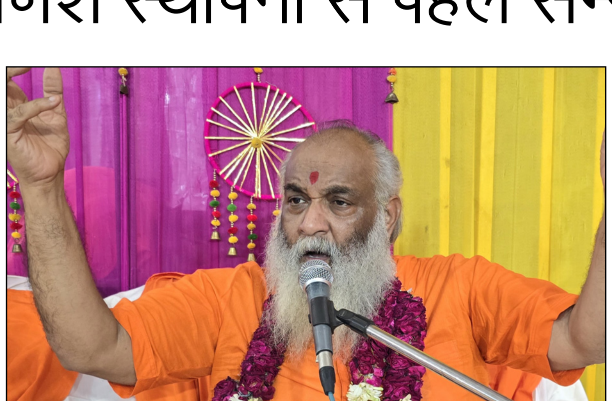

पहले सम्मानित ढंग से विसर्जन को सुनिश्चित अवश्य करें। ऐसा न हो कि हम लोग गणपति जी को इतना सम्मान तो दे न लेकिन दूसरी तरफ अनजाने में ही उनके एवम सनातन धर्म के अपमान के कारण बन जाएं। हम इतने सम्मान से गणपति जी की स्थापना पूजा अर्चना भोग प्रसाद आरती करते हैं लेकिन विसर्जन के समय एकाएक हम सब कुछ भूलकर इन पवित्र मूर्तियों को उस नदी में विसर्जित करने की तैयारी कर देते हैं जिस नदी के प्रदूषित जल में हम बच्चो को स्नान तो दूर की बात है उस अशुद्ध जल से हम हाथ धोना भी पसंद नही करते। स्वामीजी ने आगे बोलते हुए कहा कि "गणपति विसर्जन के बाद हमारे आराध्य देव गणपति जी के शरीर के अंग टुकड़े टुकड़े होकर नदी के किनारे धूल धूसरित होकर पड़े दिखाई देते हैं जिसपर पशु पक्षी गंदगी फैलाते हुए नजर आते है। इस तरह विसर्जन से सनातन धर्म को व्यंग का पात्र बनाने वाले कोई विधर्मी नही बल्कि हम स्वयं ही है। ऐसे में क्या हम गणपति जी से आशीर्वाद की उम्मीद रख सकते है? क्या इस तरह की पूजा आरती हमें सुख शांति दे सकते है? कतई नहीं! हमारा कर्तव्य बनता हैं कि हम प्राकृतिक मिट्टी से निर्मित छोटे से गणेश जी की प्रतिमा की स्थापना करे और फिर अपने गली मोहल्ले अथवा घर आंगन में ही एक जल प्रपात्र बनाकर उसमें इत्र, पुष्प, दूध आदि के मिश्रण में गणेश विसर्जन करने के बाद उस पवित्र जल को अपने घर के पौधों या आस पास के बाग बगीचे में सिंचाई के काम में लाएं जिससे हमारे पूजनीय गणपति जी हमारी आंखे के सामने पौधो के रूप में हमे हरियाली खुशहाली प्रदान करते रहें। नदी की जगह बाग बगीचे घर के पौधों में विसर्जन करने से दो तरह फायदा नदियां प्रदूषण से बचेंगी दूसरी तरफ हरियाली से प्रदूषण नियंत्रण में आएगा। स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज ने सार्वजनिक गणेशोत्सव मनाने वालों के लिए कहा कि आप एक बड़ी गणेश प्रतिमा स्थापित करके उत्सव मनाएं लेकिन विसर्जन के लिए छोटी गणपति की प्रतिमा रखें। इन सब उपायों से सनातन संस्कृति की मयार्दा बढ़ेगी, सड़को पर जाम से मुक्ति मिलेगी, जो धन बचे उसका गणेश जी के माता पिता के रूप में बुजुर्गो एवम अभावग्रस्त लोगो की सेवा में उपयोग करे, गणेश विसर्जन करते हुए नदी में हर साल दुर्घटना में युवाओं को काल कवलित होते देखा जाता है जानमाल की सुरक्षा की गारंटी रहेगी। निश्चित है कि आपके चेहरे की रौनक बढ़ेगी।

एक नजर

दिल्ली के नए चीफ सेक्रेटरी का पदभार ग्रहण के बाद छुट्टी पर गए आईएएस धर्मेंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के नए मुख्य सचिव धर्मेंद्र ने रविवार यानी 1 सितंबर को पदभार ग्रहण किया था। इसके बाद अब वह 2 सितंबर से 3 दिन की छुट्टी पर चले गए हैं। दिल्ली के कार्यवाहक चीफ सेक्रेटरी के तौर पर यह जिम्मेदारी एडिशनल चीफ सेक्रेटरी मनीष कुमार गुप्ता को दी गई है। कार्यवाहक मुख्य सचिव मनीष कुमार गुप्ता एजीएमयूटी केडर के 1991 बैच के सीनियर आईएएस अधिकारी हैं। वह फिलहाल दिल्ली सरकार में एडिशनल चीफ सेक्रेटरी हैं। उनके पास शहरी विकास विभाग, गृह विभाग और ड्यूसिब समेत कई अहम विभागों की जिम्मेदारी है। बता दें, नए चीफ सेक्रेटरी की दौड़ में मनीष कुमार गुप्ता का नाम भी शामिल था।

निवर्तमान चीफ सेक्रेटरी नरेश कुमार का कार्यकाल 31 अगस्त को समाप्त हो गया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से 1989 बैच के सीनियर आईएएस अधिकारी और अरुणाचल प्रदेश के सीएस आईएएस धर्मेंद्र को दिल्ली की जिम्मेदारी देने संबंधी आदेश जारी किया गया था। इन आदेशों के बाद चीफ सेक्रेटरी धर्मेंद्र ने रविवार को औपचारिक तौर पर अपना पदभार ग्रहण कर लिया था। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को 1 सितंबर को लिखे गए नोट के जरिए वर्तमान चीफ सेक्रेटरी धर्मेंद्र ने अवगत कराया है कि वह 2 सितंबर से 4 सितंबर तक उनके अरुणाचल प्रदेश सीएस का चार्ज हैंडओवर करने के दौरान वह अनुपस्थित रहेंगे। उनकी अनुपस्थिति में दिल्ली के मुख्य सचिव पद की जिम्मेदारी को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (यूडी) मनीष कुमार गुप्ता देखेंगे।

दिल्ली के पुष्प विहार में कैब पर गिरा पेड़, बाल-बाल बची ड्राइवर की जान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कई इलाकों में आज तेज हवाओं के साथ जमकर बारिश हुई। तेज हवाओं के चलते दक्षिण दिल्ली के पुष्प विहार में एक भारी पेड़ कैब के ऊपर गिर गया। यह हादसा उस वक्त हुआ जब कैब ड्राइवर अपनी सवारी को छोड़कर साकेत कोर्ट की तरफ जा रहा था। इसी बीच अचानक उसकी गाड़ी के ऊपर पेड़ गिर गया। हालांकि, गनीमत रही कि उस वक्त कैब में कोई सवारी नहीं थी। ड्राइवर को भी कोई चोट नहीं आई। इस पेड़ की चपेट में पास खड़ी एक अन्य गाड़ी भी आ गई। इस घटना की जानकारी कैब ड्राइवर ने दिल्ली पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर फायर की टीम और दिल्ली पुलिस के अलावा कई अन्य टीम भी पहुंची। सड़क पर जाम के हालात न बने, इसके लिए ट्रैफिक पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंची। पेड़ को कटर मशीन की मदद से काटकर सड़क से हटाया गया। यह घटना पुष्प विहार के एमिटी स्कूल के पास की है। गनीमत रही कि जिस वक्त यह घटना हुई उस वक्त स्कूल के बच्चे स्कूल में पढ़ाई कर रहे थे। अगर स्कूल की छुट्टी के समय यह हादसा हुआ होता तो कई बच्चे इसकी चपेट में आ सकते थे। बता दें, हाल में दिल्ली के बुराड़ी क्षेत्र में तेज हवा के कारण अचानक पेड़ सड़क पर गिर गया। इस हादसे में स्कूटी पर सवार दो युवक पेड़ के नीचे दब गए। इसमें एक की मौत हो गई थी। स्थानीय निवासियों का कहना था कि यहां सफेदे के बड़े-बड़े पेड़ हैं। पेड़ों की जड़ों में आग भी लगाई गई है। वन विभाग इस आग पर कोई कार्रवाई नहीं करता है। साथ ही जर्जर हो रहे पेड़ों को भी नहीं हटाता है, जिसके कारण हादसों का डर बना रहता है।

लीकेज के कारण दिल्ली के कई इलाकों में पानी की आपूर्ति नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। कमला मार्केट में पानी की लाइन में लीकेज के कारण सोमवार को सुबह दिल्ली के कई इलाकों में पानी की आपूर्ति नहीं होगी या बेहद कम दबाव पर पानी की आपूर्ति होगी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया, ह्यह्यआसफ अली रोड पर कमला मार्केट में पानी की लाइन में लीकेज को ठीक करने के लिए वजीराबाद जल शोधन संयंत्र फेज-दो और चंद्रावल जल शोधन संयंत्र को दो सितंबर आधी रात 12:30 बजे तक बंद रखा जाएगा। दिल्ली जल बोर्ड ने कहा कि दो सितंबर को सुबह आपूर्ति या तो कम दबाव पर होगी या बिल्कुल नहीं होगी। बयान में कहा गया है कि प्रभावित क्षेत्रों में करोल बाग, पटेल नगर और सदर बाजार, राजेंद्र नगर, एनडीएमसी, अशोक विहार, त्रि नगर, छावनी क्षेत्र, लॉरेंस रोड और आसपास के इलाके शामिल हैं। बयान के अनुसार, केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से पानी के टैंकरों का अनुरोध किया जा सकता है।

दिल्ली में बारिश के बाद महरौली बदरपुर रोड का बुरा हाल, आर्मी कैंप में घुसा पानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सोमवार से मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। राजधानी के कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। बारिश और हवाओं के असर से सुबह से ही दिल्ली का मौसम सुहावना बना हुआ है। वहीं, बारिश के बाद कई जगहों पर जलजमाव की समस्या उतपन्न हो गई। इसके चलते महरौली-बदरपुर रोड पर ट्रैफिक व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई। वहीं, मेहरौली बदरपुर रोड पर स्थित एशियन मार्केट आर्मी कैंप में बारिश का पानी घुस गया। महरौली बदरपुर रोड दक्षिणी दिल्ली की मुख्य सड़क है। जहां से हजारों लोग आते-जाते हैं। महरौली बदरपुर रोड पर लगभग 2 से 4 फीट पानी भर गया। इसके बाद कई गाड़ियां इस सड़क पर खराब हो गई और लंबा जाम लग गया। जो लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं, उनके लिए सबसे बड़ी आफत हो गई ट्रैफिक जाम। कई लोग ऑफिस जाने के लिए बस, ऑटो के लिए इंतजार करते दिखे। कई लोग तो वापस अपने घर के लिए रवाना हो गए।

जलजमाव से राहगीर परेशानः राहगीर दीपक शर्मा ने बताया, "मैं पैदल आ रहा हूं क्योंकि इस सड़क पर भारी जल भराव हो गया है। कमर तक पानी है। कई गाड़ी पानी में खराब हो गई है। मैं ऑफिस के लिए निकल रहा था और सुबह से इस सड़क पर फंसा हुआ हूं। अब पैदल चलने के अलावा मेरे पास कोई रास्ता नहीं है। ऑटो वाले दोगुना किराया मांग रहे हैं।" अगले कुछ दिनों तक होगी बारिशः मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों तक अच्छी बारिश होने का अनुमान है, क्योंकि मानसून ट्रफ एक बार फिर दिल्ली के आसपास से गुजर रहा है। जिससे राजधानी में मौसम ने फिर से करवट ली है। दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्र में अच्छी बारिश की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, आज सोमवार सुबह हुई बारिश के बाद दिल्ली में थोड़ा मौसम खुला लेकिन दोपहर होते-होते एक बार फिर आसमान में बादल छाए दिखे।

पश्चिमी दिल्ली में चाकू घोंपकर पत्नी को मार डाला, शव कार में ही छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन इलाके में 21 वर्षीय एक व्यक्ति ने चाकू घोंपकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी और उसका शव अपनी कार में ही छोड़ दिया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान गौतम के रूप में हुई है और जब वह भागने की कोशिश कर रहा था तभी इलाके में गश्त कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने उसे पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, गौतम देर रात संदिग्ध हालात में बिना कमीज पहने घूम रहा था तभी रात एक बजकर 20 मिनट पर ख्याला पुलिस थाने में तैनात हेड कांस्टेबल अजय ने उसे पकड़ लिया और पूछताछ की तो घटना का खुलासा हुआ। पूछताछ करने पर गौतम ने बताया कि उसने अपनी पत्नी मान्या (20) की हत्या कर उसका शव कार में ही छोड़ दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि मामले की पड़ताल की गई तथा पूछताछ जारी रखी गई जिसके बाद रघुबीर नगर निवासी गौतम ने पुलिस को बताया कि उसने मार्च में अपने परिवार की सहमति के बिना मान्या से शादी की थी।

जनसहभागिता से ही मानव-गुलदार संघर्ष न्यूनीकरण पर लगाम लगाई जा सकती है : अरुण कुमार

बिजनौर। मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग उ0प्र0 सरकार अरूण कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी एवं वन प्रभाग के मुख्य वन संरक्षक, डीएफओ, एसडीओ व समस्त रेंजरों तथा क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ मानव वन्यजीव संघर्ष निवारण के संबंध में बैठक आयोजित हुई। बैठक में मा0 राज्य मंत्री अरुण कुमार ने जिले में मानव गुलदार की घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमें जिले में हो रही मानव गुलदार की घटनाओं को सभी के सहयोग से रोकना है इसमें सभी विभागों को समन्वय से कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि गुलदार से होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए गुलदार प्रभावित ग्रामों में विशेष जागरूकता लाते हुए जनसहभागिता से ही मानव-गुलदार संघर्ष न्यूनीकरण पर लगाम लगाई जा सकती है।

उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी जिले में प्रतिदिन हो रही मानव गुलदार की घटनाओं लिए काफी चिंतित हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी विभाग जिम्मेदारी के साथ अपने-अपने स्तर से मानव गुलदार की घटनाओं को रोकने का प्रयास करें। उन्होंने निर्देश दिए कि विशेष कर प्रभावित क्षेत्रों को दृष्टिगत रखते हुए सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाना सुनिश्चित करें। उन्होंने जन मानस के लिए खतरनाक साबित हो रहे गुलदारों को पकड ? के लिए पिंजरे लगाने और प्रभावित क्षेत्रों में वन कर्मियों की सघन गश्त सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि वन्यजीव बाहुल्य क्षेत्रों/मानव वन्यजीव संघर्ष के दृष्टिगत संवेदनशील चिन्हित क्षेत्रों विशेष रूप से जो आबादी से लगे हों, में नियमित रूप से गश्त बढ़ाई जाये। गश्त के दौरान स्थानीय निवासियों से भी नियमित जन संपर्क किया जाये तथा उनको वन्यजीवों से सुरक्षा के उपायों के विषय में जागरूक किया जाये।

मा0 राज्यमंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मानव गुलदार संघर्ष कम करने के लिए जन जागरूकता आवश्यक है, एवं इसके लिए विभागीय अधिकारियों को गांवों में जाकर लोगों से समय-समय पर संवाद करना होगा। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए की संवेदनशील स्थानों में बिजली की कटौती कदापि ना की जाए। गुलदार हमले की दृष्टिगत उन्होंने कहा कि जहां दिन में बिजली की आवश्यकता रहती है वहां दिन में बिजली प्रदान की जाए जिससे वहां रहने वाले लोग दिन में ही अपने सभी कार्य पूर्ण कर सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि ड्रोन कैमरे और बढाएं जायें। उन्होंने निर्देश दिए की आशांकित स्थानों/जहां गुलदार की सक्रियता बनी हुई है में पिंजरे लगाने के लिए संबंधित डीएफओ को से परमिशन लेकर पिंजरे लगाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव वन,एवं जलवायु परिवर्तन विभाग उ0प्र0 शासन मनोज सिंह ने कहा कि लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि जिले के अलग अलग हिस्सों में वन्य जीवों के हमले हो रहे है। उन्होंने कहा कि गुलदार हमलों को रोकने में वन विभाग और अधिक अपनी सक्रियता दिखाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि मानव-गुलदार संघर्ष घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में संबंधित विभाग हर समय सतर्कता रखते हुए प्रशिक्षित वनकर्मियों की क्विक रिस्पांस टीम गठित कर उसे तत्काल मौके पर भेजा जाए।

जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल ने जिले में मानव-गुलदार संघर्ष न्यूनीकरण के सम्बन्ध में मा0 मंत्री जी को अवगत कराते हुए बताया कि वन विभाग द्वारा गुलदार प्रभावी क्षेत्रों में सूचना मिलने पर तत्काल आवश्यकता अनुसार कार्यवाही करते हुए पिंजरे लगाए जा रहे हैं साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि जागरूकता के लिए ग्रामों में प्रचार-प्रसार के लिए पम्पलेट, वॉल पेंटिंग एवं अन्य माध्यमों से भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रामों में आवश्यकता के अनुसार शौचालयों का भी निर्माण किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी विद्यालयों में बच्चों को गुलदार के बचाव से संबंधित कार्यक्रम आयोजित कर जागरूकता का कार्य भी किया जा रहा है। अंत में जिलाधिकारी ने मा0 मंत्री जी को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनके निदेर्शों का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

इस अवसर पर मा0 विधायक नहटौर ओम कुमार, मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष साकेन्द्र प्रताप सिंह, जिला अध्यक्ष भाजपा भूपेन्द्र चौहान, मुख्य वन संरक्षक विजय सिंह, वन संरक्षक मुरादाबाद रमेश चन्द, नगर पालिका अध्यक्ष बिजनौर श्रीमती इंदिरा सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह, वि0रा0 अरविंद कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक शहरी संजीव बाजपेई, परियोजना निदेशक ज्ञानेश्वर तिवारी, डीएफओ बिजनौर ज्ञान सिंह, नजीबाबाद वंदना फोगाट सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

दिल्ली एनसीआर में पुरानी लग्जरी वाहन चोरी कर बेचने वाले 3 शातिर चोर गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

नोएडा। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में पुराने लग्जरी वाहन चोरी करने वाले एक गिरोह के तीन शातिर वाहन चोरों को नोएडा के थाना फेस-वन पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से विभिन्न जगहों से चोरी की हुई तीन लग्जरी कारें बरामद की है। चोरों ने एनसीआर क्षेत्र में वाहन चोरी की कई वारदातें करनी स्वीकार की है।

एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्र ने बताया है कि एक सूचना के आधार पर थाना फेस-वन पुलिस ने आसिफ सिद्दकी पुत्र मौ. कासिम, अकील पुत्र शकील तथा परवेज आलम उर्फ सोनू पुत्र रहीस आलम को सेक्टर-14ए गंदे नाले के ऊपर बने पुल से गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से चोरी की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न जगहों से चोरी की हुई तीन लग्जरी कारें, एक तमंचा मय कारतूस, मास्टर चाबी व दो नंबर प्लेट व नकद 3450 रुपए बरामद हुए है।

एडीसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि वह नोएडा व दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में घूमते रहते है तथा मौका पाकर पुराने चार पहिया वाहन, जो आसानी से मास्टर की से खुल जाते हैं उन्हें चोरी कर लेते हैं। वाहन चोरों ने पुलिस को बताया है कि चार पहिया वाहन चोरी कर के खलील अहमद उर्फ खान निवासी दिल्ली और नदीम निवासी सहारनपुर को दे देते हैं तथा बाद में खलील अहमद उर्फ खान व नदीम उक्त पुरानी गाड़ियों को बेचने व कटवाने का कार्य कर आर्थिक लाभ लेते हैं। एडीसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार बदमाशों ने वाहन चोरी की कई वारदातें करनी स्वीकार की है।

चुनाव में पारदर्शिता के लिए महत्वपूर्ण प्रक्रिया है रेंडमाइजेशन : विक्रम सिंह

- विधानसभा आम चुनाव-2024 के लिए राजनितिक दल के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ बीयू, सीयू, वीवीपैट और ईवीएम का पहला रेंडमाइजेशन

फरीदाबाद, एजेंसी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाना ही प्रसाशन का दायित्व और जिम्मेदारी होती है। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को रिटर्निंग ऑफिस और विभिन्न राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में ईवीएम, बीयू, सीयू, वीवीपैट की रेंडमाइजेशन प्रक्रिया का पहला चरण सम्पन्न हुआ।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि विधानसभा आम चुनाव की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाए रखने के लिए रेंडमाइजेशन अति महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो चुनाव लड ? वाले राजनीतिक दलों की मौजूदगी में करवाई जाती है। यह प्रक्रिया पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत होती है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गई हिदायतों की सख्ती से पालन करें। उन्होंने कहा कि जिला फरीदाबाद के विधानसभा क्षेत्रों में अब 1650 पोलिंग स्टेशन की संख्या हो गयी है। इस बार 181 नए बूथ बनाए गए हैं। जिससे आमजन को सुविधा रहेगी कि वह अपने घर के पास ही मतदान कर सके। इसके अलावा, मतदाताओं को क्यू मैनेजमेंट एप से भी बीएलओ जानकारी देगा कि मतदान के लिए कितने लोग लाइन में हैं, ताकि एक समय में बहुत अधिक भीड़ मतदान केंद्र पर न हो और मतदाता को अपना वोट डालने के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि रेंडमाइजेशन प्रक्रिया के तहत ईवीएम आवंटन की प्रक्रिया पर उठने वाले सवालों और आपत्तियों की आशंका को खत्म किया जाता है।

कंप्यूटर पर ईवीएम मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से जिला में उपलब्ध सभी ईवीएम के नंबरों की सूची को दर्ज किया जाता है। कंप्यूटर अपने आप इन मशीनों को विधानसभाओं के बीच वितरित कर देता है, जिसके बाद कोई भी राजनीतिक दल यह नहीं कह सकता कि जानबूझकर कोई मशीन किसी विशेष विधानसभा अथवा बूथ में भेजी गई है। बैठक में एडीसी डॉ आनंद शर्मा, अतिरिक्त आयुक्त नगर निगम स्वप्निल रविंद्र पाटिल, एसडीएम फरीदाबाद शिखा अंतिल, एसडीएम बडखल अमित मान, सीटीएम अंकित कुमार, भाजपा से अश्विनी गुलाटी व मनीष गुलाटी, कांग्रेस पार्टी से राहुल सरदाना, सीपीएम पार्टी से वीरेंदर सिंह डंगवाल, आईएनएलडी पार्टी से आर एस रौटेला, जेजेपी पार्टी से प्रेम सिंह धनखड़, आप पार्टी से दिलराज गौड़ सहित इलेक्शन विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

एमिटी विश्वविद्यालय में 'अंतरिक्ष अनुसंधान में भविष्य की दिशा' पर की गई चर्चा

नोएडा, एजेंसी। एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष में 'अंतरिक्ष अनुसंधान में भविष्य की दिशा' पर लीडरशिप टॉक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मिसाइल एंड स्ट्रैटजिक सिस्टम के महानिदेशक डॉ. यू राजा बाबू, इंडियन स्पेस एसोसिएशन (आईएसपीए) के निदेशक विंग कमांडर सत्यम कुशवाहा, डीआरडीओ के टीडीएफ के एडिशनल डायरेक्टर अर्जुन कुमार, डीएसओ के ग्रुप कैप्टन विष्णु वाजपेयी और जॉनेट टेक्नोलॉजीस के सीईओ जॉन लिविंगस्टोन ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. एम एस प्रसाद और इंजिनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डिप्टी डीन डॉ. के एम सोनी ने अतिथियों का स्वागत किया।

मिसाइल एंड स्ट्रैटजिक सिस्टम के महानिदेशक डॉ. यू राजा बाबू ने कहा कि मानव मन में सदैव अंतरिक्ष को लेकर उत्सुकता और ज्ञिज्ञासा बनी रही है हम आसमान की तरफ देखते है और तारो के विश्व में नई संभावनाओं को तलाशते है। डॉ. बाबू ने कहा कि अंतरिक्ष में बढ़ते कदमों ने हमारी जानकारी को बढ़ाया है हमने अन्य ग्रहों के वातावरण और गैलेक्सी को भी समझा है। वर्तमान युग अंतरिक्ष का युग है और सैटेलाइट लगभग हर क्षेत्र पर्यावरण, नैविगेशन, सुरक्षा और डिफेंस आदि में सहायक हो रही है। कई देश ना केवल सुरक्षा हेतु बल्कि युद्ध में सैटेलाइट का उपयोग कर रहे है जिसका उदाहरण रशिया और युक्रेन का युद्ध है। आज अंतरिक्ष अनुसंधान सबसे महत्वपूर्ण विषयों में है जिसमें युवाओं की रूचि बढ़ रही है और सबसे अधिक शोधकर्ता अकादमिक क्षेत्र से आ रहै है, अनुसंधान के लिए सरकार और निजी क्षेत्रों द्वारा सहायता प्रदान की जा रही है। स्पेस वाहन की लांचिग और कक्षीय मलबा को कम करने के लिए इसरों द्वारा निगरानी की जा रही है, अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्रो में कार्य करने वाले छात्रों को इन विषयों पर कार्य करना चाहिए। अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत को सफल बनाने के लिए हम सभी का योगदान आवश्यक है।

आईएसपीए के निदेशक विंग कमांडर सत्यम कुशवाहा ने कहा कि इंडियन स्पेस एसोसिएशन (आईएसपीए) को भारत मे निजी अंतरिक्ष उद्योग के सफल सहयोगात्मक विकास के लिए स्थापित किया गया है। हम पूरे भारतीय अतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र के सभी हितधारकों के बीच अंतरिक्ष से संबधित जानकारी, सूचना और प्रौद्योगिकी के आदान प्रदान के लिए कार्य करते है ताकि भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में अग्रणी बनाया जा सके। देश वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यस्था में तेजी से आगे बढ रहा है और तकनीक अनुंसधान ही सफलता का मुख्य मंत्र है।

डीआरडीओ के टीडीएफ के एडिशनल डायरेक्टर अर्जुन कुमार ने कहा कि किसी भी अनुसंधान, प्रोजेक्ट के लिए वित्त सहायता एक महत्वपूर्ण आधार होता है। देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रक्षा प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने हेतु टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड की स्थापना की गई है। डीआरडीओ द्वारा रक्षा डत्पादन, सेनाओं की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए क्रियान्वित किया जाता है। श्री कुमार ने कहा कि डीआरडीओं, अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में तकनीकी के विकास के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. एम एस प्रसाद ने कहा कि एमिटी, इसरो व अन्य सरकारी एंजेसियों द्वारा संचालित किये जा अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य करके राष्ट्र निर्माण में सहयोग दे रहा है। आज चंद्रमा में रॉकेट का लैंड करना और अंतरिक्ष में एक उपलब्धि पृथ्वी पर लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। एमिटी, अंतरिक्ष के क्षेत्र में कार्य करने वाले कुशल मानव संसाधन तैयार कर रही है और भारत में चल रहे अंतरिक्ष योजना कार्यक्रमों में सहभागीता दे रही है। इस अवसर पर डीएसओ के ग्रुप कैप्टन विष्णु वाजपेयी और जॉनेट टेक्नोलॉजीस के सीईओ जॉन लिविंगस्टोन, इंजिनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डिप्टी डीन डॉ. के एम सोनी और एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी की डॉ. शिवानी वर्मा ने अपने विचार रखे।

एक नजर

दनकौर पुलिस ने 7 चोरों को पुलिस ने दबोचा

ऋषि तिवारी/ग्रेटर नोएडा। थाना दनकौर ग्रेटर नोएडा के पुलिस ने चोरी करने वाले 7 चोरों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके पास से से अवैध शस्त्र, चोरी की मोटर साइकिल पेशन प्रो, चोरी करने के औजार व घटना में प्रयुक्त वैगनआर कार बरामद की है। बता दे कि यह आरोपी मिलकर अधिकांश रात के समय चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया करते थे। एडीसीपी ग्रेटर नोएडा अशोक कुमार ने बताया है कि सोमवार को थाना दनकौर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दौराने चैकिंग सैक्टर-18 यमुना विकास प्राधिकरण पाकेट आई के पास एक बन्द पडे मकान के सामने से 7 आरोपी रितेश पुत्र गुलसु, ओमकार पुत्र विजेन्द्र, प्रदीप पुत्र सूरजभान तथा अन्य सह आरोपी, छोटू सिंह पुत्र विजेन्द्र सिंह, शावेज पुत्र फरमान, विशाल पुत्र योगेन्द्र रावल और पवन पुत्र वेद प्रकाश को पानी की टंकी सैक्टर-18 के पास से गिरफ्तार किया गया।

सेक्टर-3 में आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी की बैठक

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-3 में रविवार को आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता श्याम सिंह और संचालन सचिन सिंह ने किया। इस दौरान कार्यकारिणी को चुना गया। अध्यक्ष अनिल खटाना, उपाध्यक्ष दिनेश नागर, महासचिव ए के गौतम, कोषाध्यक्ष अशोक चौधरी और कार्यकारिणी सदस्य टिंकल खारी, नीरज शर्मा, आनंद चौहान, रामपाल सिंह, सतीश भड़ाना, ए के शर्मा, ओम सिंह पवार, वीरेंद्र, श्योराज सिंह, मनोज चैहान को चुना गया।

रामलीला को लेकर पदाधिकारियों ने की बैठक

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। सेक्टर बीटा-2 स्थित मंदिर में श्री धार्मिक रामलीला कमेटी ग्रेटर नोएडा के पदाधिकारियों ने बैठक की। इसमें तय हुआ कि तीन अक्तूबर से लेकर 12 अक्तूबर तक रामलीला का मंचन किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष आनंद भाटी ने बताया कि रामलीला का मंचन राजस्थान के कलाकारों के द्वारा किया जाएगा। सेक्टर पाई वन स्थित रामलीला मैदान में भूमि पूजन आठ सितंबर को वैदिक मंत्रों द्वारा हवन करके किया जाएगा। इस मौके पर संस्था के मुख्य संस्थापक गोस्वामी सुशील महाराज, संस्थापक राजकुमार नागर, संरक्षक हरवीर मावी,नरेश कुमार गुप्ता,शेर सिंह भाटी, पंडित प्रदीप शर्मा, बालकिशन सफीपुर, सुशील नागर, उमेश गौतम, आनंद भाटी अध्यक्ष, ममता तिवारी महासचिव, अजय कुमार नागर कोषाध्यक्ष, धीरेंद्र भाटी मीडिया प्रभारी, महेश शर्मा, पवन कुमार नागर और रोशन सिंह आदि सदस्य उपस्थित रहे।

खेल-खेल में बच्चों ने अखबार पढ़ना सीखा

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-70 स्थित पैन ओएसिस सोसाइटी में आपके अपने हिन्दुस्तान समाचार पत्र समूह ने रविवार को सोसाइटी सोशल कार्यक्रम का आयोजन किया। यहां मनोरंजन के लिए 10 से अधिक प्रतियोगिताएं कराई गईं। इसमें पजल, रस्सी खींच, सहित कई प्रतियोगिताएं शामिल रहीं। इनमें बच्चे और बड़ो ने गर्मजोशी के साथ हिस्सा लिया। साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता के दौरान पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दिया। इसके साथ ही गेम में भी हिस्सा लिया, जिसमें बच्चों और बड़ों की दोनों टीमें विजेता हुई। विजेताओं को आकर्षक उपहार दिए गए। इस दौरान बच्चों को समाचार पत्र के पढ़ने के महत्व के बारे में बताया गया। बच्चों ने कार्यक्रम में अखबार को पढ़ा इसके साथ ही इसमें छपे पैरा ओलंपिक खेलों में विजेता खिलाड़ियों के नाम भी बताए। कई बच्चों ने देश-विदेश की घटनाओं पर आधारित खबरों से पूछे गए प्रश्नों का भी सही जवाब दिया। कार्यक्रम में बच्चे ने खुशी-खुशी दो घंटे तक हिन्दुस्तान समूह के अखबार पढ़े और इसको अपने पढ़ाई का हिस्सा बनाने के लिए हामी भरी। प्रतियोगिता में छोटे बच्चे अपने दादा-दादी और पापा-मम्मी के साथ शामिल हुए। प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर बच्चों के साथ ही बड़ों ने खूब आनंद उठाया और बम्पर इनाम अपने नाम किया। सबसे पहले सही जवाब शार्विक वर्मा ने दिया। पजल प्रतियोगिता में रीतिका विजयी रहीं। पार्ट एंड प्ले में अद्विका ने जीत दर्ज की। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में लव्या विजयी रही। गाने के संदेश में तेजश विजयी रहे, जबकि उपविजेता अद्विका रहीं। रस्सी खींच प्रतियोगिता बालक, बालिका वर्ग और बच्चों और बड़ों दोनों की अलग-अलग कराई गई। इस प्रतियोगिता में रीतिका और मोहिनी, मनोज पांडेय की टीम विजयी रही। वहीं, कार्यक्रम के अंत में फिल्मी गाने के माध्यम से सवाल पूछे गए। इसके साथ ही रितेश कुमार और उनके अन्य साथियों ने प्रतियोगिता में सबसे अधिक उपहार जीता।

पलवल में जीजा साले सहित 3 से मारपीट व लूटपाट, मुकदमा दर्ज

पलवल, एजेंसी। पलवल में दबंगों ने जीजा साले सहित तीन लोगों का रास्ता रोककर उनके साथ मारपीट कर लूटपाट करने की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चार नामजद सहित 15 लोगों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सोफ्ता गांव निवासी साहुन ने पुलिस को बताया कि वह रात्रि के करीब साढे दस बजे अपने भतीजे शमीर और साले अफसर के साथ ड्यूटी से अपने घर लौटकर जा रहा था। उसी दौरान रास्ते में सोफ्ता गांव के अन्दर आजाद, कैफ, इमरान सहित चार लड़कों ने उनका रास्ता रोक लिया और मारपीट की। आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपी उनसे करीब 1800 रुपए लूट कर ले गए। वहां से पीडित जैसे-तैसे उनसे बचकर अपने घर पहुंच गए। इतने में ही आरोपी अपने साथ 15-20 लड़कों जिनके हाथों में लाठी, डंडा, कुल्हाड़ी व अन्य हथियार थे, लेकर उनके घर पर पहुंच गए। आरोपियों ने घर में घुसकर फिर से उनके साथ मारपीट की और इस बारे में शिकायत देने पर जान से मारने की धमकी दी। पीडित साहुन का कहना है कि आरोपियों ने करीब तीन माह पूर्व उसकी पत्नी का रास्ता रोक कर मारपीट की थी। जिसके संबंध में बिरादरी में समझौता हो गया था, लेकिन आरोपी उसी बात की रंजिश रखे हुए थे।

ऐतिहासिक दंगल में होगी लाखों रुपए की कुश्तियां : रतन सिंह

पलवल, एजेंसी। श्री बलदेव छठ के उपलक्ष्य में मुंडकटी पर लगने वाला ऐतिहासिक इनामी दंगल इस वर्ष 9 सितंबर को लगेगा। यह जानकारी दंगल के आयोजक रतन सिंह सौरोत ने दी। रतन सिंह सौरोत ने कहा कि दंगल में हरियाणा, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली व पंजाब सहित भारत केसरी व हरियाणा केसरी पहलवान भी अपना दम दिखाने के लिए आएंगे। दंगल में लाखों रुपए तक के इनाम पहलवानों को दिए जाएंगे। सौरोत ने सोमवार को यहां पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 9 सितंबर को 41वां वार्षिक मुंडकटी दंगला का आयोजन धूमधाम के साथ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 8 सितंबर को मुंडकटी मंदिर के प्रांगण में इलाके के चौबीसी के गांवों की भजन पार्टियों द्वारा भजन-कीर्तन किया जाएगा और 9 सितंबर को सुबह मंदिर पर हवन कर भंडारे का आयोजन किया जाएगा। वहीं दोपहर 12 बजे तक भंडारा चलेगा।

संक्षिप्त खबरें

स्वास्थ्य विभाग में बड़ी कार्रवाई, 26 चिकित्सकों की बर्खास्तगी के निर्देश जारी, लापरवाही का आरोप

लखनऊ। ड्यूटी के प्रति लापरवाह रहने और गैर हाजिर होने के कारण स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रमुख सचिव स्वास्थ्य को इन सभी डॉक्टरों को बर्खास्त करने का निर्देश दिया है। वहीं, तीन चिकित्सकों की दो साल के लिए दो-दो वेतन वृद्धियां रोकीं गई गई हैं और एक को परनिंदा प्रविष्टि दी गई है।

जिन डॉक्टरों पर गाज गिरी है उनमें जालौन, बरेली, मैनपुरी, सिद्धार्थनगर, ललितपुर और बलिया के चिकित्सक शामिल हैं। इस सूची में बस्ती, रायबरेली, मथुरा, फिरोजाबाद, बहराइच, सहारनपुर और शाहजहांपुर के भी डॉक्टर शामिल हैं। मामले में स्वास्थ्य महानिदेशालय में संयुक्त निदेशक के पद पर तैनात डॉ. नीना वर्मा से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

बीच सड़क यूं आई इकलौते बेटे की मौत... मां के हाथों में एक साल के मासूम ने तोड़ा दम; चीख उठे दंपती

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में सोमवार की दोपहर दर्दनाक हादसा हुआ। यहां स्कूटी सवार ने साइकिल में पीछे से टक्कर मार दी। इसके बाद मां के हाथ से उछलकर एक वर्ष का मासूम सड़क पर जा गिरा। कुछ ही पल में उसकी सांसें रुक गईं। घटना के बाद परिजन ने हंगामा करते हुए हाईवे पर जाम लगा दिया। आरोप लगाया कि स्कूटी को पुलिसकर्मी चला रहा था। पुलिस ने मामले की जांच व मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद जाम खुलवाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

हादसा हाईवे थाना क्षेत्र के राधापुरम कॉलोनी के मोड़ के पास हुआ। गणेशरा क्षेत्र के रहने वाले पेशे से मजदूर घनश्याम पचौरी अपनी पत्नी छाया को साइकिल पर बैठाकर एक साल के बेटे कृष्णा को दवा दिलाने जा रहे थे। कृष्णा अपनी मां की गोद में था। छाया के अनुसार राधापुरम कॉलोनी के मोड़ के पास पीछे से आए तेज रफ्तार स्कूटी सवार ने साइकिल में टक्कर मार दी। इससे बेटा कृष्णा गोद से उछलकर सड़क पर जा गिरा।

मौके पर स्कूटी सवार को पकड़ लिया। अन्य परिजनों को बुलाते हुए उसे हाईवे पर ही स्थित एक निजी अस्पताल में ले गए। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस पर स्कूटी चालक भागने लगा। उसे पकड़ने की कोशिश की तो बताया कि रौब झाड़ने लगा कि पुलिस में दरोगा है। जेल भिजवा देगा। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया।

इधर, अन्य परिजन व रिश्तेदार कृष्णा की मौत की खबर पाकर अस्पताल आ गया। उन्होंने गुस्से में जाम लगाकर प्रदर्शन किया। इधर, सूचना पर थाना हाईवे पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजने का प्रयास किया तो भीड़ उग्र हो गई। तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। करीब आधा घंटे तक हंगामा जारी रहा।

इंस्पेक्टर आनंद कुमार शाही के अनुसार परिजनों को समझाते हुए शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया। उन्होंने आश्वासन दिया है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जाएगी। इंस्पेक्टर के अनुसार अभी यह स्पष्ट नहीं है कि स्कूटी सवार पुलिसकर्मी है या नहीं। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। उसकी तलाश की जा रही है।

बेटे को सांप ने काटा तो गोबर से ढक दिया पूरा शरीर, फिर जो हुआ...टूट गया सारा भ्रम

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के एक गांव में अंधविश्वास से जुड़ा ऐसा मामला सामने आया, जिसे जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। हुआ कुछ यूं कि नौहझील थाना क्षेत्र के एक गांव में सर्पदंश के चलते किशोर की हालत बिगड़ गई। परिवार के लोग उसे उपचार के लिए डॉक्टर के पास लेकर गए। यहां डॉक्टर ने किशोर को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद भी परिवार के लोगों ने हार नहीं मानी। गांव में एक बायगीर को बुला लिया गया। बायगीर ने दावा किया कि वो किशोर को जीवत कर देगा। इलाज के नाम पर उसने किशोर की लाश को गोबर से ढक दिया, लेकिन किशोर जिंदा नहीं हो सका। जिसके बाद उनका सारा भ्रम टूट गया कि वो अब जीवित हो सकता है।

जानकारी अनुसार क्षेत्र के गांव मिट्ठोली में बीती रविवार की रात घर में सो रहे 11 वर्षीय किशोर मयंक पुत्र प्रमोद कुमार सांप ने काट लिया था। गहरी नींद के चलते किशोर को पता नहीं चला। सुबह होने पर उसकी हालत बिगड़ गई। ये देख परिजन उसे निजी चिकित्सक के यहां ले गए। चिकित्सक द्वारा किशोर का उपचार किया गया, मगर हालत में सुधार नहीं हुआ। चिकित्सक ने हाथ खड़े कर दिए और कही बाहर शहर ले जाने के लिए कहा।

परिजन किशोर को अलीगढ़ स्थित मेडिकल अस्पताल में ले गए, जहां डाक्टरों ने किशोर को सर्पदंश का हवाला देते हुए मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने जिस कमरे में किशोर सोया था, उसमें सर्प होने की आशंका जताई और सांप को खोजना प्रारंभ किया। सांप को पकड़ भी लिया गया।

ग्रामीणों ने परिजनों को वायगीरों को दिखाकर किशोर के जिंदा होने की बात कही। परिजनों का अंधविश्वास कहें या जिंदा होने की आशा। वे किशोर को गांव नीमगांव ले गए जहां वायगीरों ने झाड़ फूंक कर उपचार किया मगर सफलता नहीं मिली। इधर गांव में भी कुछ वायगीर बुलाये गए, जिन्होंने किशोर को जिंदा करने के लिए किशोर की लाश को गोबर में गाढ़वा दिया। किशोर को करीब ढ़ाई से तीन घंटे तक गोबर में गाढ़ कर रखा गया, जहां कारनामे को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। गोबर में गढ़े होने के बाद भी वायगीरों को कोई सफलता हाथ नहीं लगी। अब परिजन उसे जेवर निवासी किसी वायगीर के यहां ले गए हैं।

गाने में रोल दिलाने के बहाने में छात्रा को बुलाकर चलती एसयूवी में सामूहिक दुष्कर्म, दो हिरासत में

लखनऊ। गाने में रोल दिलाने के नाम पर बृहस्पतिवार को प्रॉपर्टी डीलर व उसके साथियों ने छात्रा से चलती कार में सामूहिक दुष्कर्म किया और फिर उसे एक होटल ले गए। यहां भी उसके दरंदिगी की। होश में आने पर आरोपी पीड़िता को छोड़कर भाग निकले। चिनहट पुलिस ने प्रॉपर्टी डीलर सहित तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दो को हिरासत में ले लिया।

कानपुर की रहने वाली छात्रा के मुताबिक कुछ दिन पहले इंस्टाग्राम पर उनकी दोस्ती चिनहट निवासी प्रॉपर्टी डीलर विपिन सिंह से हुई थी। धीरे-धीरे दोनों में दोस्ती हो गई। इस बीच विपिन ने उसे एक गाने में रोल दिलाने की बात कही थी। आरोपी ने इसके लिए पीड़ित छात्रा को लखनऊ आने के लिए कहा था। 28 अगस्त की शाम छात्रा चिनहट के मटियारी में स्थित होटल रिजेंसी पहुंची। जहां एक एसयूवी में विपिन सिंह उसका रिश्तेदार विनाम सिंह और उसका कर्मचारी हिमांशु सवार था।

विपिन सिंह छात्रा को एसयूवी में बैठाकर अपने कार्यालय पहुंचा। यहां रोल के सिलसिले में एक शख्स से मुलाकात कराई। इसके बाद आरोपी ने पीड़िता से उसे घर छोड़ने की बात कही। पीड़िता का आरोप है कि चलती कार में विपिन सिंह ने उसे चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया।

संस्कृत विश्वविद्यालय के मुख्य भवन में बनेगा वैदिक 3डी म्यूजियम, सीएम योगी ने किया निरीक्षण

वाराणसी। भारतीय ज्ञान परंपरा के अति प्राचीन केंद्र संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक मुख्य भवन में वैदिक वांग्मय के क्रमिक विकास पर आधारित 3डी म्यूजियम का निर्माण किया जाएगा। इसमें 16 संस्कारों, 64 कलाओं और 18 विद्याओं को विस्तृत रूप दिया जाएगा। ऋषि तुल्य आचार्यों के शोध एवं भारतीय नक्षत्र विद्या के दर्शन भी म्यूजियम में होंगे।

राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय पुनः विश्वविद्यालय के संकाय के रूप में परिवर्तित करने पर भी सहमति बनी। यह निर्णय रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के निरीक्षण के दौरान हुए। मुख्यमंत्री ने विकास कार्य सहित अन्य गतिविधियों को देखा। विश्वविद्यालय के पठन-पाठन सहित अन्य गतिविधियों के संबंध में कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा सहित अन्य अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को विस्तार से अवगत कराया। राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चौकाघाट को पुनः इस संस्था के संकाय के रूप में परिवर्तित करने के प्रस्ताव को सीएम ने स्वीकार किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों सहित लाइब्रेरी एवं छात्रावासों को भी देखा। लाइब्रेरी में पुरातन काल की संग्रहीत पौराणिक पांडुलिपियों का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। उन्होंने कुलपति के प्रस्ताव पर परिसर स्थित 234 वर्षीय मुख्य भवन के अंदर का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक सरस्वती भवन में संरक्षित दुर्लभ पांडुलिपियों में रास पंचाध्यायी, भागवतगीता एवं दुर्गासप्तशती (विशेष कपड़े में लिखी गई) स्वर्ण अक्षरों एवं स्वर्ण कलाओं से युक्त को देखकर भाव विभोर हुए। उन्होंने भारतीय संस्कृति के धरोहर को संरक्षित करने के अभियान को निरंतर जारी रखने तथा विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे इस प्रयास की सराहना भी की।

छात्रावासों का किया निरीक्षण, दिए निर्देश...मुख्यमंत्री ने विस्तार भवन में भारत सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन द्वारा पांडुलिपियों के संरक्षण के कार्य का भी अवलोकन किया। छात्रावासों का निरीक्षण करते हुए क्रमशः शोध छात्रावास एवं गंगानाथ झा छात्रावास देखा। गंगानाथ झा छात्रावास का निरीक्षण करने के बाद वहां पर साइकिल स्टैंड एवं गाड़ी स्टैंड बनाये जाने का निर्देश देते हुये स्वच्छता, जर्जर तारों को बदलने सहित अन्य जरूरी कार्यों को कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान ये रहे मौजूद...निरीक्षण के दौरान स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल, आयुष एवं खाद्य सुरक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु, कुलपति प्रो बिहारी लाल शर्मा, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, विकास प्राधिकरण के मानद सदस्य अंबरीश सिंह भोला, जिलाधिकारी एस. राजलिंगम, अपर पुलिस कमिश्नर एस चनप्पा सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

निरीक्षण के बाद पहुंचे बाबा दरबार...मुख्यमंत्री संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के निरीक्षण करने के पश्चात श्री काशी विश्वनाथ मंदिर एवं काशी के कोतवाल काल भैरव मंदिर में दर्शन पूजन करने पहुंचे। मंदिर के अर्चकों ने विधि-विधान से पूजन कराया। इसके बाद वह अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए।

डिप्टी सीएम केशव के आवास का घेराव, पुलिस ने किया बलप्रयोग

लखनऊ। 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी सोमवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव करने जा रहे थे कि पुलिसकर्मियों ने उन्हें रास्ते में ही रोक लिया।

इस दौरान पुलिसकर्मियों की अभ्यर्थियों से झड़प भी हुई जिस पर पुलिस ने बलप्रयोग कर उन्हें आगे जाने से रोक लिया। कुछ देर के लिए वहां अफरातफरी मची रही।

बता दें कि सहायक शिक्षक भर्ती की चयनितों की सूची हाईकोर्ट से रद्द किए जाने के बाद अभ्यर्थी लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं और नई सूची जारी करने की मांग कर रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि पिछड़े वर्ग से आने वाले अभ्यर्थियों को उनका हक दिया जाए और नई सूची जारी की जाए। इन्हीं मांगों को लेकर अभ्यर्थी लगातार आंदोलनरत हैं। सोमवार को अभ्यर्थी लखनऊ में प्रदर्शन करते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के सरकारी आवास का घेराव करने जा रहे थे कि पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोक लिया।

इस पर अभ्यर्थियों की पुलिस से झड़प हो गई। अभ्यर्थियों ने मांग की है कि सूची जारी कर उन्हें जल्द नियुक्ति दी जाए और उन्हें आरक्षण का लाभ दिया जाए।

BHU में हर चेहरे की होगी निगरानी: कैंपस में बनेगा सिक्योरिटी कमांड सेंटर, अपराधी घुसे तो भेजेगा अलर्ट

वाराणसी बीएचयू कैंपस की सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कुलपति आवास के पास सिक्योरिटी कमांड सेंटर बनाया जाएगा। इससे पहले कैंपस में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वालों का डेटाबेस फोटो के साथ तैयार किया जाएगा। चिह्नित लोग विश्वविद्यालय के किसी भी गेट से कैंपस में प्रवेश करेंगे तो फेस रिकग्निशन टेक्निक से उनकी फोटो सिक्योरिटी कमांड सेंटर की स्क्रीन पर फ्लैश होने लगेगी और अलर्ट जारी हो जाएगा।

इसके लिए डीपीआर तैयार की जा रही है। सिक्योरिटी कमांड सेंटर बनने के बाद एक ही जगह से ही कैंपस के संकायों, विभागों, हॉस्टल के अलावा अस्पताल सहित अन्य जगहों पर सुरक्षा की निगरानी हो सकेगी। परिसर के सभी प्रवेश द्वार पर हाई रिजॉल्यूशन के नाइट विजन कैमरे लगाए जाएंगे। इससे कैंपस में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की फेस रीडिंग हो सकेगी। गाड़ी के नंबर भी कैप्चर हो जाएंगे।

परिसर में छेड़खानी, मारपीट, अस्पताल में चोरी की घटनाओं पर पूरी तरह अंकुश लगा पाना चीएचयू प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती है। चीफ प्रॉक्टर प्रो. एसपी सिंह ने बताया कि इस सेंटर में ऐसी व्यवस्था की जाएगी कि पूर्व में मारपीट, चोरी, छेड़खानी जैसी घटनाओं को अंजाम दे जाएगी। एक ही जगह सभी फुटेज भी सुरक्षित किए जा चुके अराजक तत्वों की फोटो सॉफ्टवेयर में फीड रहेगी।

केंद्रीयकृत व्यवस्था न होने से होती है परेशानी...कैंपस में सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए कोई केंद्रीयकृत व्यवस्था नहीं है। इस वजह से घटनाओं के दौरान अलग-अलग जगहों पर जाकर सीसी फुटेज लेनी पड़ती है। अब सेंटर से ही सभी जगहों की निगरानी हो सकेंगे।

महीने में दो बार समीक्षा...कमांड सेंटर में एक बड़ा हॉल भी बनाया जाएगा। इसमें महीने में कम से कम दो बार प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों के साथ ही सुरक्षा सुपरवाइजर, महिला सुरक्षाधिकारी सहित अन्य लोगों के साथ सुरक्षा के मुद्दे पर बैठक, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि का आयोजन कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी की जाएगी।

तीन महीने तक सुरक्षित रख सकेंगे सीसी कैमरे की फुटेज...विश्वविद्यालय में सीआईएसएफ की टीम ने पिछले दिनों करीब 15 दिन तक रहकर सुरक्षा के हर छोटे से बड़े बिंदुओं का अध्ययन किया था। अभी टीम की विस्तृत रिपोर्ट आनी बाकी है, लेकिन टीम के सदस्यों ने जो कुछ सुझाव दिए थे, उसे धीरे-धीरे अमल में लाना शुरू कर दिया है।

क्या बोले अधिकारी...डीपीआर तैयार की जा रही है। जल्द ही काम शुरू होगा। इसके तहत गेट और चौराहों पर लगने वाले इन कैमरों में तीन माह तक फुटेज सुरक्षित रहेगी। अभी केवल 7 से 12 दिन तक ही फुटेज रह पाती हैं। -प्रो. एसपी सिंह, चीफ प्रॉक्टर, बीएचयू

वाराणसी में बुलडोजर एक्शन से नाराज सपाइयों का मौन सत्याग्रह

वाराणसी वाराणसी के रोहनियां में बुलडोजर की कार्रवाई से सपाइयों में आक्रोश है। समाजवादी युवजन सभा के कार्यकताओं ने सोमवार को संगठन के प्रदेश महासचिव किशन दीक्षित के नेतृत्व में मैदागिन टाउनहाल स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष मुंह पर काली पट्टी बांधकर सत्याग्रह शुरू कर दिया। आरोप लगाया कि सरकार काशी को क्योटो बनाने के नाम पर विरासत को खत्म करने का काम कर रही है। इसे बर्दश्त नहीं किया जाएगा।

बता दें कि रोहनिया में सड़क चौड़ीकरण के लिए अतिक्रमण हटाने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में वाराणसी विकास प्राधिकरण की ओर से गांधी चबूतरा व भारत माता मंदिर पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया गया था। मामले को लेकर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अपने एक्स हैंडल पर ट्वीट कर नाराजगी जताई थी।

सपाइयों ने इस फैसले को अनुचित कदम बताते हुए अब सड़कों पर उतर कर लड़ाई शुरू कर दी है। सपा कार्यकताओं ने सोमवार को टाउनहॉल स्थित गांधी प्रतिमा के पास मौन सत्याग्रह किया और मौजूदा सरकार पर सवाल उठाया। सत्याग्रह पर बैठे समाजवादी पार्टी युवजन सभा के प्रदेश महासचिव किशन दीक्षित ने कहा कि काशी के प्रतीक चिन्हों को विकास के नाम पर तोड़कर भाजपा सरकार वाराणसी की विरासत को ही खंडित कर देना चाहती है।कहा कि यूपी सरकार के फैसले से क्षुब्ध होकर हम समाजवादी मौन सत्याग्रह कर रहे हैं।

किशन दीक्षित ने कहा कि गांधी चबूतरा और भारत माता मंदिर को सिर्फ तोड़ा ही नहीं गया बल्कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों को समाप्त करने की कोशिश की गई है। पिछले साल राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ व गांधी विद्या संस्थान परिसर को भी ध्वस्त कर-के जबरन कब्जा किया गया। विकास के नाम पर काशी की धरोहर और प्रतीक चिह्नों को लगातार नष्ट करके काशी की संस्कृति, इतिहास पर हमला किया जा रहा है। इसी तरह भाजपा सरकार ने कॉरिडोर निर्माण के नाम पर काशी की प्राचीन पहचान को मिटा दिया है और शहर के आध्यात्मिक-धार्मिक बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया है।

मुंह पर काली पट्टी, हाथों में तख्तियां...गांधी प्रतिमा के पास सपा कार्यकताओं ने मुंह पर काली पट्टी व हाथों में तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया। तख्तियों पर 'क्योटो के सपने पर बुलडोजर की योजनाएं, काशी की धरोहर गिर रही है और भाजपा के वादे टूट रहे हैं, गांधी की विरासत तो गिरा दोगे लेकिन उनके विचारों को कैसे मिटाओगे' जैसे स्लोगन के जरिए सरकार के खिलाफ मौन सत्याग्रह किया। मौन सत्याग्रह में रविकांत विश्वकर्मा, संदीप मिश्रा, राहुल गुप्ता, रोहित यादव, महेंद्र सिंह, अहमद रजा कमाली, पप्पू यादव, शानू सिन्हा आदि रहे।

सरकारी मास्टर की काली करतूत: छात्राओं को मोबाइल फोन पर दिखाए अश्लील वीडियो, पुलिस ले गई थाने

मैनपुरी। मैनपुरी के थाना औंछा क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल में सहायक अध्यापक बच्चियों के साथ छेड़छाड़ कर रहा था। उन्हें अश्लील वीडियो भी दिखता था। सोमवार को कुछ बच्चियों ने विरोध करते हुए अभिभावकों से शिकायत की। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शिक्षक को गिरफ्तार कर थाने ले गई। थाना औंछा क्षेत्र के एक पूर्व माध्यमिक विद्यालय में काफी समय से एक शिक्षक बच्चियों के साथ अश्लील हरकत कर रहा था। आरोप है कि वह बच्चियों को अश्लील वीडियो भी दिखाता था। सोमवार को भी सहायक अध्यापक ने एक छात्रा के साथ अश्लील हरकत की। छात्रा ने इसका विरोध किया और अभिभावक को जानकारी दी। जानकारी होने के बाद अभिभावक विद्यालय पहुंचे। पुलिस भी मौके पर आ गई। तब वहां मौजूद कक्षा 3 की कई छात्राओं ने शिक्षक की हरकतों के बारे में जानकारी दी। यह भी पता चला की प्रधानाचार्य 3 साल से सहायक अध्यापक की हरकतों को जानते हुए पर्दा डालता रहा। पुलिस ने सहायक अध्यापक को हिरासत में ले लिया और थाने ले आई। पुलिस शिक्षक से पूछताछ कर रही थी।

विधानसभा उपचुनाव में पूरी ताकत से जुटेगा अपना दल

प्रयागराज अपना दल (सोनेलाल) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि यूपी में दस विधानसभा की सीटों पर होने वाले उप चुनाव में अपना दल एस के कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ जुटेंगे और एनडीए के प्रत्याशियों को विजयी बनाएंगे। सिंबल चाहे जो हो और टिकट चाहे जिसको मिले, अपना दल के कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ चुनाव में एनडीए के प्रत्याशियों के साथ रहेंगे। सोमवार को प्रयागराज पहुंचीं अनुप्रिया पटेल ने पार्टी कार्यकताओं के साथ बैठक की। उनका जिले में कई स्थानों पर कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि 17 अक्तूबर को अपना दल के संस्थापक सोनेलाल पटेल की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। आज की बैठक में इसकी रूपरेखा तैयार की गई है। पत्रकारों ने सवाल किया कि अपना दल के कार्यकर्ता कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे तो वह सवाल को टाल गईं और कहा कि एनडीए के उम्मीदवार ही चुनाव लड़ेंगे। उनकी पार्टी पूरी ताकत और निष्ठा के साथ उम्मीदवारों को जिताने के लिए जोर लगाएगी।

यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने भी कहा कि उप चुनाव में टिकट किसको मिलेगा यह एनडीए के नेता आपस में बैठकर तय करेंगे। फिलहाल अपना दल के कार्यकर्ता एनडीए उम्मीदवारों को जिताने के लिए पूरी ताकत लगाएंगे। सभी दस सीटों पर एनडीए की जीत होने वाली है।

कपलिंग खुलने से दो हिस्सों में बंटी मालगाड़ी

शाहजहांपुर। रोजा-शाहजहांपुर के बीच कपलिंग खुलने से मालगाड़ी दो हिस्से में बंट गई। इससे अपलाइन पर करीब दो घंटे तक रेल यातायात बाधित रहा। गरीब रथ एक्सप्रेस, चंडीगढ़ एक्सप्रेस, शहीद एक्सप्रेस को रोकना पड़ा। कपलिंग जुड़ने के बाद मालगाड़ी को रवाना किया गया। इसके बाद यातायात सुचारू हो सका। लखनऊ से मुरादाबाद की ओर जा रही मालगाड़ी सुबह 3:20 बजे रोज जंक्शन स्टेशन से गुजरी। शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने से पहले ही इंजन के पीछे दूसरे व तीसरे डिब्बे के बीच कपलिंग खुल गई। इससे मालगाड़ी दो हिस्सों में बंट गई। इसकी जानकारी होने पर लोको पायलट ने इंजन को काफी आगे जाकर रोका। बाकी डिब्बों को ट्रेन मैनेजर द्वारा वैक्यूम लगाकर रोका गया।

ये ट्रेनें हुई प्रभावित...इसके बाद मालगाड़ी के ट्रेन मैनेजर ने वाकीटाकी से पॉवर केबिन व कंट्रोल को सूचना दी। कंट्रोल के आदेश पर ट्रेन नंबर 22541 बनारस-आनंद विहार गरीब रथ को लालपुल पर रोक दिया गया। ट्रेन नंबर 15011 चंडीगढ़ एक्सप्रेस को रोजा जंक्शन स्टेशन, 14673 शहीद एक्सप्रेस को पं. रामप्रसाद बिस्मिल रेलवे स्टेशन पर रोका गया। इस बीच कैरिज एंड वैगन निरीक्षक, यातायात निरीक्षक व स्टेशन अधीक्षक मौके पर पहुंचे। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद कपलिंग को जोड़ा गया। इसके बाद सुबह सवा पांच बजे मालगाड़ी को गंतव्य की ओर रवाना किया जा सका। साथ ही पीछे रुकी गरीब रथ, चंडीगढ़ एक्सप्रेस, शहीद एक्सप्रेस को रवाना किया गया। कपलिंग खुलने की वजह से रेल यातायात प्रभावित होने पर यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्टेशन अधीक्षक श्रीकांत यादव ने बताया कि मालगाड़ी की कपलिंग खुलने के कारण पीछे की ट्रेनों को रोजा जंक्शन स्टेशन पर रोकना पड़ा था। दो घंटे तक रेल यातायात बाधित रहा।

नैमिषारण्य में गोमती नदी किनारे नए घाट का निर्माण कराएगी योगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार नैमिषारण्य धाम में पर्यटन विकास और गोमती नदी किनारे स्थित घाटों के सौंदर्यीकरण पर विशेष रूप से फोकस कर रही है। 88 हजार ऋषियों की तपोभूमि के रूप में विख्यात नैमिष तीर्थ क्षेत्र वही पुण्य क्षेत्र है जहां महर्षि वेदव्यास द्वारा 4 वेद, 6 शास्त्र, 18 पुराण, श्रीमद्भगवद्गीता, महाभारत महाकाव्य और श्री सत्यनारायण व्रत कथा की रचना की गई थी। नैमिषारण्य का धार्मिक महत्व कितना ज्यादा है इसका पता इसी बात से चलता है कि चार धाम की यात्रा भी नैमिषारण्य के दर्शन किए बिना अधूरी मानी जाती है। यही कारण है कि काशी, अयोध्या, मथुरा, वृन्दावन, ब्रज क्षेत्र तथा विंध्य तीर्थ क्षेत्र के विकास के साथ ही योगी सरकार अब नैमिषारण्य में भी कई परियोजनाओं को पूर्ण करने पर फोकस कर रही है। इसी क्रम में, नैमिषारण्य के विभिन्न घाटों के सौंदर्यीकरण व पर्यटन विकास की गतिविधियों को बढ़ाने के साथ ही अब गोमती नदी के किनारे एक नए घाट का निर्माण भी कराने जा रही है। यूपी प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड को इस कार्य का जिम्मा सौंपा गया है और माना जा रहा है कि वर्षा अवधि के अतिरिक्त 12 महीनों में इस कार्य को पूरा कर लिया जाएगा। राजघाट तथा दशाश्वमेध घाट के बीच होगा नए घाट का निर्माण प्रदेश में सभी तीर्थ क्षेत्रों के विकास को लेकर एक बड़ी कार्ययोजना का निर्माण किया गया था। इसी कार्ययोजना के अंतर्गत नैमिष तीर्थ क्षेत्र में नए घाट के निर्माण, पुराने घाटों के जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण व पर्यटन विकास के कार्यों को गति दी जाएगी। ऐसे में, परियोजना के अंतर्गत जिस नए घाट का निर्माण नैमिष तीर्थ क्षेत्र में होना निश्चित हुआ है वह राजघाट से दशाश्वमेध घाट के बीच स्थित होगा।

पक्के घाट का होगा निर्माण...परियोजना के अंतर्गत, राजघाट से दशाश्वमेध घाट के बीच निर्धारित क्षेत्र में गोमती नदी किनारे पक्के घाट का निर्माण कराया जाएगा और पर्यटन विकास की सुविधाओं से भी इसे युक्त किया जाएगा। इस कार्य को 4.27 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया जाएगा। यूपी प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड को इस कार्य को पूरा करने के लिए कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी के निर्धारण व कार्यावंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी है और माना जा रहा है कि सितंबर माह के भीतर ही निर्माण कार्य शुरू हो सकता है।

सियासी जंग में फंसी असम की 'मियां' मछलियां!

सीएम हिमंता के बाद गिरिराज सिंह ने क्यों की बयानबाजी

दीपक कुमार तिवारी।

पटना/बेगूसराय/गुवाहाटी। सियासी जंग में असम की 'मियां' मछलियां फंस गईं। उट हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि 'मियां मुसलमानों' की उत्पादित मछली खाने से स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है। सीएम हिमंता के मुताबिक ऐसी मछलियों को यूरिया खिलाकर उनका उत्पादन बढ़ाया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इन मछलियों के उत्पादन और कारोबार में असम के बंगाली भाषी मुसलमान जुड़े हुए हैं। जिन्हें असम में 'मियां' कहकर बुलाया जाता है। इसी मसले पर बेगूसराय में गिरिराज सिंह ने बयान दिया है। दरअसल, असम के नागांव जिले में मछली व्यापारियों ने ऊपरी असम में फिश सप्लाई अनिश्चितकाल के लिए सस्पेंड कर दी है। ये फैसला धींग में एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद लिया गया है। इनका कहना है कि इस वारदात के बाद कुछ लोग 'मियां' समुदाय को निशाना बना रहे हैं। असम में 'मियां मुसलान' मछलियों पर हो रही बयानबाजी में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भी कूद पड़े। उन्होंने कहा कि असम में सीएम की ओर से मछली पर प्रतिबंध लगाने

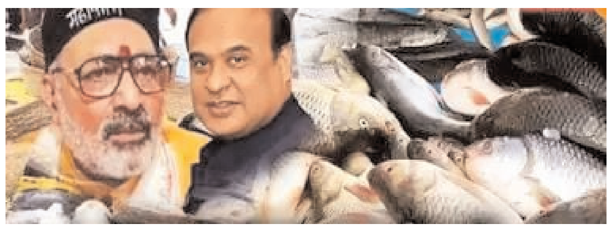

का समर्थन करते हैं। ये उचित फैसला है। गिरिराज सिंह ने कहा कि वहां के मुख्यमंत्री (हिमंता बिस्वा सरमा) अपनी जनता की भलाई के लिए अगर उन्हें लग रहा है कि मछली खाने से स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा। जांच कराया होगा। ये उचित करवाई है।

इसके साथ ही बदरुद्दीन अजमल के असम में नमाज बैन चालू करने के बयान पर गिरिराज सिंह ने कहा कि उनकी मानसिकता कभी पूरी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि बदरुद्दीन अजमल भूले नहीं कि भारत में कभी भी उनकी गजवा-ए-हिंद की मानसिकता पूरी नहीं होगी। चाहे इसके लिए जान की बाजी क्यों नहीं लगानी पड़े।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने लोगों को एक खास तरह की मछली खाने के खिलाफ चेतावनी दी है। उनका कहना है कि 'मियां मुसलमानों' की उत्पादित मछली खाने से स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है। मुख्यमंत्री के अनुसार ऐसी मछलियों को यूरिया खिलाकर उनका उत्पादन बढ़ाया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। हिमंता ने कहा कि राज्य में डायलिसिस मशीनों की संख्या बढ़ाने के बावजूद, डायलिसिस कराने वालों की लंबी कतारें कम नहीं हुई हैं। उनका मानना है कि यूरिया खिलाकर पाली गई मछली के सेवन से स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं, जिससे किडनी की बीमारियां भी बढ़ रही है।

असम के मुख्यमंत्री ने ये भी बताया कि नगांव के 'मियां मुसलमानों' ने ऊपरी असम को मछली भेजना बंद कर दिया है। हालांकि, उनका मानना है कि इस तरह के कदमों का असम के लोगों पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोगों को 'स्वास्थ्य सम्मत मछली' ही खानी चाहिए। अत्यधिक यूरिया व्यवहार करके जिस मछली का उत्पादन किया जाता है, उसके खाने की वजह से आज हमारे समाज में धीरे-धीरे किडनी संबंधी बीमारियां काफी बढ़ गई हैं। मुख्यमंत्री हिमंता के बयान के बाद ये मुद्दा काफी चर्चा का विषय बन गया है। इसी मसले पर बेगूसराय में गिरिराज सिंह ने भी इस पर बयान दिया। दरअसल, असम के नागांव जिले के मछली व्यापारियों ने ऊपरी असम में 'मियां' समुदाय के खिलाफ हो रहे विरोध के कारण अपने उत्पादों को वहां न भेजने का फैसला किया है। व्यापारियों का कहना है कि धींग में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई बलात्कार की घटना के बाद से ऊपरी असम में कुछ समूह 'मियां' समुदाय को निशाना बना रहे हैं, जो स्वीकार्य नहीं है।

'मियां' शब्द का इस्तेमाल असम में बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए किया जाता है। गैर-बांग्ला भाषी लोग अक्सर उन्हें बांग्लादेशी प्रवासी मानते हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में, समुदाय के कार्यकताओं ने 'मियां' शब्द को अपनी पहचान के रूप में अपनाना शुरू कर दिया है। धींग में 22 अगस्त को 14 वर्षीय लड़की के साथ कथित तौर पर तीन लोगों ने बलात्कार किया था। घटना के बाद से ही ऊपरी असम, खासकर शिवसागर जिले में, कई संगठनों ने 'मियां' समुदाय को एक हफ्ते के अंदर इलाका छोड़ने का अल्टीमेटम दिया है। मछली व्यापारियों का ये कदम 'मियां' समुदाय के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों के प्रति एकजुटता दिखाता है। उनका कहना है कि जब तक 'मियां' समुदाय के खिलाफ हो रहे उत्पीड़न को रोका नहीं जाता, वे ऊपरी असम में मछली की सप्लाई शुरू नहीं करेंगे।

नागांव से हर दिन करीब चार क्विंटल मछली ऊपरी असम भेजी जाती है। लेकिन मछली व्यापारियों के इस फैसले से ऊपरी असम के नौ जिलों में मछली की सप्लाई ठप हो गई है। ग्रेटर जुरिया फिश कीपर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष इब्राहिम खान ने कहा, 'धींग की घटना के बाद, जिसकी हम सभी निंदा करते हैं, ऊपरी असम के जिलों में कुछ समूहों ने मियां लोगों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ये स्वीकार्य नहीं है और इसलिए हमने उन क्षेत्रों में मछली की सप्लाई बंद करने का फैसला किया है।'

सरकार की विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं कार्यक्रमों से आमजनों को लाभान्वित करने में सभी प्रकार के मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका : डीपीआरओ

जिला प्रशासन एवं मीडिया प्रतिनिधियों को सकारात्मकता के साथ एक साथ मिलकर करना होगा कार्य

बिट्टू कुमार

पश्चिम चम्पारण/बेतिया। सूचना एवं जनसम्पर्क पदाधिकारी रोचना माद्री ने सूचना भवन के सभागार में पश्चिम चम्पारण जिले के प्रिन्ट, इलेक्ट्रोनिक एवं डिजिटल मीडिया के जिला संवाददाता, ब्यूरो आदि से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार की विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों से आमजनों को लाभान्वित करने में सभी प्रकार के मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार की योजनाओं को अच्छे तरीके से समाज के अंतिम व्यक्ति को लाभान्वित करने हेतु जिला प्रशासन एवं मीडिया प्रतिनिधियों को एक साथ मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में अगर कहीं कुछ कमी रह जाती है तो उसे भी मीडिया जिला प्रशासन को अवगत कराये, अविलंब उसे ठीक कराने की दिशा में कारगर कार्रवाई की जायेगी। इस दौरान दर्जनों मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा कार्यक्षेत्र में उत्पन्न हो रही विभिन्न समस्याओं से जिला सूचना एवं जनसम्पर्क पदाधिकारी को अवगत कराया।

इस पर जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी द्वारा कहा गया कि जिला प्रशासन का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया जायेगा। इस अवसर पर प्रशिक्षु सहायक निदेशक-सह-जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, डॉ0 अजय कुमार सिंह सहित मीडिया प्रतिनिधि यथा-अवधेश कुमार शर्मा, हृदयानंद सिंह यादव, मृत्युंजय कुमार दुबे, मनीष कुमार, पंकज कुमार, कैलाश यादव, एस के राव, आशिष कुमार, सुल्तान अहमद, समर कुमार दत्ता, विनय कुमार, इन्द्रमणि दुबे, प्रकाश सिंह, गोविन्द गिरी, मो0 साहेब सैयद समसुद्दीन, सूरज कुमार सिंह, राजेश कुमार, ब्रजभूषण कुमार, दिलशाद अहमद, शेखर सोनी, मधुसूदन प्रसाद गुप्ता, राकेश कुमार, सैयद सहाबुद्दीन अहमद, कुमार सानू , सोनू भारद्वाज, धर्मेन्द्र सर्राफ, अश्वनी कुमार सिंह, चन्दन ठाकुर, राणा प्रताप गुप्ता, ताज खान, सत्यम सिंघानिया, मोहन सिंह, अनिसुल वरा, शकील अहमद, आशुतोष कुमार बरनवाल, रोहित पाठक सहित अन्य मीडिया प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

तेजस्वी की 'आभार यात्रा' पर बीजेपी का अटैक जाति के जहर की लहर से कहर तक!

दीपक कुमार तिवारी।

पटना/नई दिल्ली। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने तेजस्वी यादव की 'आभार यात्रा' को लेकर तंज कसा। विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि जनता मालिक है और बिहार का सच्चा सेवक कौन होगा, ये जनता तय करेगी। उन्होंने कहा कि वो लोग जाति के जहर की लहर के कहर से बिहार को प्रभावित करते हैं। राजनीति में भी जाति का चश्मा पहनकर राजनीति को गंदा करते हैं और पूरे बिहार के अंदर विकास की गति में भ्रष्टाचार करते हैं, अपराधियों का मनोबल बढ़ाते हैं। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए राजद नेता तेजस्वी यादव ने 10 अक्टूबर से 'आभार यात्रा' पर निकलने की तैयारी की है। इस दौरान केंद्र और राज्य की एनडीए सरकार के खिलाफ जनमत तैयार करना है। उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि वो यात्रा करें या प्रवास करें, जनता जानती है, ये अपना विकास करेंगे और अपने परिवार के उत्थान और कल्याण के लिए राजनीति जमींदारी बढ़ाने के लिए यह सारा खेल और नाटक कर रहे हैं। दोहरी राजनीति बंद होनी

चाहिए, राजनीति में ऐसी मानसिकता नहीं चलेगी। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने भी तेजस्वी यादव की 'आभार यात्रा' पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जनता ने लोकसभा के चुनाव में उनको बता दिया है कि तेजस्वी बाबू आपका भविष्य क्या है? बिहार की जनता की नजरों में आपकी राजनीतिक ताकत क्या है, ये बिहार की जनता ने वोट देकर बता दिया कि 10 सीट जीतने में भी पूरा परिवार पार्टी दिन-रात लगे रहे। बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे, उनके पिता, बहन, उनकी माता के द्वारा दावा किया जाता रहा, लेकिन परिणाम तो सिर्फ चार सीट का आया। तो, जनता ने उनको राजनीतिक हैसियत बता दी है और जनता ने यह भी बता दिया है कि बिहार के लोगों के लिए ना तो आप स्वीकार्य हैं, ना बिहार के हित के लिए आप काम करने वाले हैं। बिहार की जनता पर आपको कोई भरोसा भी नहीं है।ऐसे में उनको समझ में आ जाना चाहिए कि बिहार की जनता द्वारा आप और आपकी पार्टी रिजेक्टेड पार्टी है, तो रिजेक्टेड लीडर और रिजेक्टेड लीडर जहां चाहे घूमते रहें।

तेजस्वी के धरना पर उन्होंने कहा कि वो धरना इसलिए देते हैं, उनका आरक्षण का मतलब होता है कि पिताजी गए तो माता जी को काम मिल जाए, माता जी गई तो बेटा जी को काम मिल जाए। जब वो मिल जाए तो दीदी को काम मिले। दीदी को अगर जनता लोकसभा हरा दे तो राज्यसभा मिल जाए। दीदी जब लोकसभा लड़ जाए तो छोटी बहन फिर लोकसभा लड़े। उनका आरक्षण का दायरा यही है। वो चाहते हैं कि इसी प्रकार आरक्षण की व्यवस्था समाज में बनी रहे। लेकिन, हम भारतीय जनता पार्टी और एनडीए के लोगों के लिए बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान के अनुसार आरक्षण का प्रावधान है, हम उसे बनाए रखना चाहते हैं। हम समाज के गरीब, दलित, वंचित लोगों की लड़ाई लड़ते हैं। हम लोग थे जब बिहार में पंचायत का चुनाव हुआ, हमने पिछड़ों को राजनीतिक ताकत दी और उनको आरक्षण दिया।

मंगल पाण्डेय ने कहा कि साल 1977 में जब कपूर्री ठाकुर की सरकार थी, उस वक्त भाजपा की तरफ से कैलाशपति मिश्र राज्य के वित्त मंत्री थे। जिन्होंने पिछड़ों, अति पिछड़ों और महिलाओं को आरक्षण देने का काम किया था। हमारी सरकार में ही भीमराव अंबेडकर को भारत रत्न दिया गया। लेकिन, देश की जनता ये नहीं भूल सकती है। जिसने इस देश को एक न्यायिक अधिकार दिया था, जिसने आरक्षण की व्यवस्था की थी। जो गरीब और दलित की आवाज बने। उनको चुनाव में हराने का काम कांग्रेस पार्टी ने ही किया था। ये इतिहास के पन्नों में दर्ज है और उस कांग्रेस पार्टी के साथ कौन खड़ी है, राजद खड़ी है, समाज के गरीब और पिछड़ा वर्ग सब जानते हैं कि ये लोग चुनाव आते ही लोगों को बरगलाने के लिए बयानबाजी करते हैं।

मिशन 120 से 2025 में सबसे बड़ा 'धब्बा' धोएंगे नीतीश

आरजेडी-बीजेपी से लेकर एलजेपी में मची खलबली!

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार में अभी चुनावी मौसम की शुरूआत क्या हो गई कुछ बढ़-चढ़कर जदयू ने दाना डालना शुरू कर दिया है। इस रास्ते जदयू को सफलता भी मिलनी शुरू हो गई है। वैसे भी जदयू के अंदरखाने की बात करें तो विधान सभा चुनाव 2025 में 120 सीटों की दावेदारी करने जा रही है। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार आगामी चुनाव में किसी भी सूरत में नंबर तीन की पार्टी होने का धब्बा हटाना चाहती है। इसके लिए सारे पुराने नेताओं और कार्यकताओं को साथ लाने का प्रयास किया जा रहा है।

हालांकि यह जदयू की अंदरूनी राजनीति का हिस्सा था जहां, कद्दावर नेता और मजबूत संस्था को जोड़ने का काम हो रहा था। जदयू को धीरे-धीरे अपने इस अभियान से सफलता मिल भी रही थी। लेकिन इसकी गति कम होती दिखी। सो, जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा ने खुले मंच से अपील की है। कहा- राज्य के वैसे समाजवादी नेता जो परिवारवाद की राजनीत के तरफदार नहीं हैं वह राज्य हित में जदयू ज्वाइन करें।

लगे हाथ जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने यह कह

कर चौंका दिया कि कई दलों के नेताओं हमारे संपर्क में हैं। समय रहते कई कद्दावर नेता जदयू के साथ खड़े दिखेंगे। हालांकि हाल के दिनों में जदयू के साथ जुड़ रहे नेताओं के बाद संजय झा का दावा केवल राजनीतिक स्टंट नहीं लग रहा।

कुछ दिन पहले ही राजनीति पार्टी भारतीय स्वराज मोर्चा ने अपने सभी कार्यकताओं के साथ जेडीयू में विलय कर लिया। यह विलय मोर्चा के प्रमुख उज्जवल कुमार वर्मा के नेतृत्व में हुआ। मनीष वर्मा पहले भी समता पार्टी में सांगठनिक पद का एक बड़ा मोर्चा संभाल रखा था। इस मौके पर उन्होंने कहा भी आज मैं अपने पुराने घर में वापस लौट आया हूं। पूरी ईमानदारी के साथ जेडीयू को मजबूत करने का काम करेंगे। हमारे साथ जो भी कार्यकर्ता पार्टी में शामिल हुए हैं वह सभी जेडीयू पर भरोसा किए हैं और आगामी बिहार विधानसभा का चुनाव में हम लोग अपनी ताकत दिखाएंगे। इस मौके पर मनीष वर्मा ने कहा कि उज्जवल कुमार वर्मा राष्ट्रीय लोक समता पार्टी में राष्ट्रीय महासचिव के पद पर थे यह युवा नेता हैं, यह आज हमारी पार्टी जेडीयू में ज्वाइन किए हैं और सिर्फ यह अकेले नहीं आये है उनके साथ करीब 200 कार्यकर्ता जदयू की नीतियों के साथ जनता के पास जायेंगे। जदयू रणनीतिकारों की ओर से पार्टी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी सफलता राज्य के चर्चित दलित नेता श्याम रजक के रूप में हुई। श्याम रजक के आरजेडी से इस्तीफे के बाद यह कयास लगाये जा रहे थे कि इनकी भी घर वापसी ही होगी, और हुआ भी। श्याम रजक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में समाजवादी आंदोलन के दौरान चर्चा में आए।

बाद में वह आरजेडी में शामिल हो गए और 2000 में बिहार सरकार में मंत्री बने। 2015 में श्याम रजक ने आरजेडी छोड़ दिया और जेडीयू में शामिल हो गए। वह 2017 तक जेडीयू में रहे और उसके बाद फिर से आरजेडी में शामिल हो गए। और आज 2024 में एक बार फिर जदयू में। जेडीयू में शामिल होने के बाद उन्होंने राजद के परिवारवाद पर हमला बोलते कहा कि अब नीतीश कुमार के साथ काम करना है। नीतीश कुमार उन लोगों के लिए काम करते हैं जो आखिरी पायदान पर खड़े हैं। नीतीश कुमार के साथ जुड़कर लोगों की अपेक्षाओं को आकांक्षाओं में बदलना है।

झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री और जमशेदपुर पूर्वी के निर्दलीय विधायक सरयू राय गत माह जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल हो गए। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा ने बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी और जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सदस्य खीरू महतो की उपस्थिति में सरयू राय को जदयू की सदस्यता दिलाई। इनके शामिल होने से इनकी कूटनीति का झारखंड और बिहार में राजनीतिक लाभ होगा। इनके साथ ही इनके भारतीय जनतंत्र मोर्चा का भी जदयू में विधिवत विलय हो गया।

बीजेपी के टूटपुजिंए नेता भी दे रहे धमकी, जिनकी कोई औकात नहीं: तेजस्वी

संवाददाता।

पटना। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव इन दिनों केंद्र सरकार और बिहार सरकार पर हमलावर हैं। तेजस्वी एक के बाद एक बिहार सरकार पर हमला बोल रहे हैं। वहीं जातिगत जनगणना को लेकर तेजस्वी केंद्र सरकार को घेर रहे हैं। बीते दिन तेजस्वी ने आरक्षण को लेकर एक दिवसीय धरना भी किया। वहीं आज एक बार फिर उन्होंने आरक्षण को लेकर हमला बोला है।

दरअसल, आरएसएस के द्वारा जातिगत जनगणना को पूरे देश में कराए जाने का समर्थन किया गया है। इसको लेकर तेजस्वी यादव ने कहा कि कौन मना करता है। लालू यादव की ताकत है कि आज कोई जातीगत गणना और आरक्षण को लेकर खुल कर नहीं बोलते हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा कि, यह समझना होगा कि भारतीय जनता पार्टी का हिडन एजेंडा संविधान कोई खत्म कर देना है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पहले ही इनकार कर चुकी है कि वह जातिगत गणना नहीं कराएगी

लेकिन सवाल सीधा है कि अब क्या करेगी केंद्र सरकार। शेड्यूल 9 का हो या जातीगत गणना वो नहीं कराना चाहती है। बीजेपी का कथनी कुछ है और करनी कुछ और है। इन लोगों का असल एजेंडा है संविधान को बदल देने का। उपेंद्र कुशवाहा के इस बयान पर जिसमें उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल आने वाले विधानसभा चुनाव में काफी कम सीटों पर निपटा जाएगी इस पर तेजस्वी यादव ने कहा कि छोड़िए कौन क्या बोलता है उससे कोई मतलब नहीं है चलिए उनको भी मैं शुभकामना देता हूं।वहीं भाजपा के एमएलए के द्वारा मुसलमान को खुलेआम धमकी दिए जाने पर उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी जब देश के बाहर जाते हैं तो बुद्ध और शांति की बात करते हैं, गांधी की बात करते हैं।

यहां उनकी डबल स्टैंड दिखती है। आपके नेता दिन रात यहां गाली देते रहते हैं। हिंसा की बात करते हैं। टूटपुजिंए नेता जिसकी कोई औकात नहीं है। ये नेता बस चाहते हैं कि चमचा गिरी करके कुछ बन जाएं। वे लोग सीधे तौर पर धमकी देते हैं हिम्मत है तो अकेले कूद करके देखे अकेले जाकर देखें।

गुड न्यूज : अब लेटकर कीजिए 'वंदे भारत' में पटना से दिल्ली का सफर

यह है किराया ,बिहार वालों के लिए अच्छी खबर

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। भारतीय रेल जल्द ही पूरे देश में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलाने जा रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के मॉडल का जायजा लिया। यह ट्रेन अगले 10 दिनों में परीक्षण के लिए तैयार हो जाएगी और 3 महीने में आम लोगों के लिए शुरू हो जाएगी। पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन पटना से दिल्ली के बीच चलेगी और लगभग 8 घंटे में दूरी तय करेगी।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मध्यम वर्ग के यात्रियों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसका किराया राजधानी ट्रेन के बराबर होने की उम्मीद है। शुरूआत में, इस ट्रेन को 800 से 1200 किमी की दूरी तय करने के लिए चलाया जाएगा। ट्रेन को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह रात की यात्रा के लिए

लोगों की पहली पसंद बन जाए।

स्लीपर वंदे भारत ट्रेन में चेयर कार वंदे भारत ट्रेन की तुलना में अधिक सीटें होंगी। जहां चेयर कार में 8 कोच और 530 सीटें हैं, वहीं स्लीपर ट्रेन में 16 कोच और 823 बर्थ होंगे। यह ट्रेन लगभग 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का पहला मॉडल रविवार को तैयार हो गया है। अगले 10 दिनों में परीक्षण के लिए ट्रैक पर उतारा जाएगा। अगले 2 महीनों तक ट्रेन का परीक्षण किया जाएगा और उसके बाद दिसंबर तक आम यात्रियों के लिए शुरू कर दिया जाएगा। यह ट्रेन 800 से 1200 किमी की दूरी तय करेगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को पहले वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के मॉडल का निरीक्षण किया और इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी साझा किया गया। उन्होंने कहा, 'यह ट्रेन मिडिल क्लास लोगों के लिए बनाई गई है।' उन्होंने कहा कि ट्रेन का किराया राजधानी ट्रेन के बराबर हो सकता है।

शर्मनाक: गया में मानसिक रूप से विक्षिप्त लड़की से दुष्कर्म,बीजेपी नेता गिरफ्तार

संवाददाता।

गया। मानसिक रूप से कमजोर लड़की के साथ दुष्कर्म की घटना भाजपा नेता के द्वारा की गई है। वहीं, फोटो और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित भाजपा नेता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले में कार्रवाई में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार मानसिक रूप से कमजोर लड़की के साथ भाजपा नेता ी हैवानियत सामने आई है। भाजपा नेता पर दुष्कर्म करने और फोटो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप है। इस मामले को लेकर गया के महिला थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भाजपा के प्रदेश स्तर के नेता कहे जाने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है, कि भाजपा के नेता ने बीते दिन मानसिक रूप से कमजोर लड़की के साथ दुष्कर्म की घटना की। यह घटना गया जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र की है। आरोप है, कि दुष्कर्म की घटना करने के बाद भाजपा प्रदेश स्तर के नेता के द्वारा फोटो और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।

इस मामले की शिकायत गया के महिला थाना में की गई, जिसके बाद गया पुलिस की टीम हरकत में आई और त्वरित छापेमारी करते हुए आरोपित भाजपा नेता की गिरफ्तारी कर ली गई है।बताया जाता है, कि आरोपित बोधगया से भूतपूर्व विधायक के पुत्र हैं। फिलहाल भाजपा नेता के द्वारा इस तरह की घिनौनी हरकत सामने आई है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले में कार्रवाई की गई है और आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है, अग्रतर कार्रवाई जारी है।बताया जाता है, कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ वर्ष 2023 में भी इस तरह का एक मामला सामने आ चुका है। वर्ष 2023 में भी उसपर एक नाबालिग लड़की से छेड़खानी का मामला आया था, जिसके बाद फतेहपुर थाना की पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। बताया जा रहा है कि आरोपी, भाजपा में प्रखंड, जिला और अब प्रदेश स्तर पर काम कर रहे हैं।

पलंग तोड़ भूंजा..जिसे लेने के लिए दिखाना होता है आधार कार्ड और शादी की फोटो!

बिहार में मिलता है यह भूंजा

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार की राजधानी पटना में हसीना मान जाएगी, हसीना उछल जाएगी और पलंग तोड़ भूंजा मिलता है। यह भूंजा लोगों को खूब पसंद आता है। खास बात यह है कि हीरालाल का खास 'पलंग तोड़ भूंजा हर किसी को नहीं मिलता है। यह सिर्फ उन लोगों को दिया जाता है जो अपनी शादी की फोटो और आधार कार्ड दिखाते हैं। भूंजा विक्रेता का नाम हीरालाल है। पटना के पाटलिपुत्र इलाके में दुकान लगाते हैं। ये अपने अनोखे नाम वाले भूंजा के नाम से पटना में मशहूर हैं। 72 साल के हीरालाल बताते हैं कि सबसे पहले उन्होंने 'हसीना मान जाएगी' भूंजा बनाया था जो लोगों को इतना पसंद आया कि इसकी डिमांड सबसे अधिक हो गई। हर शुक्रवार को वे पास के महावीर वात्सल्य अस्पताल में 1 किलो यह भूंजा पहुंचाते हैं। सड़क किनारे होने के कारण नेता से लेकर डॉक्टर तक उनके ठेले पर भूंजा खाने आते हैं। हीरालाल के भूंजा

की खासियत है उसका अनोखा मसाला जो 140 अलग-अलग सामग्रियों को मिलाकर बनता है। इस मसाले को तैयार करने में हीरालाल को 3 घंटे लगते हैं और यह लगभग 15 दिनों तक चलता है। भूंजा बनाने के लिए चावल की मुढ़ी, भुना चना, कच्चा चना, उबला चना, बादाम, कॉर्न फ्लेक्स, मकई, उबला आलू, प्याज, हरी मिर्च, नींबू और खास तेल का इस्तेमाल किया जाता है। तेल भी अपने आप में खास होता है जिसमें पांच तरह के अचार के तेल का मिश्रण होता है। हीरालाल 1962 से पटना में भूंजा बेच रहे हैं। उनके ठेले पर दोपहर तीन बजे से रात 10 बजे तक भीड़ लगी रहती है। भूंजा की कीमत की बात करें तो ?40 में 100 ग्राम 'हसीना उछल जाएगी' भूंजा, ?30 में 100 ग्राम 'हसीना मान जाएगी' भूंजा और ?35 में 100 ग्राम 'प्यार हो जाएगा' भूंजा मिलता है। सबसे महंगा है 'पलंग तोड़ भूंजा' जो ?100 में 100 ग्राम मिलता है। हीरालाल का कहना है कि उन्होंने भूंजा बेचने के लिए अलग-अलग नाम रखे ताकि लोगों का मनोरंजन भी हो सके। वे बताते हैं कि 1962 में सिवान से पटना आए तो भूंजा बेचने के लिए अलग-अलग नाम रखा। इससे लोगों का मनोरंजन भी होता है और ग्राहकों के चेहरे पर मुस्कुराहट भी आती है। लोग इसे चाव से खाते हैं। इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है।

शर्मनाक: जबरन शराब पिलाई और बर्थडे पार्टी के बाद उत्तर प्रदेश की दो लड़कियों संग बिहार में गंदा काम

संवाददाता।

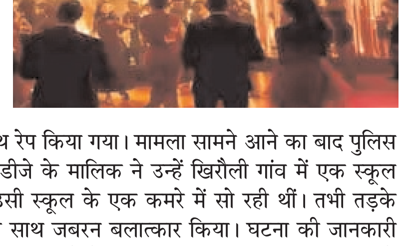

बक्सर। बिहार के बक्सर में दो नाबालिग डांसर लड़कियों के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। ये दोनों लड़कियां उत्तर प्रदेश से एक कार्यक्रम में डांस करने आई थीं। आरोप है कि छह लोगों ने इनके साथ रेप किया। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना बक्सर के डुमरांव थाना क्षेत्र के एक सामुदायिक भवन में हुई। लड़कियों का आरोप है कि उन्हें जबरन शराब पिलाई गई और बर्थडे पार्टी के बाद उनके साथ रेप किया गया। मामला सामने आने का बाद पुलिस महकमा में हड़कंप मच गया है। पीड़िताओं ने बताया कि एक डीजे के मालिक ने उन्हें खिरौली गांव में एक स्कूल के पास डांस करने के लिए बुलाया था। कार्यक्रम के बाद वे उसी स्कूल के एक कमरे में सो रही थीं। तभी तड़के करीब ढाई बजे छह लोग आए और उठाकर ले गए और उनके साथ जबरन बलात्कार किया। घटना की जानकारी मिलते ही लड़कियों के परिजन उत्तर प्रदेश से बिहार पहुंचे और महिला थाने में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पीड़ितों का मेडिकल जांच के लिए भेज दिया है। डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़िताओं का मेडिकल परीक्षण किया जा रहा है और मामले की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस बाकी दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

चरण सिंह

विचार

दिल्ली के समीकरण बदलेगा केसी त्यागी प्रकरण !

केसी त्यागी के इस्तीफा से यह सीख लेना चाहिए कि क्या केसी त्यागी के बयान जदयू की विचारधारा से मेल नहीं खाते ? क्या केसी त्यागी ऐसा कुछ बोल रहे थे जो कभी नीतीश कुमार ने नहीं बोला था ? क्या केसी त्यागी एक समाजवादी की तरह बयानबाजी नहीं कर रहे थे ? यदि वह सब कुछ जदयू की विचारधारा के हिसाब से बोल रहे थे तो फिर दिक्कत कहां थी ? क्या एनडीए में नीतीश कुमार को अपनी समाजवादी विचारधारा छोड़नी पड़ेगी ? यदि केसी त्यागी हर मापदंड पर खरे उतर रहे हैं तो फिर उनका इस्तीफा क्यों लिया गया ?

दरअसल केसी त्यागी को भाजपा के दबाव में प्रवक्ता पद से हटाया गया है। समाजवादी आंदोलन से निकले केसी त्यागी कितना भी मैनेज करने की कोशिश करें पर वह कहीं न कहीं गलत का विरोध कर बैठते ही हैं। यही वजह रही कि यूपीएससी, इस्त्राइल, लेटरल एंट्री, एससीएसटी आरक्षण, सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोलने पर केसी त्यागी बीजेपी की आंखों में खटकने लगे। यह बीजेपी का दबाव ही रहा है कि जदयू को न चाहते हुए भी केसी त्यागी को हटाना पड़ा है। जानकारी मिल रही है कि नीतीश कुमार ने लल्लन सिंह और संजय झा को केसी त्यागी के पास इस्तीफा देने की खबर लेकर भेजा था।

केसी त्यागी का इस्तीफा मतलब नीतीश कुमार को और झुकना पड़ेगा। लल्लन सिंह आजकल गृहमंत्री अमित शाह को बहुत मान रहे हैं। शायद यही वजह रही कि लल्लन सिंह को जदयू का राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया है। नीतीश कुमार को यह भी ध्यान रखना होगा कि लल्लन सिंह लालू प्रसाद के भी बहुत करीबी बताये जाते हैं। लालू प्रसाद के करीब आने के चलते ही नीतीश कुमार ने लल्लन सिंह को अध्यक्ष पद से हटाया था।

इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि केसी त्यागी की कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मिलने की बात सामने आ रही है। केसी त्यागी यदि राहुल गांधी से मिले हैं तो इसके दो ही कारण हो सकते हैं कि या तो नीतीश कुमार बीजेपी के इस दबाव से नाराज हों और इंडिया गठबंधन से नजदीकियां बना रहे हों या फिर केसी त्यागी कांग्रेस में शामिल होने जा रहे हों। इन सबके बीच प्रश्न यह है कि क्या नीतीश कुमार एनडीए के चक्कर में अपना वोटबैंक खो देंगे ? या फिर नीतीश कुमार फिर से पलटी मारने की योजना बना रहे हों। इसमें दो राय नहीं कि नीतीश कुमार यदि अपनी पर आ जाएं तो सरकार गिरा भी सकते हैं। उन्हें इंडिया गठबंधन पीएम पद का ऑफर भी दे चुके हैं। केसी त्यागी प्रकरण को लेकर भले ही तरह-तरह की बातें की जा रही हों पर नीतीश कुमार की राजनीति अंतिम दौर चल रही है। मुख्यमंत्री कई बार रह चुके हैं। इंडिया गठबंधन उन्हें पीएम पद का ऑफर दे चुका है। नीतीश कुमार की आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू भी ठीकठाक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से आरएसएस की भी नारजगी चल रही है। ऐसे में यदि नीतीश कुमार को ज्यादा मजबूर किया गया तो वह पलटी भी मार सकते हैं। यह तो माना जा रहा है कि चार राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद दिल्ली की राजनीति में भूचाल आना तय है। उस भूचाल सिंह केंद्र सरकार सरकार भी प्रभावित हो सकती है। ऐसे में नीतीश कुमार अपना दांव चल सकते हैं।

योजनाओं की पहुंच से दूर ग्रामीण

-सुमन मेघवंशी-

"मेरे परिवार में 8 सदस्य हैं. बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी के दस्तावेज बने हुए हैं. इसके बावजूद हमें किसी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है. कभी लाभार्थी के लिस्ट में नाम नहीं आया. पंचायत में भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है. समझ में नहीं आता है कि ऐसा क्यों हो रहा है?" यह दर्द है 37 वर्षीय अंजू बाई का जो राजस्थान के अजमेर जिला के धुवालिया नाडा गांव की रहने वाली है. अंजू कहती है कि परिवार में आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, चिरंजीवी और ई-श्रमिक के साथ साथ राशन कार्ड भी बने हुए हैं. लेकिन इनमें से किसी योजनाओं का परिवार को कोई लाभ नहीं मिल सका है. वह कहती हैं कि उनके पति स्थानीय चूना भट्टी में श्रमिक मजदूर के रूप में काम करते हैं. जहां उनका वेतन दस हजार से भी कम है. इतने बड़े परिवार का पेट भरने के लिए एक सदस्य की कमाई कम पड़ती है.

अंजू की तरह रसूलपुरा के गौरव की भी यही स्थिति है. गौरव और उनकी पत्नी शांति देवी प्रतिदिन दैनिक मजदूरी करने अजमेर शहर जाते हैं ताकि बूढ़े माता-पिता और चार बच्चों का पेट भरा जा सके. गौरव कहते हैं कि गांव में न तो रोजगार का कोई साधन उपलब्ध है और न ही किसी योजना का लाभ प्राप्त होता है. हालांकि पति पत्नी दोनों ने मनरेगा में काम के लिए अपना नाम दर्ज करा रखा है, लेकिन उन्हें आज तक इसके अंतर्गत काम नहीं मिला है. उनकी पत्नी शांति देवी कहती हैं कि "हम दोनों पढ़े लिखे नहीं हैं, इसलिए हमें योजनाओं का लाभ उठाने की प्रक्रिया नहीं मालूम है. इसीलिए हम अपने बच्चों को पढ़ाना चाहते हैं ताकि वह जागरूक बन सकें और सभी योजनाओं की जानकारियां प्राप्त कर सकें. वह कहती हैं कि यदि महिलाओं के लिए गांव में रहकर ही स्वरोजगार के साधन उपलब्ध हो जाएं तो हमारी बहुत सारी समस्याओं का हल हो जाएगा. लेकिन इसके लिए क्या योजना है और इसे कैसे प्राप्त किया जा सकता है, इसकी जानकारी का अभाव है. शांति देवी कहती हैं कि गांव की बहुत सारी महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं, लेकिन किसी को भी इस दिशा में कोई भी जानकारी नहीं है.

धुवालिया नाडा अजमेर जिला स्थित रसूलपुरा पंचायत के अंतर्गत स्थित है. जो अजमेर ग्रामीण क्षेत्र का हिस्सा है. इस गांव में अनुसूचित जनजाति भील और रेगर समुदाय की बहुलता है. 2011 की जनगणना के अनुसार इस गांव की जनसंख्या करीब 819 है. यह न केवल सामाजिक और आर्थिक रूप से बल्कि शैक्षणिक रूप से भी काफी पिछड़ा इलाका है. जिसके कारण गांव में जागरूकता के स्तर पर काफी कमी देखी जाती है. यहां की साक्षरता दर काफी कम है. राज्य की औसत साक्षरता दर 66.11 प्रतिशत की तुलना में केवल 54.12 प्रतिशत दर्ज की गई है. वहीं महिला और पुरुष साक्षरता दर की बात करें तो 76.79 प्रतिशत पुरुषों की तुलना में महिलाओं में साक्षरता की दर मात्र 31 प्रतिशत के आसपास है, जो काफी चिंता का विषय है. गांव में कुछ ही परिवार ऐसे हैं जिनके पास खेती के लिए पर्याप्त भूमि है. जबकि अधिकतर परिवार के पास कृषि कार्य के लिए नाममात्र की जमीन है. इसीलिए ज्यादातर परिवार के पुरुष स्थानीय चूना भट्टी में काम करते हैं या दैनिक मजदूरी करते हैं. इस संबंध में महेश रेगर कहते हैं कि आर्थिक कमी के कारण उनके तीनों बच्चों का जन्म घर पर ही हुआ है, जिसके कारण उनका जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन सका है. इससे उनके स्कूल में एडमिशन में कठिनाइयां आ रही हैं. वह कहते हैं कि "मैं पढ़ा लिखा नहीं हूं. मुझे नहीं मालूम कि घर में जन्म लेने वाले बच्चों का प्रमाण पत्र कैसे बनाया जाए? इसके लिए क्या प्रक्रिया अपनाई जाती है? इसके नहीं होने की वजह से मेरे बच्चों को किसी प्रकार की योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है.धुवालिया नाडा में पीने के साफ पानी की भी बहुत बड़ी समस्या है. गांव में एक हैंडपंप है जिसमें पीने का पानी उपलब्ध होता है. गर्मी के दिनों में अक्सर इसके पानी का लेवल काफी नीचे चला जाता है. यहां पानी की व्यवस्था की जिम्मेदारी महिलाओं की है. जिन्हें इसके लिए कई किमी पैदल चलना पड़ता है.

-डॉ. सत्यवान सौरभ

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आँकड़ों के अनुसार, साइबर उत्पीड़न के मामलों में वृद्धि हुई है, विशेष तौर पर महिलाओं के खिलाफ, परंतु नई संहिता ऐसे अपराधों के लिए कड़े दंड निर्दिष्ट नहीं करती हैं। उभरती प्रौद्योगिकियों से निपटने में कमियाँ है, नए कानून उभरती हुई प्रौद्योगिकियों से संबंधित अपराधों, जैसे कि क्रिप्टोकरेंसी घोटाले और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग को ध्यान में नहीं रखते हैं।

डिजिटल युग के अपराधों पर कैसे लगे लगाम?

हाल ही में भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं, औपनिवेशिक युग के कानूनों से भारतीय न्याय संहिता और भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता में बदलाव किया गया है। हालाँकि, नई संहिता में साइबरस्टॉकिंग और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी जैसे डिजिटल युग के अपराधों से निपटने के लिए व्यापक प्रावधानों का अभाव है, जिनकी आज के तकनीकी रूप से संचालित समाज में प्रासंगिकता तीव्रता से बढ़ रही है। नई संहिता वर्तमान के डिजिटल युग बढ़ रहे साइबर अपराधों जैसे कि साइबरस्टॉकिंग, फिशिंग और डेटा उल्लंघन के दायरे को पर्याप्त रूप से परिभाषित नहीं करती हैं। भारत में फिशिंग और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं के बावजूद, नए कानून ऐसे अपराधों पर मुकदमा चलाने में शामिल जटिलताओं को कवर नहीं करते हैं।

डेटा उल्लंघनों पर बढ़ती चिंता के साथ, डेटा संरक्षण और गोपनीयता उल्लंघन के लिए विशिष्ट प्रावधान प्रदान करने में नई आपराधिक संहिता विफल रही हैं। वर्तमान आपराधिक संहिताओं में डिजिटल साक्ष्यों को एकत्रित करने, उन्हें संरक्षित करने तथा न्यायलय में प्रस्तुत करने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देशों का अभाव है, जो डिजिटल अपराधों पर मुकदमा चलाने के लिए आवश्यक है। डिजिटल उत्पीड़न, विशेष रूप से महिलाओं और नाबालिगों को लक्षित

करना, नए कानूनी ढाँचे में इस संदर्भ में किए गए प्रावधान अपर्याप्त है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आँकड़ों के अनुसार, साइबर उत्पीड़न के मामलों में वृद्धि हुई है, विशेष तौर पर महिलाओं के खिलाफ, परंतु नई संहिता ऐसे अपराधों के लिए कड़े दंड निर्दिष्ट नहीं करती हैं। उभरती प्रौद्योगिकियों से निपटने में कमियाँ है, नए कानून उभरती हुई प्रौद्योगिकियों से संबंधित अपराधों, जैसे कि क्रिप्टोकरेंसी घोटाले और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग को ध्यान में नहीं रखते हैं। क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी ने डिजिटल और आभासी वातावरण में अपराधों को संबोधित करने के लिए वर्तमान में एक कानूनी ढाँचे की आवश्यकता को दशार्या है।

हैकिंग, आइडेंटिटी थेफ्ट और साइबरस्टॉकिंग सहित साइबर अपराध के विभिन्न रूपों को लक्षित करते हुए विशिष्ट कानून बनाने की आवश्यकता है, ताकि पीड़ितों को प्रभावी विधिक सहायता मिल सके। सूचना और संचार नेटवर्क उपयोग को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया के अधिनियम में साइबर अपराधों के खिलाफ व्यापक प्रावधान शामिल हैं, जिसका भारत अनुकरण कर सकता है। डेटा सुरक्षा कानूनों को बेहतर बनानाः डेटा संग्रह, भंडारण और साझाकरण पर स्पष्ट दिशा-निर्देशों के साथ डेटा गोपनीयता विनियमों को मजबूत करना। इन कमियों को प्रभावी ढंग से दूर करने के लिए व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, 2019 में संशोधित किया जा सकता है और आवश्यक परिवर्तन कर लागू किया जा सकता है। न्यायालयों में डिजिटल साक्ष्य एकत्र करने, प्रमाणित करने और प्रस्तुत करने के लिए मानक स्थापित करना, ताकि इसे आपराधिक कार्यवाही में यह स्वीकार्य और विश्वसनीय बनाया जा सके है।

साइबरबुलिंग और डिजिटल उत्पीड़न के पीड़ितों के लिए सख्त दंड और सहायता प्रणाली प्रारंभ करना, जिसमें महिलाओं और नाबालिगों की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया जाएगा। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध रोकथाम योजना एक अज्ञात रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से समर्थन द्वारा डिजिटल उत्पीड़न उपायों को बढ़ाती है। ऐसे कानून बनाना जो ब्लॉकचेन, उभरती प्रौद्योगिकियों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करना, ताकि तकनीकी प्रगति के साथ सामंजस्य बनाए रखा जा सके।

यूरोपीय संघ का सामान्य डेटा संरक्षण विनियमन एक लचीला ढाँचा प्रदान करता है जो डिजिटल प्रौद्योगिकियों के विकसित परिदृश्य को संबोधित करता है। डिजिटल युग की चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारत के कानूनी ढाँचे को विकसित किया जाना चाहिए। व्यापक साइबर अपराध कानूनों को शामिल कर-के, डेटा सुरक्षा उपायों को बढ़ाकर और उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए प्रोटोकॉल को अपडेट करके, भारत एक मजबूत और उत्तरदायी कानूनी प्रणाली सुनिश्चित कर सकता है। यह विकास तेजी से डिजिटल हो रहे विश्व में नागरिकों की सुरक्षा और समाज में विश्वास, सुरक्षा और न्याय को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।

अरबपति दानवीर भी बन जाएं तो कुछ बात बने

-आर.के. सिन्हा-

अभी कुछ दिन पहले एक खबर मीडिया की सुर्खियों में थी कि भारत की वित्तीय राजधानी मुंबई अब एशिया की 'अरबपतियों की राजधानी' बन गई है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2024 के अनुसार, मुंबई में चीन के राजधानी शहर बीजिंग से भी ज्यादा अरबपति व्यक्ति रहने लगे हैं। भारत में मुंबई के बाद सबसे ज्यादा अरबपति अब दो और महानगरों नई दिल्ली और हैदराबाद में ही रहते हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि देश में अरबपतियों की तादाद देश में विकास की रफ़्तार के साथ बढ़ती ही रहेगी। अरबपति छोटे शहरों और कस्बों में भी बने। पर भारत को फिलहाल सैकड़ों-हजारों दानवीर भी तो चाहिए।

भारत, अपने युवा और विविध जनसंख्या के बावजूद, दुनिया की सबसे तेजी से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हालांकि, फि लहाल इसकी समृद्धि असमान रूप से वितरित है। लाखों लोग गरीबी, भुखमरी, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक की पहुँच से वंचित हैं। इस असमानता को कम करने और भारत को एक समृद्ध और न्यायपूर्ण राष्ट्र बनाने के लिए अधिक से अधिक दानवीरों की आवश्यकता है। हमें इस तरह के दानवीर चाहिएं जो हर साल बड़ी राशि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में खर्च करें।

यह संतोष का विषय है कि बिल गेट्स ने अपनी समृद्धि का उपयोग मानवता की सेवा में किया है। उनके द्वारा स्थापित बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने वैश्विक स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया है। भारत में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बड़ी चुनौतियाँ हैं, जिसमें गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच सीमित है। बेशक, दानवीर स्वास्थ्य सेवा में निवेश करके, नई तकनीकों और दवाओं को विकसित करने में मदद कर सकते हैं। वे गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवा की पहुँच को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों और क्लिनिकों का निर्माण कर सकते हैं।

भारत में शिक्षा प्रणाली में भी सुधार की बड़ी आवश्यकता है। इस क्षेत्र में बहुत सारे दानवीरों को निवेश करना चाहिए। वे शिक्षा के क्षेत्र में निवेश करके, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समृद्ध दानवीर शिक्षकों के प्रशिक्षण, स्कूलों का आधुनिकीकरण और नए शिक्षण उपकरणों का विकास जैसे क्षेत्रों में निवेश कर सकते हैं। यह कोई नहीं कह रहा है कि हमारे यहां दानवीर शिक्षा या हेल्थ सेक्टर में निवेश नहीं करते। पर इन दोनों क्षेत्रों में शत प्रतिशत सरकार के भरोसे भी तो नहीं रहा जा सकता। सरकार की भी अपनी सीमाएं हैं।

इसके साथ ही भारत में गरीबी और असमानता को दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर चहुँमुखी सामाजिक विकास की आवश्यकता है। दानवीर गरीबों को रोजगार के अवसर प्रदान करने और उनकी आय बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। वे ग्रामीण विकास, कृषि, स्वरोजगार और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में निवेश कर सकते हैं।

भारत जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहा है। इस स्थिति का सामना करने के लिए हमारे दानवीर नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को विकसित करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए नवाचारों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जल संरक्षण और ज्यादा पानी अवशोषित करने वाले गेहूँ, धान और गन्ना के उत्पादन को छोड़कर या कम करके परंपरागत मोटे और छोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा देने का अभियान चला सकते हैं। एक किलो धान के उत्पादन में जहाँ 8000 लीटर, एक किलो गेहूँ उत्पादन में 10, 000 लीटर पानी और एक किलो चीनी के उत्पादन में 28, 000 लीटर पानी का व्यय होता है, वहीं एक किलो छोटे अनाज कोदो, कँगनी, कुटकी, साँवा और हरा सावाँ के उत्पादन में मात्र 100 से लेकर 300 तक ही पानी की आवश्यकता पड़ती है। इसीप्रकार, हर तरह के दूरगामी और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने के लिए भी दानवीर अरबपति पर्यावरणीय संगठनों को समर्थन दे सकते हैं।

मैं अपना खुद का उदाहरण देना चाहूँगा। मैं 1966 से लेकर 1975 में स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा लगायी गई इमरजेंसी के पूर्व तक उस समय भारतवर्ष के दो बड़े मीडिया संस्थानों में से एक में विशेष संवाददाता था। तनख़्वाह थी मात्र 230 रुपए प्रतिमाह। संपादकीय पृष्ठ पर एक लेख लिखने पर प्रति लेख 10 रुपए अलग से मिल जाते थे। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रेरणा और आशीर्वाद से भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्वास के लिये एक छोटा सा सेवामूलक कार्य शुरू किया और तीन लाख भूतपूर्व सैनिकों और बेरोजगार युवक - युवतियाँ को रोजगार दिया। आज उन संस्थाओं का वार्षिक कारोबार लगभग 13, 000 करोड़ का है। संतोषप्रद लाभ भी है। लेकिन, मैं अपने लाभाँश का लगभग 95% अपने पूज्य माता और पिताजी की स्मृति में स्थापित ह्ल अवसर ट्रस्ट ह्ल के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की शिक्षा, चिकित्सा, बिना दहेज विवाह, किसी भी तरह की समाज सेवा करने वाली संस्थाओं की सहायता में खर्च करता हूँ। इससे जो आत्मीय संतुष्टि मिलती है, उसका वर्णन करना संभव नहीं है। धन की गति या तो व्यभिचार के लिये होगी या सद्कार्यों के लिये ! अरबपतियों को एक ही रास्ता चुनना होगा। नोटों की गड्डी पर न तो आज तक कोई जला है, न जलेगा। तब बुद्धिमत्ता पूर्वक सबको यह सूचना चाहिये कि संचित धन का सदुपयोग करना है या दुरुपयोग?

नए-नए करोड़पतियों और अरबपतियों को अनुसंधान और विकास में भी निवेश करना चाहिए। ये दानवीर वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और नए क्षेत्रों में निवेश करके, भारत को वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्र में नेता बनने में मदद कर सकते हैं। वे नए उद्यमों को शुरू करने और भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निवेश कर सकते हैं।

इंफोसिस टेक्नोलॉजीज के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि शिक्षा के क्षेत्र में बहुत दान देते हैं। उन्होंने कुछ समय पहले इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे को 315 करोड़ रुपए दान किये। इससे पहले भी, उन्होंने आईआईटीळ बॉम्बे को 85 करोड़ रुपए दान किया था। यानी अब तक वो आईआईटी बॉम्बे को करीब 400 करोड़ रुपये का दान कर चुके हैं। दरअसल देश के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्लायों के सफल छात्रों को अपने शिक्षण संस्थानों की आर्थिक मदद करनी चाहिए। इन संस्थानों को सरकार की मदद के सहारे पर नहीं छोड़ा जा सकता है। अमेरिका में पूर्व छात्र अपने कॉलेजों और विश्व विद्लायों की भरपूर मदद करते हैं। पूर्व छात्रों की मदद से ही उनके शिक्षण संस्थानों में रिसर्च और दूसरी सुविधाएं बढ़ाई जा सकती हैं। नीलकेणी की सबसे बड़ी कामयाबी आधार कार्ड है। देश के हर नागरिक को एक विशिष्ठ पहचान संख्या या यूनिक आइडेंटीफिकेशन नम्बर को उपलब्ध करवाने का विचार उन्होंने ही सफलतापूर्वक चलाया था।

इसमें दो राय नहीं हो सकती कि भारत में नंदन नीलकेणी जैसे दानवीरों की संख्या को बढ़ाना होगा। अजीम प्रेमजी और शिव नाडर जैसे अरबपति दानवीर भी देश के युवाओं को सामाजिक उद्यमिता, सामुदायिक विकास और सामाजिक बदलाव के लिए प्रेरित कर सकते हैं। वे भारत के संसाधनों का प्रभावी उपयोग कर-के, गरीबी को दूर करने और मानवता की सेवा करने के लिए सहायता भी कर सकते हैं। कभी-कभी मन उदास हो जाता है कि भारत में दानवीरों की काफी कमी हैं। देखिए भारत में अब भी धनी लोग समाज के लिए धन देने से कतराते हैं।

ट्रम्प-कमला के बीच 'ग्लास सीलिंग' का अंतर्द्वंद्व क्या करवट लेगा?

-ललित मोहन बंसल-

व्हाइट हाउस के लिये डोनाल्ड ट्रम्प-कमला हैरिस के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई की तारीख (5 नवंबर) जैसे-जैसे समीप आ रही है, दुनिया भर की ताकतें सक्रिय हो गई हैं। हों भी क्यों नहीं, जब सवाल हो कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश का राष्ट्रपति कौन हो।

विश्व में तेजी से बदलते घटनाक्रम में एक ओर यूक्रेन-रूस युद्ध से यूरोप में खलबली है तो दूसरी ओर इजराइल-फि लिस्तीन के बीच युद्ध से मिडल ईस्ट में अशांति से इस्लामिक वर्ल्ड, खासतौर से ईरान, सीरिया और लेबनान सहित अनेक देश विचलित हैं। अमेरिका के नंबर एक शत्रु चीन ने रूस और उत्तरी कोरिया से हाथ मिला कर ताइवान स्ट्रेट में आक्रामक रवैया अपनाते हुए रेड सी के इर्द-गिर्द देशों के साथ दो-दो हाथ आजमाने की ठान ली है, उससे पूर्वी एशियाई देशों को भी अमेरिकी संरक्षण की दरकार समझ आती है। इनमें भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जो भू राजनीतिक कारणों से सुखद स्थिति में है। ऐसे में अमेरिका का राष्ट्रपति कौन हो, यह सवाल उठना स्वाभाविक है। ट्रम्प और कमला उस विशाल नदी के दो छोर पर हैं, जहां उनकी नीतियों, आचार-विचार और व्यापार में कोई मेल नहीं है।

विश्व आर्डर और क्षेत्रीय सुरक्षा के पहलुओं पर बात करें तो यहाँ भी बड़ा टकराव है। ऐसे में अमेरिका का राष्ट्रपति कौन हो, अमेरिका के अंदर ही नहीं, विश्व के राजनैतिक मंचों पर तेजी से मंथन होने लगा है। दक्षिण एशिया में भारत एकमात्र ऐसा देश है, जो मजबूती से अपने पाँव पर खड़ा है। भारत के संबंध रूस से भी उतने ही प्रगाढ़ हैं, जितने अमेरिका से। यह भारत की मौजूदा भू राजनैतिक स्थिति के कारण भी है। चीन, रूस, यूरोपीय देशों के साथ मिडल ईस्ट में इजराइल सहित इस्लामिक वर्ल्ड, खासकर ईरान ने 'टेक इंडस्ट्री' के घोड़े दौड़ाना शुरू कर दिये हैं। इन सबके बावजूद अमेरिका के घरेलू स्तर पर खास कर बहुसंख्यक श्वेत समुदाय के बड़े-बूढ़े 'ग्लास सीलिंग' की लीक से हट कर अपने-अपने दायरे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। यह डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस के लिए अंतिम क्षणों में कड़ी टक्कर के बावजूद खतरे की घंटी हो सकता है।

बेशक, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ज्यादा शिक्षित, उदारवादी और विश्व के बदलते मिजाज के अनुकूल हैं। अमेरिका के ब्यू (डेमोक्रेट) और रेड (रिपब्लिकन) बहुल राज्यों में इस बार काँटे की टक्कर (स्विंग स्टेट) वाले सात राज्यों- पेनसेलवेनिया, मिशिगन, अरिजोना, नवाडा, आर्किंसन, नार्थ कैरोलाइना और जार्जिया के दूरदराज की ग्रामीण महिलाओं और बुजुर्गों में कमला हैरिस अपेक्षाकृत 'ज्यादा' अपरिचित हैं। मीडिया रिपोर्ट को मानें तो कमला को कहीं-कहीं, श्वेत महिलाएँ बड़ी तादाद में देखने-सुनने के लिए आ भी रही हैं। यक्ष प्रश्न यह कि 'क्या मतदान के लिए बचे शेष समय में डेमोक्रेट उन श्वेत महिला-पुरुषों की कमला हैरिस के प्रति बढ़ती रुचि के बावजूद व्हाइट हाउस जैसे उच्च पद के लिए एक महिला उम्मीदवार के पक्ष में रुचि को वोट बैंक में तब्दील कर पाएँगे। प्रथम महिला और पूर्व में विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन श्वेत समुदाय में खासी परिचित होने के बावजूद आठ साल इसी 'ग्लास सीलिंग' वाली हताशपूर्ण मनोवृत्ति की मार झेल चुकी हैं। अमेरिका भले ही विश्व के विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में सबसे आगे है। भारत के ठेठ परंपरावादी ग्रामीण समुदाय की महिलाओं की तरह विशेषकर परंपरावादी कट्टर इवेंजिलिस्ट श्वेत समुदाय महिलाओं के प्रति अपनी मनोवृत्ति में अपेक्षित बदलाव नहीं ला पाए हैं। अश्वेत बराक हुसैन ओबामा एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति हुए हैं, जिन्हें अपनी उदार नीतियों और साफगोई से स्विंग स्टेट में भरपूर समर्थन मिला है।

इस परंपरावादी श्वेत समुदाय की एक खासियत है कि वे मन के सच्चे हैं। उन्हें अपने डोनाल्ड ट्रम्प की कमला हैरिस के प्रति नस्ल विरोधी टिप्पणी रास नहीं आई। उन्होंने अगले ही दिन ट्रम्प की नस्ल विरोधी टिप्पणी पर नसीहत दे डाली कि वह अपनी नीतियों पर सीमित रहें। भारतीय मूल की कमला हैरिस यह बाखूबी जानती हैं कि उनके वोट बैंक में अधिकाधिक अश्वेत, लैटिन अमेरिकी, एशियन और इस्लामिक वर्ल्ड के तीन चौथाई मतों की एकजुटता के बावजूद उनकी हार-जीत में ग्रामीण श्वेत वोटबैंक की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कमला हैरिस की माँ श्यामला भारतीय मूल की थीं और उन्होंने अमेरिका में शिक्षा-दीक्षा के दौरान जमैका के अश्वेत अफ़्रीकी अमेरिकी से विवाह रचा लिया था। देखा जाये, अमेरिका में परंपरावादी श्वेत अमेरिकी समुदाय (रिपब्लिकन) के बाद मूल अश्वेत समुदाय, बाहर से आये अमेरिका में आ कर बसे लैटिन अमेरिकी, कैरबियन एशियन, यूरोपियन और अफ़्रीकी मतदाता हैं। रिपब्लिकन पार्टी अपने श्वेत मतदाताओं के बल पर कोई चुनाव नहीं जीत सकती। इसके लिए उसे, खासतौर पर काँटे की टक्कर वाले राज्यों में अश्वेत सहित अन्यान्य वॉटबैंक पर निर्भर रहना मजबूरी है। कमला को भारतीय मूल के वोटबैंक के साथ एकमुश्त अश्वेत वोटबैंक मिल रहा है, उससे ट्रम्प भी चिंतित हैं। भारतीय मतदाताओं को लुभाने के लिए राष्ट्रपति पद के पूर्व उम्मीदवार विवेक रामास्वामी और पूर्व में डेमोक्रेट तुलसी गाबार्ड (हवाई) ने ट्रम्प का समर्थन किया है, तो राष्ट्रपति पद के मौजूदा निर्दलीय उम्मीदवार राबर्ट एफ कनेडी (जूनियर) ने चुनाव मैदान से हट कर ट्रम्प का समर्थन किया है। जहां तक भारतीय मतदाताओं की बात है, पिछले कई दशकों से दो तिहाई भारतीय मतदाता डेमोक्रेट उम्मीदवार के साथ रहते हैं, जबकि ट्रम्प को एक तिहाई से ज्यादा समर्थन नहीं मिल पाता।

अभी पिछले एक सप्ताह में हुए पोल सर्वे में लगातार यह दिखाया जा रहा है कि कमला हैरिस जो आयु में ट्रम्प से बीस वर्ष छोटी हैं, ज्यादा पढ़ी-लिखी हैं और उन्हें पिछले साढ़े तीन साल में व्हाइट हाउस में काम करने और सलीके से बोलने का अनुभव हुआ है। इससे वह काँटे की टक्कर वाले छह-सात राज्यों में से तीन में बढ़त ले चुकी हैं। इस कार्य में उन्हें 81 फीसदी अश्वेत मतदाताओं का समर्थन हासिल है, जो डोनाल्ड ट्रम्प की आशाओं के विपरीत है। यही नहीं, रिपब्लिकन पार्टी के परंपरावादी मतदाताओं में इस बार 84 फीसदी श्वेत रिपब्लिकन में कम से कम पाँच प्रतिशत कॉलेज जाने वाली युवतियों ने डोनाल्ड ट्रम्प का साथ छोड़ दिया है। इसके विपरीत कमला हैरिस ने पिछले दो सप्ताह में काँटे की टक्कर वाले जिन सात राज्यों-पेंसलवेनिया, मिशिगन, विस्कॉन्सिन, अरिजोना, नेवाडा, नार्थ कैरोलाइना, जार्जिया आदि जनसभाएँ की हैं, उन्हें देखने-सुनने के लिए दूरदराज के गाँवों और छोटे कस्बों में बड़ी संख्या में श्वेत लोग पहुँच रहे हैं। इनमें महिलाओं की संख्या ज्यादा है।

एनपीआर/पीबीएस न्यूज/मैरिस्ट पोल सर्वे की मानें तो कमला 51-48 प्रतिशत अंकों से बढ़त ले रही हैं और वह बाइडन के पीछे हटने के बाद दो सप्ताह में तीन अंकों (48-45) की बढ़त बरकरार किए हुए हैं। कमला हैरिस को अश्वेत महिलाओं में 22 अंक की बढ़त है तो कॉलेज युवतियों (55-42) में आगे हैं। पुरुष वर्ग में ट्रम्प विशेष कर श्वेत समुदाय में 54-45 की बढ़त बनाए हुए है। शुरू में श्वेत वर्ग में खासकर पुरुषों में व्हाइट हाउस जैसे उच्चपदस्थ पद पर एक महिला को देखने में संकोच की खबरें आ रही थीं, इसमें परिवर्तन हो रहा है। हाँ, गर्भपात जैसे मुद्दे पर रिपब्लिकन समुदाय की बड़ी बुजुर्ग महिलाओं की धारणा नहीं बदली जा सकी है, जबकि कॉलेज युवतियाँ बड़ी तादाद में कमला के साथ आने का मन बना चुकी हैं। इस वर्ग में कमला 15 प्रतिशत अंक आगे है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**

समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

वर्चस्व की लड़ाई, हारे तो सियासी जीवन पर ब्रेक, यहां इस बार दिखेगी बृजेंद्र दुष्यंत की जंग

जींद । बांगर की धरती के नाम से जाने जाते उचाना कलां में इस बार प्रत्याशियों के लिए कांटों भरी राह है। यहां से हारे तो सियासी जीवन पर ब्रेक लग सकता है। दो सियासी परिवारों के लिए यहां वर्चस्व की लड़ाई है। एक तरफ साढ़े चार साल तक गठबंधन सरकार में उपमुख्यमंत्री रहने वाले दुष्यंत चौटाला हैं और दूसरी तरफ भाजपा के ही टिकट पर सांसद बनने वाले बृजेंद्र सिंह।

बृजेंद्र अभी कांग्रेस में हैं और उनको टिकट मिलना तय है। उनके पिता पूर्व मंत्री बीरेंद्र सिंह भी एलान कर चुके हैं कि बृजेंद्र उचाना कलां से ही चुनाव लड़ेंगे। अब तक 10 बार हुए चुनावों में छह बार उनके परिवार का ही कब्जा रहा है। पिछली बार बीरेंद्र की पत्नी प्रेमलता ही दुष्यंत चौटाला के खिलाफ मैदान में उतरी थीं, लेकिन 46 हजार वोटों के अंतर

से हार गई थीं।

दूसरी तरफ दुष्यंत भी चुनाव लड़ने का एलान कर चुके हैं। उन्हें खिलाफ लोगों में नाराजगी है, क्योंकि 2019 में दुष्यंत को लोगों ने भाजपा के खिलाफ वोट दिया था, लेकिन बाद में दुष्यंत सरकार में शामिल हो गए और उपमुख्यमंत्री बन गए। किसान आंदोलन में भी लोगों को उनका साथ नहीं मिला।

तीन माह पहले हुए लोस चुनाव में उतरीं उनकी माता नैना चौटाला को इस क्षेत्र से दो हजार वोट भी नहीं मिल पाए थे। इस नाराजगी के बीच दुष्यंत को पिछले पांच साल में करवाए गए विकास कार्यों पर भरोसा है। विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद वे हर सप्ताह दो दिन उचाना कलां विधानसभा क्षेत्र में लगाते हैं। बृजेंद्र के लिए भी यह चुनाव आसान नहीं है। उनके सांसद रहते समय लोगों ने उनकी गुमशुदगी के पोस्टर तक लगा दिए थे। लोगों का कहना था कि बृजेंद्र सिंह लोगों से नहीं मिलते हैं। यह बात खुद बृजेंद्र सिंह ने भी एक बैठक में स्वीकार की थी। उन्होंने कहा था कि अब वह लोगों के बीच में ही रहेंगे। उसके बाद बृजेंद्र सिंह भी लगातार गांवों के दौरे कर रहे हैं। वहीं, भाजपा को यहां किसी नए चेहरे की तलाश है। ऐसे में किसी एक के भी हारने पर उसके सियासी जीवन पर ब्रेक लगना तय है।

कांग्रेस और जजपा का गणित...दुष्यंत लगातार लोगों की नाराजगी दूर करने में लगे हुए हैं। वह लोगों को अपने कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों का हवाला देकर पकड़ फिर से मजबूत करने में जुटे हैं। बृजेंद्र सिंह के परिवार ने यहां पर छह बार जीत दर्ज की है, ऐसे में बीरेंद्र सिंह परिवार की भी अच्छी पकड़ है। यहां सवा दो लाख मतदाताओं में से सवा लाख वोट जाट समाज के हैं। जाटों ने जिस ओर वोट किया, उसकी चुनावी नैया पार लग सकती है।

मुद्दों से ज्यादा चौधर लाने के नारे हावी...2019 के विस चुनाव में भी यहां चौधर लाने का मुद्दा हावी रहा था। दुष्यंत ने चौधर लाने का वादा किया था। वह मुख्यमंत्री तो नहीं बने, लेकिन सरकार में उपमुख्यमंत्री जरूर बने। गांव बरसोला के कैप्टन वेद प्रकाश कहते हैं कि यहां कभी मुद्दों को लेकर चुनाव नहीं होता।

यहां पर हमेशा चौधर का नारा दिया जाता है। कांग्रेस में यह नारा पिछले 25 साल से दिया जाता है। चौटाला परिवार ने भी यही नारा दिया है। हालांकि युवाओं को रोजगार दिलाने, खटकड़ गांव के पास औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने जैसे दावे किए जा रहे हैं।

पंजाब विधानसभा का तीन दिवसीय सत्र शुरू, सदन में पहुंचे सीएम भगवंत मान

चंडीगढ़ पंजाब विधानसभा का तीन दिवसीय मानसून सत्र शुरू हो गया है। सीएम भगवंत मान सदन में पहुंच चुके हैं। सत्र के पहले दिन पूर्व स्पीकर, मंत्रियों, सांसदों और विधायक समेत पंजाबी कवि सुरजीत पातर को श्रद्धांजलि दी गई।

वहीं सत्र शुरू होने से पहले विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने मांग की कि विधानसभा का सत्र 10 दिन के लिए बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में भी ये मामला उठाया है। बाजवा ने कहा कि स्पीकर ने कहा कि वह इस पर विचार करेंगे, लेकिन उनको नहीं लगता कि सरकार की तरह से सत्र में बढ़ोतरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था समेत नशे जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सत्र को बढ़ाने की जरूरत है, दो दिन काफी नहीं है।

सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जाने हैं। इनमें अवैध

कॉलोनियों के लिए एनओसी की शर्त खत्म करने पर फैसला होना है। साथ ही पार्टी चिह्न पर पंचायत चुनाव न कराने के लिए द पंजाब पंचायत इलेक्शन रूल-1994 में संशोधन किया जाना है। पहले दिन पंजाबी कवि सुरजीत पात्र समेत पूर्व स्पीकर, मंत्रियों, सांसदों व स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि भी दी जानी है।

सत्र के दौरान दोपहर दो बजे पूर्व स्पीकर सुरजीत सिंह मिन्हास, पूर्व मंत्री सुखदेव सिंह ढिल्लों, पूर्व राज्यमंत्री सुरजीत सिंह कोहली, पूर्व सांसद कमल चौधरी, पूर्व राज्यसभा सांसद गुरचरण कौर, पूर्व विधायक धनवंत सिंह, स्वतंत्रता सेनानी सरदूल सिंह, कश्मीर सिंह, गुरदेव सिंह, जगदीश प्रसाद को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

सिर्फ तीन दिन का सत्र बुलाने के लिए विपक्ष ने सरकार पर हमला भी बोला है। विपक्ष का कहना है कि कम से कम 15 दिन का विधानसभा सत्र होना चाहिए था, ताकि राज्य की कानून व्यवस्था, नशे समेत अन्य मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जा सकें।

जजपा के पूर्व विधायक देवेंद्र बबली भाजपा में शामिल, संजय कबलाना भी आए साथ

चंडीगढ़ विधानसभा चुनाव से पहले जजपा के पूर्व विधायक देवेंद्र बबली भाजपा में शामिल हो गए हैं। दिल्ली भाजपा मुख्यालय में उन्होंने पार्टी का दामन थामा। उनके अलावा गुरुग्राम के पूर्व जेल सुपरिटेंडेंट सुनील सांगवान व संजय कबलाना भी भाजपा में शामिल हो गए हैं।

2019 में जजपा से विधायक बने थे बबली...टोहाना के विधायक देवेंद्र सिंह बबली सोमवार को आखिरकार भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। बबली पहले कांग्रेस में टिकट को लेकर प्रयास में थे लेकिन पार्टी द्वारा मना किए जाने के बाद बीजेपी में शामिल हुए हैं।

देवेंद्र बबली इससे पहले वर्ष 2014 में निर्दलीय चुनाव लड़े थे लेकिन उस समय सुभाष बराला से हार गए थे। वर्ष 2019 में कांग्रेस में टिकट न मिलने पर जजपा की तरफ से लड़े और भारी मतों से विजय जीते थे। भाजपा और जेजेपी

में गठबंधन होने के दौरान विधायक देवेंद्र सिंह बबली का किसानों ने विरोध किया था। वर्ष 2021 में बबली को सरकार में पंचायत मंत्री बनाया गया।

टोहाना में रोचक होगा मुकाबला...टोहाना में इस बार मुकाबला रोचक होने की संभावना है। देखना होगा कि राज्यसभा सांसद सुभाष बराला क्या करते हैं। चूंकि भाजपा वर्कर बबली की टिकट को लेकर उतने उत्साहित दिख नहीं रहे हैं। यहां बता दें कि लोकसभा चुनाव में बबली ने अपने सगंठन के जरिये कांग्रेस को वोट दिलाए थे।

लोकसभा में कांग्रेस का किया था समर्थन...बबली ने लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार कुमारी सैलजा का समर्थन किया। बबली अब कांग्रेस ने टिकट चाह रहे थे लेकिन पार्टी ने मना कर दिया। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी दीपक बावरिया का बयान भी आया था।

फिर भाजपा में लौटे संजय कबलाना...संजय कबलाना एक बार फिर भाजपा का दामन पकड़ लिया है। विधानसभा चुनाव के बीच भाजपा में शामिल होना राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। कयास लगाए जा रहे है कि बादली से एक बार फिर भाजपा की टिकट पर संजय कबलाना चुनाव लड़ सकते है। संजय ने राजनीति भाजपा से शुरू की थी और बादली हल्के से 2009 में भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ा। 12495 वोट लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। इसके बाद वह आईएनएलडी में शामिल हो गए जहां वे हल्का अध्यक्ष रहे। 2019 में जजपा से बादली हलके से चुनाव लड़ा और 28089 वोट लेकर तीसरा स्थान बनाया। जजपा में संजय कबलाना ने जिला अध्यक्ष, जजपा प्रदेश पंचायत सेल के अध्यक्ष रहे। दो माह पहले ही संजय ने जजपा के सभी पदों से इस्तीफा देकर पार्टी छोड़ दी थी।

चंडीगढ़ में किसानों की महापंचायत: एक हजार लोगों ने किया विधानसभा कूच, सुरक्षा के चलते पुलिस ने रास्ते रोके

चंडीगढ। चंडीगढ़ में सेक्टर-34 के मेला ग्राउंड में पक्का लगाकर बैठे किसानों ने सोमवार को महापंचायत का आयोजन किया। सेक्टर 34 गुरुद्वारा के सामने किसानों ने महापंचायत में भारी भीड़ है। मेला ग्राउंड से किसानों द्वारा पंजाब विधानसभा की ओर कूच कर दिया गया है। एक हजार से अधिक की संख्या में किसान पैदल ही विधानसभा की ओर चल दिए हैं। किसानों के साथ-साथ काफी संख्या में पुलिस बल भी चल रहा है। किसान आंदोलन के चलते चंडीगढ़ पुलिस के अलावा आंदोलन में पंजाब पुलिस के भी करीब 1500 जवानों को तैनात किया गया है।

इस दौरान किसान परिवारों की महिलाएं अपने दिवंगत बच्चों और परिजनों की फोटो लेकर पहुंचीं। पुलिस प्रशासन ने किसानों को केवल चार दिन के मोर्चे की अनुमति दी है लेकिन वे पूरी तैयारी के साथ तीन महीने का राशन-पानी लेकर आए हैं। ऐसे में पुलिस-

प्रशासन के साथ आम जनता की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। फिलहाल पुलिस पूरी तरह अलर्ट है।

किसानों का कहना है कि अब तो उनका पक्का मोर्चा इस ग्राउंड से तभी उठेगा जब पंजाब सरकार उनकी सारी मांगें मान लेगी। अगर किसानों को पंजाब सरकार की ओर से उनकी मांगों को लेकर बातचीत के लिए बुलाया जाता है तो इसके लिए भी केवल 5-7 किसानों का शिष्टमंडल ही सरकार के साथ बातचीत के लिए जा सकेगा और उसकी जिम्मेदारी पुलिस की होगी।

किसान नेताओं ने कहा कि पहले चंडीगढ़ पंजाब का ही हिस्सा था और यहां से हजारों किसानों को उजाड़कर इस शहर को बसाया गया था लेकिन आज जब किसानों ने चंडीगढ़ में अपनी ही जमीन पर धरना देने के लिए पंजाब सीएम आवास के पास या फिर सेक्टर-17 में जगह मांगी तो चंडीगढ़ प्रशासन ने जगह देने से इंकार कर दिया। प्रशासन ने कहा कि अगर पक्का मोर्चा लगाना है तो चंडीगढ़ के बजाय मोहाली शहर में लगाएं लेकिन किसान अपनी बात पर अड़े रहे और उन्हें अब सेक्टर-34 के मेला ग्राउंड में जगह दी गई है जो किसानों की पहली जीत है।किसान आंदोलन के चलते जाम हुआ

चंडीगढ़

किसानों ने सेक्टर-34 मेला ग्राउंड से पंजाब विधानसभा की ओर दोपहर तीन बजे घेराव करने के लिए कूच करना है।

इसके लिए चंडीगढ़ पुलिस द्वारा सेक्टर 22-23 के चौक से सेक्टर-17 की डिवाइडिंग रोड से होते हुए मटका चौक व मध्य मार्ग की ओर से जाने वाले सभी सड़कों को बंद कर दिया गया है। सेक्टर-17 बस स्टैंड चौक पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई है। जाम में फंसे वाहन चालकों का गर्मी के चलते भी बुरा हाल हो रहा है।

किसानों का काफिला सेक्टर-17 बस स्टैंड चौक से मटका चौक की ओर जाने वाली सड़क पर पहुंचा। मटका चौक पर पहले ही पुलिस द्वारा विधानसभा की ओर जाने वाली सड़क को बंद कर दिया है। मटका चौक पर काफी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके साथ ही यहां वाटर कैनन व आंसू गैस के गोले फेंकने वाली गाड़ियों को भी लगाया गया है।

सिटी पार्क के मंदिर के बाहर गोशाला के दानपात्रों को लेकर हंगामा, वकील ने निकाली रिवाल्वर

रोहतक। रोहतक में नए बस स्टैंड के सामने सिटी पार्क के मंदिर के सामने गोशाला के दानपात्रों को लेकर सोमवार सुबह हंगामा हो गया। आरोप है कि एक वकील ने मंदिर के अंदर अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर निकाल ली। भीड़ में से एक युवक ने समय रहते रिवाल्वर छीन ली और पुलिस को बुलाकर सौंप दिया। सिविल लाइन थाना पुलिस दोनों पक्षों को थाने में बुलाकर जांच कर रही है। अभी किसी तरह का केस दर्ज नहीं किया गया है।

पार्क में घूमने आए एक युवक ने बताया कि नए बस स्टैंड के सामने पहले जेल होती थी, लेकिन अब वहां पार्क बना हुआ है। पार्क के अंदर ही माता का मंदिर है, जो जेल के समय बना था। राजीव गांधी

स्टेडियम के सामने चल रही गोशाला की सहायता के लिए मंदिर के बाहर दानपात्र लगाए गए थे। उन दानपात्रों को लेकर एक महिला सोमवार सुबह पार्क में पहुंची। दानपात्रों के ताले गायब मिले। इस बात को लेकर मंदिर की देखरेख करने वालों से कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसी बीच एक वकील आया और बोला यहां दानपात्र नहीं लगेंगे। मामला बढ़ने पर पार्क में घूमने आए लोगों ने इसका विरोध किया। वायरल वीडियो में वकील कह रहा है कि एक व्यक्ति ने सिर में ईंट मारने की धमकी दी। इस पर वकील ने जेब से अपना लाइसेंसी रिवाल्वर निकाल लिया। इससे मौके पर विवाद बढ़ गया। किसी तरह एक युवक ने वकील से लाइसेंसी रिवाल्वर ले लिया। दावा है कि उसमें पांच कारतूस थे। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों पक्ष सिविल लाइन थाने में पहुंच गए। थाना प्रभारी जगबीर सिंह का कहना है कि मामले की जांच कर रहे हैं। लिखित शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रिलांयस पेट्रोल पंप के कारिंदे से दिनदिहाड़े पांच लाख की लूट, हथियार दिखाकर बैग छीन ले गए नकाबपोश

बठिंडा। बठिंडा के गांव जोधपुर में रिलायंस के पेट्रोल पंप में काम करने वाले करिंदे से कुछ अज्ञात लोगों ने पांच लाख रुपये की नगदी लूट ली। मामले की जानकारी मिलने के बाद थाना सदर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल के बाद अज्ञात लुटेरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार गांव जोधपुर में पिछले दो साल से एक करिंदा तेल भरने व कैश जमा करवाने का काम करता था। सोमवार को वह जोधपुर मेन रोड पर बने रिलायंस पेट्रोल पंप में इकट्ठा हुई करीब पांच लाख रुपये की नगदी एक बैग में डालकर जस्सी पौ वाली के पास बने दूसरे रिलांयस पेट्रोल पंप में जमा करवाने जा रहा

था। इसी पंप से कैश इकट्ठा कर आगे बैंक में जमा करवाया जाता है।

कारिंदा जब जस्सी पौ वाली रोड पर पहुंचा तो रास्ते में सड़क के दोनों तरफ चार नकाबपोश हथियारों से लैस होकर खड़े थे। कारिंदे के अनुसार उक्त लोगों ने हथियार दिखाकर उसका रास्ता रोक लिया व उस पर वार कर नगदी से भरा बैग छीन लिया। एकाएक उस पर हुए हमले से घबराकर करिंदा पीछे की तरफ भाग गया जबकि आरोपी नगदी लूटकर फरार हो गए। घटना की जानकारी करिंदे ने पेट्रोल पंप मालिकों को दी जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। डीएसपी पुलिस राजेश शर्मा पुलिस टीम के साथ लूट वाली जगह पर पहुंचे व करिंदे के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। डीएसपी राजेश शर्मा ने कहा कि पुलिस एवीडेंस जुटा रही है व जल्द ही लूट की वारदात में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ठाठ चरणघाट के मुख्य सेवादार पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप

जगरांव। जगरांव शहर के अखाड़ा नहर के नजदीक बनी ठाठ चरणघाट के मुख्य सेवादार पर एक महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

महिला ने यह मामला सिख जत्थेबंदियों के सामने उठाया। इस संबंधी पता चलते ही आस पास के गांवों के सरपंच भी घटना स्थल पर पहुंचे, जहां बाबा पहले राजीनामे को लेकर दबाव बनाता रहा लेकिन महिला ने इंसाफ की मांग करते आरोपी पर कार्रवाई की मांग की। इसके बाद मामला पुलिस के पास पहुंचा।

पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए बाबा बलजिंदर सिंह पर

मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि बाबा पिछले दो साल से उससे बात कर रहा था, जिसके चलते बाबा ने उसे शादी कर एक साथ रहने को कहते हुए संबंध बनाने को कहा। महिला ने बताया कि बाबा उसके साथ कई बार संबंध बना चुका है।

पुलिस ने आरोपी पर धारा 69, 351 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

चंडीगढ़ के मेला ग्राउंड के बाहर भारी फोर्स, किसानों को बाहर निकलने की अनुमति नहीं, आज कई रास्ते रहेंगे बंद

चंडीगढ़। सेक्टर-34 के मेला ग्राउंड किसानों ने रविवार को पक्का मोर्चा लगा लिया। पुलिस प्रशासन ने किसानों को केवल चार दिन की अनुमति दी है लेकिन वे पूरी तैयारी के साथ तीन महीने का राशन-पानी लेकर आए हैं। ऐसे में पुलिस-प्रशासन के साथ आम जनता की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। फिलहाल पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। किसानों को ग्राउंड से बाहर रैली व प्रदर्शन की अनुमति नहीं है।

आंदोलन को देखते हुए पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी कर दी है। सेक्टर-34 की ओर जाने वाले कई रूट डायवर्ट किए गए हैं। ऐसे में अगर आपको आज सेक्टर-34 की ओर जाना है तो परिवर्तित रूट देख लें। किसानों को मेला ग्राउंड में ही रोकने के लिए पुलिस ने ग्राउंड के चारों ओर बैरिकेडिंग करने के साथ अन्य इंतजाम किए हैं। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। यहां करीब 200 पुलिस जवानों समेत रैपिड फोर्स को तैनात कर किया गया है। पुलिस की वर्दी समेत विभिन्न जांच एजेंसियों के जवान भी सिविल ड्रेस में किसानों के बीच मौजूद हैं और उनकी हर गतिविधि पर नजर रख रहे हैं। अगर किसान प्रशासन के आदेशों की अवहेलना करते हैं तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उधर, पंजाब का विधानसभा सत्र

4 सितंबर तक ही चलना है। प्रशासन के आदेशानुसार, किसानों को 5 सितंबर की सुबह होने से पहले सेक्टर-34 के मेला ग्राउंड को खाली करना होगा लेकिन किसानों ने सरकार ही नहीं बल्कि यूटी प्रशासन व पुलिस के साथ भी आर-पार की लड़ाई करने का एलान कर दिया है। किसानों का कहना है कि अब तो उनका पक्का मोर्चा इस ग्राउंड से तभी उठेगा जब पंजाब सरकार उनकी सारी मांगें मान लेगी। अगर किसानों को पंजाब सरकार की ओर से उनकी मांगों को लेकर बातचीत के लिए बुलाया जाता है तो इसके लिए भी केवल 5-7 किसानों का शिष्टमंडल ही सरकार के साथ बातचीत के लिए जा सकेगा और उसकी जिम्मेदारी पुलिस की होगी।

देखें... कहां से कहां तक यातयाता डायवर्ट व प्रतिबंधित रहेगा

पुलिस के मुताबिक, दो सितंबर को कई सड़कों पर यातायात को डायवर्ट/प्रतिबंधित किया जा सकता है। इनमें सरोवर पथ पर गोशाला चौक इसके अलावा सेक्टर 33/34 लाइट पॉइंट से लेकर सेक्टर 34/35 लाइट पॉइंट तक, दक्षिण मार्ग पर आम जनता के लिए सरोवर पथ पर कोई भी मोड़ की अनुमति नहीं होगी। शांति पथ पर सेक्टर 33/45 लाइट पॉइंट से यातायात को पुनर्निर्देशित किया जाएगा और सरोवर पथ की ओर मुड़ने की अनुमति नहीं होगी।

किसानों के लिए पार्किंग स्थल तय...ट्रैफिक पुलिस की ओर से किसान आंदोलन में आने वाले किसानों को अपने वाहन निर्धारित स्थान पर ही खड़े करने होंगे। ट्रैफिक पुलिस ने किसान यूनियनों के लिए सेक्टर 33-डी मार्केट के पास, ओपन ग्राउंड, सेक्टर 44, लक्ष्मी नारायण मंदिर के पास, मंडी ग्राउंड, सेक्टर 45-डी, दशहरा ग्राउंड, सेक्टर 46-डी में पार्किंग स्थल बनाए हैं।

किसान बोले-चंडीगढ़ में पक्का मोर्चा हमारी पहली जीत...किसान नेताओं ने कहा कि पहले चंडीगढ़ पंजाब का ही हिस्सा था और यहां से हजारों किसानों को उजाड़कर इस शहर को बसाया गया था लेकिन आज जब किसानों ने चंडीगढ़ में अपनी ही जमीन पर धरना देने के लिए पंजाब सीएम आवास के पास या फिर सेक्टर-17 में जगह मांगी तो चंडीगढ़ प्रशासन ने जगह देने से इंकार कर दिया। प्रशासन ने कहा कि अगर पक्का मोर्चा लगाना है तो चंडीगढ़ के बजाय मोहाली शहर में लगाएं लेकिन किसान अपनी बात पर अड़े रहे और उन्हें अब सेक्टर-34 के मेला ग्राउंड में जगह दी गई है जो किसानों की पहली जीत है।

इन रास्तों से चंडीगढ़ पहुंचे किसान...मोहाली। किसानों को चंडीगढ़ पहुंचने के लिए मोहाली के चार सीमाएं पार करनी पड़ीं। मोहाली की किसी भी सीमा पर किसानों को नहीं रोका गया। चंडीगढ़-अंबाला हाईवे पर झरमडी बॉर्डर पर लालडू पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी लेकिन किसानों को नहीं रोका गया। अजीजपुर टोल प्लाजा से छत लाइट पॉइंट के रास्ते से किसान मोहाली पहुंचे। वहीं, आइसर से चंडीगढ़ ट्रिब्यून मार्ग पर जगतपुरा के पास पुलिस की नाकाबंदी थी, यहां भी किसानों को नहीं रोका गया।

इनेलो ने 7 उम्मीदवारों की दूसरी सूची की जारी कलायत से माजरा और रानियां से अर्जुन चौटाला

चंडीगढ़। हरियाणा में बसपा के चार उम्मीदवारों की घोषणा के बाद अब इनेलो ने भी 7 सीटों पर गठबंधन के प्रत्याशियों को घोषणा की है। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला से विचार-विमर्श के बाद प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने रविवार को सात विधानसभा उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की। इससे पहले इनेलो तीन प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर चुका है।

इनमें कलायत विधानसभा हलका से खुद रामपाल माजरा, लाडवा से शेर सिंह बड़शामी, नारनौंद से उमेद लोहान और बहादुरगढ़ से पूर्व विधायक स्वर्गीय नफे सिंह राठी की पत्नी शीला राठी उम्मीदवार होंगी। रानियां विधानसभा सीट से अभय सिंह चौटाला के बेटे अर्जुन सिंह चौटाला, हथीन से तैयब हुसैन भीमसीका और कालांवाली से मास्टर गुरतेज सिंह सुखचैन को उम्मीदवार घोषित किया गया है।

इनेलो के 10 और बसपा के 4 उम्मीदवारों को मिलाकर अब तक कुल 14 उम्मीदवारों की घोषणा की जा चुकी है। इससे पहले इनेलो ने यमुनानगर से दिलबाग सिंह, महेंद्रगढ़ से सुरेंद्र कौशिक और ऐलानाबाद से अभय सिंह चौटाला को प्रत्याशी घोषित किया था।

रामपाल माजरा : तीन बार रह चुके विधायक...रामपाल माजरा ने गांव के सरपंच बनने से अपनी राजनीतिक कैरियर की शुरूआत की थी। 1996 में वह समता पार्टी से पाई से विधायक बने। 2000 में इनेलो के टिकट पर दोबारा विधायक बने।

2005 में वह हार गए और 2009 में कलायत विधानसभा से विधायक बने। पिछले विधानसभा चुनावों में वह भाजपा में चले गए थे, लेकिन उनको टिकट नहीं मिला। कुछ माह पहले उन्होंने फिर इनेलो में वापसी की और प्रदेशाध्यक्ष बने। माजरा बीए बीएड-एलएलबी डिग्री धारक हैं।

शेर सिंह बढ़शामी : इनेलो के प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं...शेर सिंह बड़शामी 2009 में लाडवा से इनेलो के विधायक रहे चुके हैं। बड़शामी की गिनती ओमप्रकाश चौटाला परिवार के करीबियों में होती है। वह इनेलो के प्रदेशाध्यक्ष भी रहे हैं और चौटाला के सीएम रहते उनके राजनीतिक सलाहकार थे। जेबीटी भर्ती घोटाले में नाम आने के बाद उनके राजनीतिक जीवन पर असर पड़ा, लेकिन वह एक बार फिर मैदान में उतर रहे हैं। लाडवा क्षेत्र में उनका बड़ा प्रभाव है।

उमेद लोहान : जजपा और कांग्रेस में जाने के बाद की घर वापसी...उमेद सिंह लोहान इनेलो में युवा प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। 2005 में बरवाला हलके से विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। 2014 में भी हांसी हलके से चुनाव लड़ा, लेकिन फिर उनको हार का मुंह देखना पड़ा। इनेलो टूटने पर वो जजपा में शामिल हो गए थे, लेकिन 2019 में नारनौंद हलके से जजपा का टिकट न मिलने पर खफा हो गए। रामकुमार गौतम को टिकट मिलने के बाद उन्होंने पार्टी से दूरी बना ली थी। जजपा से वह कांग्रेस में गए और बाद में फिर इनेलो में आ गए।

शीला राठी : राठी परिवार पर विश्वास, सहानुभूति की आस...नफे सिंह राठी बहादुरगढ़ से पूर्व विधायक और इनेलो के प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। फरवरी में उनकी गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। पहले नफे सिंह राठी के बेटे जितेंद्र राठी को चुनाव लड़ाने की बात हुई थी।

बाद में परिवार के फैसले के मुताबिक नफे सिंह राठी की पत्नी शीला राठी ने चुनाव लड़ने की इच्छा जताई। इसके बाद इनेलो ने उनके नाम पर मुहर लगा दी। राठी परिवार का बहादुरगढ़ हलके में प्रभाव है, दूसरा इनेलो को यहां नफे सिंह राठी के नाम पर सहानुभूति की भी आस है। राठी परिवार चौटाला परिवार का काफी करीबी माना जाता है।

अर्जुन चौटाला : गढ़ को बचाने की रणनीति...अभय चौटाला के बेटे अर्जुन चौटाला 2019 में कुरुक्षेत्र लोकसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। इस बार विधानसभा चुनाव में उनको अपने पुराने गढ़ को बचाने की जिम्मेदारी मिली है। बीते चुनाव में रानियां से उनके दादा रणजीत सिंह विधायक बने थे और इस बार दोबारा मैदान में उतरने को तैयार हैं। अर्जुन चौटाला स्नातक तक पढ़े हैं और राजनीति की मजबूत समझ रखते हैं।

2009 के अर्धसैनिक बल बीडीआर विद्रोह की फिर से जांच करेगी अंतरिम सरकार

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सोमवार को कहा कि वह 2009 में अर्धसैनिक बल बांग्लादेश राइफल्स (बीडीआर) में हुए विद्रोह की जल्द ही फिर से जांच और निष्पक्ष सुनवाई शुरू करेगी, जिसमें सेवारत 57 सैन्य अधिकारियों समेत 74 लोग मारे गए थे। अंतरिम सरकार के गृह और कृषि मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एम जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि एक नागरिक और सेना के पूर्व सदस्य के रूप में, वह इस दुखद घटना के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, बीडीआर नरसंहार की उचित फिर से जांच और निष्पक्ष सुनवाई प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी।

क्या है 2009 का अर्धसैनिक बल बीडीआर विद्रोह ?... ये विद्रोह 25-26 फरवरी, 2009 को शुरू हुआ था, जब सेना के अधिकारियों ने बीडीआर जवानों की मांगों को पूरा करने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद विद्रोही सैनिकों ने ढाका में बीडीआर के पिलखाना मुख्यालय में विद्रोह किया और यह जल्दी ही पूरे देश में सीमांत बल के सेक्टर मुख्यालयों और क्षेत्रीय इकाइयों में फैल गया। इस विद्रोह में अर्धसैनिक सैनिकों ने अपने कमांडरों को अपनी बंदूकें तान दीं, उन्हें नजदीक से गोली मार दी या उन्हें काटकर मार डाला, उनके शवों को सीवर में छिपा दिया और जल्दबाजी में कब्र खोद दी और उनके भयभीत परिवार के सदस्यों को बैरकों में बंधक बनाकर अपमानित किया। विद्रोह में 57 सैन्य अधिकारियों समेत 74 लोग मारे गए।

बीडीआर विद्रोह के बाद बदला बांग्लादेशी सेना का नाम... इसके बाद देश में एक बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण अभियान के तहत, बांग्लादेश की तत्कालीन सरकार ने विद्रोह से दागी बीडीआर का नाम बदलकर 2012 में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) कर दिया, जबकि बल को विद्रोह के कलंक से मुक्त करने के लिए इसका लोगो, वर्दी, झंडा और मोनोग्राम बदल दिया।

वहीं मामले में जहांगीर आलम चौधरी, जो पहले (बीजीबी) प्रमुख के रूप में कार्य कर चुके हैं, ने कहा, न केवल एक सलाहकार के रूप में बल्कि सेना के पूर्व सदस्य और एक सामान्य नागरिक के रूप में, मैं बीडीआर हत्याओं की न्यायपूर्ण सुनवाई भी चाहता हूं। उनकी टिप्पणी तब आई जब विशेष रूप से सोशल मीडिया पर फिर से जांच की मांग बढ़ गई, हालांकि 2017 में एक विशेष तीन-न्यायाधीश उच्च न्यायालय की पीठ ने निचली अदालत में उनके मुकदमे के बाद 139 बीडीआर सैनिकों की मौत की सजा को बरकरार रखा था।

दो दिनों तक बांग्लादेश में हुआ था नरसंहार... निचली अदालत ने इस मामले में 152 बीडीआर सदस्यों और दो नागरिकों को मौत की सजा और 158 अन्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी, जो कि समीक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट के शीर्ष अपीलीय प्रभाग के सामने लंबित है। आरोपियों पर विद्रोह की साजिश रचने, अपने अधिकारियों को प्रताड़ित करने और उनकी हत्या करने, उनके सामान को लूटने या दो दिवसीय विद्रोह के दौरान उनके परिवार के सदस्यों को बंदी बनाने जैसे आरोपों के तहत मुकदमा चलाया गया। उन्होंने 57 सैन्य अधिकारियों के अलावा आठ नागरिकों, आठ बीडीआर सैनिकों, जो विद्रोह का विरोध कर रहे थे, और एक सेना के सैनिक की भी हत्या कर दी।

बांग्लादेश का सबसे बड़ा आपराधिक मुकदमा... कानूनी विशेषज्ञों ने पहले इसे बांग्लादेश का अब तक का सबसे बड़ा आपराधिक मुकदमा बताया था, जिसमें लगभग 800 पूर्व अर्धसैनिक सैनिकों पर 74 लोगों की हत्या का आरोप था। तत्कालीन बीडीआर प्रमुख मेजर जनरल शकील अहमद विद्रोह के पहले शिकार थे।

यह विद्रोह दिसंबर 2008 के चुनावों में प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता में आने के कुछ सप्ताह बाद हुआ था। 2012 में, बांग्लादेश ने विद्रोह के मुकदमे का एक और चरण पूरा किया, जिसमें 11 अर्धसैनिक अदालतों ने 57 इकाइयों के 6,011 विद्रोही सैनिकों को अपेक्षाकृत नरम बीडीआर अधिनियम के तहत सात साल तक की जेल की सजा सुनाई।

पूर्णिया : हेलमेट पहने लुटेरे की चालाकी पड़ी भारी,ऐसे नाकाम हुई बैंक लूट

संवाददाता।

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया में सोमवार को एक बैंक में लूट की कोशिश नाकाम रही। एक अकेला लुटेरा, जिसने हेलमेट पहन रखा था, चित्रवाणी रोड स्थित स्थित स्मॉल फाइनेंस बैंक में घुसा और चाकू दिखाकर पैसे लूटने की कोशिश की। हालांकि, बैंक कर्मचारी की होशियारी से सायरन बज गया और लुटेरा खाली हाथ भाग गया। पुलिस घटना की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। यह घटना सुबह लगभग 9.00 बजे हुई जब बैंक कर्मचारी काम पर आ रहे थे। एक युवक, जिसने अपना चेहरा हेलमेट से ढंक रखा था, बैंक में घुसा और चाकू लहराते हुए पैसे की मांग की। बैंक के इंचार्ज मैनेजर अभय कुमार ने बताया कि लुटेरे ने कैशियर से बैग में पैसे भरने को कहा। एक अपराधी हेलमेट पहनकर अंदर घुसा और चाकू दिखाते हुए बैग के अंदर सभी सामान भरने की बात का कही।

कैशियर ने होशियारी दिखाते हुए पैसे देने का नाटक किया और मौका पाकर बैंक का सायरन बजा दिया। सायरन की आवाज सुनकर लुटेरा घबरा गया और बिना कुछ लिए बैंक से बाहर भाग गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि लुटेरा बैंक से कुछ दूरी पर खड़ी एक बाइक पर सवार होकर भाग गया।

बैंक अधिकारियों ने बताया कि लुटेरा बैंक से कुछ भी ले जाने में कामयाब नहीं हुआ। हालांकि, इस घटना से बैंक कर्मचारियों और आसपास के दुकानदारों में दहशत फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही सहायक खजांची थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की छानबीन शुरू कर दी। पुलिस बैंक और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस को शक है कि लूट की इस कोशिश में एक से ज्यादा लोग शामिल हो सकते हैं। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ भी कर रही है और लुटेरे की पहचान करने की कोशिश कर रही है। सहायक खजांची थानाध्यक्ष शशि कुमार भगत ने बताया कि लुटेरा अकेला था और उसने मास्क पहना हुआ था, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। पुलिस ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि अगर उन्हें कोई जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत पुलिस को सूचित करें। यह घटना पूर्णिया में कानून व्यवस्था की स्थिति पर सवाल खड़े करती है। कुछ समय पहले ही शहर में तनिष्क ज्वेलर्स में हुई करोड़ों की लूट की गुत्थी अभी तक पुलिस सुलझा नहीं पाई है और अब बैंक में हुई इस लूट की कोशिश ने पुलिस के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है। स्थानीय लोगों में पुलिस के प्रति रोष है। उनका कहना है कि पुलिस की ढिलाई के कारण ही अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

बिहार में तेज रफ्तार से दौड़ रही थी केंद्रीय मंत्री की कार -पटना से दिल्ली तक मच गई खलबली

पीएम मोदी के 'हनुमान' की गाड़ी का कटा चालान

संवाददाता।

पटना/हाजीपुर। पीएम मोदी के 'हनुमान' और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की गाड़ी का एक बार फिर चालान कट गया है। लोजपा(रा) के अध्यक्ष की गाड़ी का चालान ओवर स्पीडिंग के चलते कटा है। परिवहन विभाग ने चिराग पासवान को ड५ी१रस्र्ीी गाड़ी चलाने के आरोप में 2 हजार का चालान भेजा है।

जानकारी अनुसार परिवहन विभाग ने हाल ही में ए-ऊ३ीू३ङ्खल्ल र८२३ी शुरू किया है, इसी वजह से चालान काटा है। दरअसल, नई व्यवस्था में बिहार के कई ठल्र पर कैमरे लगाए गए हैं, जो ठल्र पर गुजरने वाली गाड़ियों के नंबर प्लेट की तस्वीर लेकर सीधे गाड़ी मालिक के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर चालान भेज देता है।

बताया जा रहा है कि, 17 अगस्त को हाजीपुर से चंपारण जाने के दौरान ठल्र पर चिराग पासवान का 2 हजार का चालान हुआ है। जानकारी अनुसार चिराग पासवान की गाड़ी एक टोल प्लाजा पर ए-ऊ३ीू३ङ्खल्ल र८२३ी की नजर में आ गई। सिस्टम ने उनकी गाड़ी की स्पीड तय सीमा से ज्यादा पाया और अपने आप चालान काट दिया। इस घटना के बाद परिवहन विभाग में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने सफाई देते हुए बताया कि यह सिस्टम पूरी तरह से ऑटोमेटिक है और यह नियमों का उल्लंघन करने पर किसी को नहीं बख्शेगा। आरटीओ ने बताया कि अगर गाड़ियों के कागजातों में कोई कमी पाई जाती है या गाड़ी ओवर स्पीड होती है तो उसका अपने आप चालान कट जाएगा। वहीं इस बारे में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि, 'जुमार्ना भर दिया जाएगा।'

वंदे भारत ट्रेन को मिली बम से उड़ाने की धमकी

रेलकर्मी के वाट्सऐप पर आया मैसेज, पटना सहित सभी राज्यों में मचा हड़कंप

संवाददाता।

पटना। वंदे भारत एक्सप्रेस को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इसके बाद से ही रेलवे अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। अधिकारियों ने रेलवे में सतर्कता बढ़ा दी है। सभी ट्रेनों में जांच के आदेश दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि धमकी भरा मैसेज रेलवे के एक कर्मचारी के मोबाइल पर आया था। वहीं वंदे भारत ट्रेन की निगरानी के लिए रेलवे की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, किसी ने नार्दन फ्रंटियर रेलवे (असम) की ओर वंदे भारत ट्रेन को उड़ाने की धमकी से जुड़ा मैसेज वाट्सऐप के माध्यम से एक रेलकर्मी के पास भेजा था। इसके बाद रेलकर्मियों में हड़कंप मच गया। इसके बाद हाजीपुर जोन आरपीएफ के आईजी ने बिहार के पटना, झारखंड रांची, एमपी भोपाल व यूपी लखनऊ के पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजा था, जिसमें धमकी की सूचना के साथ ट्रेन सुरक्षा को लेकर सतर्कता का आदेश जारी किया गया है। झारखंड रांची की विशेष शाखा ने सभी जिलों में पत्र भेजकर सतर्कता व सुरक्षा पर जोर दिया है।

गौरतलब हो कि, नवंबर 2023 में भी किसी ने बिहार-राजेंद्रनगर टर्मिनल के स्टेशन प्रबंधक को डाक से धमकी भरा पत्र भेजकर ट्रेन उड़ाने की धमकी दी थी। धमकी में रुपये नहीं देने पर नॉर्थ ईस्ट ट्रेन की तरह राजधानी, वंदे भारत, शताब्दी और राजधानी एक्सप्रेस को उड़ाने की धमकी थी।

मालूम हो कि रेलवे स्टेशन शुरू से आतंकियों के निशाने पर रहा है और कई घटनाएं भी हो चुकी हैं। इससे इस मैसेज को रेलवे प्रशासन ने गंभीरता से लिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. दारोगा प्रसाद राय की जयंती पर मुख्यमंत्री ने नमन किया

संवाददाता।

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. दारोगा प्रसाद राय जी की जयंती के अवसर पर नया सचिवालय परिसर के समक्ष स्थित स्व. दारोगा प्रसाद राय जी की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, जल संसाधन मंत्री सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य सह कृषि मंत्री मंगल पाण्डे, सूचना एवं जन-सम्पर्क मंत्री महेश्वर हजारी, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी आदि भी थे।

इस अवसर पर सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती पूजन तथा बिहार गीत एवं देश भक्ति गीत का गायन भी किया गया।

सीएसपी संचालक को हथियार का भय दिखाकर में बदमाशों ने लूटे 2.5 लाख रुपये

संवाददाता।

मोतिहारी । बाइक सवार अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर सीएसपी से ढाई लाख रुपए लूट लिए। घटना केसरिया थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर सीएसपी की है। बताया गया कि सेंट्रल बैंक के मोहम्मदपुर सीएसपी के संचालक बैंक से पैसा ले कर जैसे ही सीएसपी पर पहुंचा वैसे ही एक बाइक पर सवार दो अपराधी आए और अंदर घुसकर हथियार के बल पर सीएसपी में रखे ढाई लाख रुपए लूट कर फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस वहां लगे सीसीटीवी फुटेज से अपराधियों की पहचान करने में जुट गई है। चकिया एसडीपीओ सतेंद्र सिंह ने घटना के संबंध में बताया कि केसरिया थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर में संचालित सीएसपी में दो अपराधियों ने ढाई लाख रुपए की लूट की घटना को अंजाम दिया है।

आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरे से उसकी पहचान की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके लिए एक अलग टीम का गठन किया गया है। जल्द ही लूट कांड का खुलासा कर लिया जाएगा।

सीतामढ़ी : सरकारी स्कूल में पर्चा चस्पा कर शिक्षकों से मांगी दो-दो लाख की रंगदारी, फैली दहशत

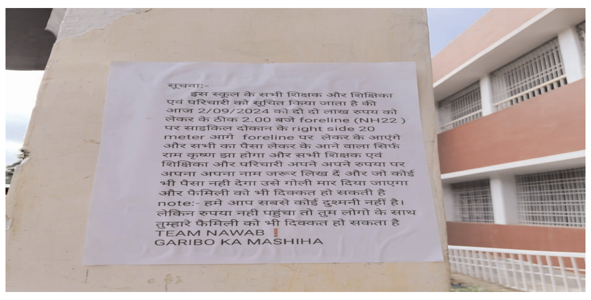

संवाददाता।

सीतामढ़ी। जिले के बथनाहा प्रखंड क्षेत्र के सहियारा थाना क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुरनहिया में विद्यालय भवन के मुख्य द्वार के पीलर पर कम्प्यूटराईज्ड टाइप किया रंगदारी की मांग का पर्चा साट कर सनसनी फैला दिया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अभिषेक शर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय के शिक्षक व अन्य शिक्षकेत्तर कर्मचारी सोमवार की सुबह 9 बजे विद्यालय में पहुंचे तभी विद्यालय भवन के मुख्य द्वार के चार पीलरों पर एक कम्प्यूटराईज्ड पर्चा छपा था। जिस पर किसी टीम नवाब गरीबों के मसीहा नामक आपराधिक संगठन के द्वारा 2 सितंबर को 2 बजे तक 2 लाख

विद्यालय में पदस्थापित प्रत्येक कर्मियों को एन एच 22 साइकिल दूकान के दाहिने तरफ 20 फीट आगे आने को कहा। वहीं प्रति कर्मियों को अपना नाम 2 लाख के बंडल के साथ लिखकर देने की भी चेतावनी पर्चे में अंकित किया था। नहीं देने वाले कर्मियों व स्वजनों को बुरा परिणाम भुगतने की चेतावनी भी अंकित किया गया था। जिसके बाद विद्यालय के सभी कर्मी दहशत में आ गये। जिसकी सूचना स्थानीय ग्रामीणों को मिलने के बाद विद्यालय में भीड़ भी जुटने लगी। पर्चा को स्थानीय ग्रामीण भी दहशतजदा हो गये। हालांकि तब तक विद्यालय में नामांकित छात्र - छात्राएं भी पहुंचने लगे। लेकिन दहशतजदा विद्यालय के कर्मी उपस्थित विद्यार्थियों को पढ़ाने में तल्लीन हो गए । वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री शर्मा मामले की सूचना सहियारा थाना को दिया। जिसकी सूचना पाते ही सहियारा थाना ए एस आई विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में विद्यालय में पहुंचकर सटे पर्चे को उतारकर व परिसर में फेंके गए अन्य आठ पर्चे की जब्त कर लिया। हालांकि विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने स्थानीय थाना व अन्य उच्चाधिकारियों को आवेदन देकर मामले से अवगत भी कराया है।

सीतामढ़ी एसपी ने बताया कि मामले की सूचना मिली है। इसमें कोई अज्ञात असामाजिक तत्व साजिश के तहत दहशत फैलाना चाह रहा है। हालांकि मामले की जांच किया जा रहा है।

97 वर्षीय लक्ष्मी आचार्य ने मैराथन में भाग लेकर कौतूहल का केंद्र बनी

सुषमा

पालघर। शिवसेना व आधार प्रतिष्ठान की ओर से पालघर जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सौजन्य से रविवार 1 सितंबर 2024 को"स्वच्छ और सुंदर बोईसर, दौड़ेगा बोईसर तो फिट रहेगा बोईसर" के मद्देनजर बोईसर वर्षा मैराथन-2024 का आयोजन किया। इस मैराथन का शुभारंभ बोईसर शहर अंतर्गत ओत्सवाल एम्पायर में स्थित पिंक सिटी के सामने चित्रालय रोड से किया गया। बोईसर वर्षा मैराथन 2024 के सफल आयोजन हेतु कुल पांच वर्गो में विभाजित किया गया था।

बता दे कि पहले वर्ग में 14 वर्ष के बालक/बालिकाओं के लिए 3 किलोमीटर, दूसरे वर्ग में 17 वर्ष के बालक/बालिकाओं के लिए 5 किलोमीटर, तीसरे वर्ग में 19 वर्ष के युवक/युवतियों के लिए 6 किलोमीटर, चौथे वर्ग में पुरुष/महिलाओं के लिए 10 किलोमीटर की खुली प्रतियोगिता तथा पांचवे वर्ग में 55 वर्ष से अधिक नागरिकों व वरिष्ठ नागरिकों के लिए 1 किलोमीटर दौड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

स्वच्छ और सुंदर बोईसर केसाथ सेहत के लिए लाभदायक बताते हुए रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के रोटेरियन तथा तारापुर औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत स्थित मेसर्स गंगवाल हेल्थ केयर के निदेशक राकेश बी. आचार्य की 97 वर्षीय माता जी लक्ष्मी आचार्य ने मैराथन में हिस्सा लेकर सभी को आश्चर्य चकित कर दिया। लक्ष्मी आचार्य ने मैराथन में हिस्सा लेकर सभी लिए कौतूहल की केंद्र बनी रहीं।

जिसके पश्चात मैराथन के आयोजक आधार प्रतिष्ठान के अध्यक्ष महेंद्र सिंह द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। बोईसर वर्षा मैराथन में हिस्सा लेने वाले सभी धावकों का उत्साहवर्धन करने के लिए पालघर पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील, सीईओ भानुदास पालवे, सांसद डॉ.हेमंत विष्णु सावरा, जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम, शिवशक्ति सामाजिक संघटना प्रमुख संजय ज. पाटील, भाजपा महासचिव अशोक वड़े, बोईसर वर्षा मैराथन के आयोजक व शिवसेना नेता जगदीश धोड़ी, वैभव संखे, सारावली सरपंच आनंद धोडी, कल्पेश धोडी, अतुल देसाई समेत अनेक गणमान्य लोग व जनप्रतिनिधि विशेष रूप उपस्थित रहे।

लाश को नोच-नोचकर खा रहे कुत्ते,कटिहार सदर अस्पताल का मामला

संवाददाता ।

कटिहार। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही देखनी हो तो कटिहार सदर अस्पताल का यह दृश्य काफी है। लापरवाही का ही नतीजा है कि अस्पताल परिसर में आवारा कुत्ते पोस्टमार्टम हाउस के बाहर शव को नोच नोचकर खा रहे हैं। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है लेकिन प्रबंधक की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गयी। लोगों ने बताया कि यह एक दिन का नहीं बल्कि रोज का मामला है।

कटिहार सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम हाउस में रखे गए शव अब कुत्तों का निवाला बन गया है। अस्पताल प्रबंधन इस समस्या का समाधान नहीं कर इसे और बढ़ावा दे रहा है। दुर्घटना, हत्या या अन्य तरह के शवों का पोस्टमार्टम करने के बाद अस्पताल परिसर में बने लाखों रुपए के पोस्टमार्टम हाउस में रखा जाता है। इसमें लावारिश लाशें भी होती है जिसे पहचान के लिए रखना पड़ता है। पोस्टमार्टम हाउस के बगल में ही अवशिष्ट संग्रह केंद्र है जिसमें पोस्टमार्टम और डिलीवरी के बाद अवशेष को रखा जाता है। हैरानी तो तब होती है जब अस्पताल परिसर में मौजूद आवार कुत्ता कमरे में घुसकर अवशेष खींचकर बाहर ले आते हैं। पूरा अस्पताल परिसर शव के टुकड़े को इधर से उधर खींचते हुए खाते हैं। स्थानीय चंदन पासवान बताते हैं कि जब भी कोई लावारिश लाश को तीन दिनों के अस्पताल प्रबंधन के संरक्षण में रखा जाता हैं तो आवारा कुत्तों की मौज हो जाती हैं।

स्थानीय दुकानदार सुनील कुमार रजक बताते हैं कि काफी परेशानी हो रही है। इसे कोई देखने या सुनने वाला नहीं है. लोगों ने बताया कि पोस्टमार्टम रूप में ताला नहीं लगता है, क्योंकि उसका गेट टूटा हुआ है। काफी समय से इसको लेकर शिकायत की गयी है लेकिन इसे कोई सुनने वाला नहीं है। यही कारण है कि स्थानीय लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

इस तरह का मामला सामने आने के बाद प्रबंधन का एक ही जबाव होता है कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।एक बार फिर सदर अस्पताल के सिविल सर्जन जितेन्द्र नारायण सिंह ने जांच कर कार्रवाई की बात कही है।

कर्नाटक में रेलवे पटरियों पर जलजमाव ,बिहार आने वाली कई ट्रेनें रद्द,भारी मुसीबत में यात्री

संवाददाता।

पटना। कर्नाटक में दक्षिण पश्चिम रेलवे के रेल मार्गों पर कई स्थानों पर जलजमाव के कारण बिहार की कई ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। पूर्व मध्य रेलवे की ओर से इसे लेकर बयान जारी किया गया है। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्रा ने एक बयान में कहा कि दक्षिण पश्चिम रेलवे के रायनपाडु स्टेशन और विजयवाड़ा-निडदवोलु रेलखंड पर कई जगहों पर पटरियों पर जलजमाव हो गया है। इस वजह से, सोमवार को दानापुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12296 संघमित्रा एक्सप्रेस, बेंगलुरु से चलने वाली गाड़ी संख्या 12295 संघमित्रा एक्सप्रेस, बेंगलुरु से चलने वाली गाड़ी संख्या 06509 बेंगलुरु-दानापुर विशेष रेलगाड़ी और चार सितंबर को दानापुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 06510 दानापुर-बेंगलुरु विशेष रेलगाड़ी को रद्द कर दिया गया है।

दक्षिण भारत में बारिश ने भारी तबाही मचाई है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलांगना में जलजमाव की वजह से रेल रूट प्रभावित हुआ है। बिहार से चलने वाली कई ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। कर्नाटक में भारी बारिश के कारण रेलवे ट्रैक पर पानी भर गया है। इससे ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं। पूर्व मध्य रेलवे ने बताया कि दक्षिण पश्चिम रेलवे के रायनपाडु और विजयवाड़ा-निडदवोलु रेलखंड पर काफी पानी भर गया है।

रेलवे ट्रैक पर पानी भर जाने के कारण 4 सितंबर को दानापुर से चलने वाली संघमित्रा एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12296) रद्द रहेगी। इसी तरह, बेंगलुरु से चलने वाली संघमित्रा एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12295) भी कैंसिल रहेगी। बेंगलुरु-दानापुर विशेष रेलगाड़ी (गाड़ी संख्या 06509) और 4 सितंबर को दानापुर से चलने वाली दानापुर-बेंगलुरु विशेष रेलगाड़ी (गाड़ी संख्या 06510) भी रद्द कर दी गई है। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्रा ने ये जानकारी दी है।

पूर्व-मध्य रेलवे की ओर से कहा गया है कि दक्षिण पश्चिम रेलवे के रायनपाडु स्टेशन और विजयवाड़ा-निडदवोलु रेलखंड पर कई जगहों पर पटरियों पर जलजमाव हो गया है। इस वजह से, सोमवार को दानापुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12296 संघमित्रा एक्सप्रेस, बेंगलुरु से चलने वाली गाड़ी संख्या 12295 संघमित्रा एक्सप्रेस, बेंगलुरु से चलने वाली गाड़ी संख्या 06509 बेंगलुरु-दानापुर विशेष रेलगाड़ी और चार सितंबर को दानापुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 06510 दानापुर-बेंगलुरु विशेष रेलगाड़ी को रद्द कर दिया गया है।

मुंगेर : भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या बेटा साथ सोता रहा

संवाददाता।

मुंगेर। बिहार के मुंगेर में रविवार देर रात एक भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के समय उनका मासूम बेटा उनके पास ही सो रहा था। पुलिस पुरानी रंजिश के एंगल से मामले की जांच कर रही है। तारापुर अनुमंडल के गोगाचक धोवइ कच्ची कांवरिया पथ पर हुई इस घटना में भाजपा युवा मोर्चा नेता बंटी सिंह उर्फ फंटूश (35) की जान चली गई। बंटी सिंह भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष भी थे। वह कांवरिया पथ पर ही चाय-नाश्ते की एक अस्थायी दुकान चलाते थे।

रविवार रात को बंटी सिंह अपनी दुकान में ही अपने चार साल के बेटे के साथ सो रहे थे। तभी अज्ञात अपराधियों ने दुकान में घुसकर उनके सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सुबह जब कुछ लोग बंटी को जगाने गए तो उन्होंने देखा कि बंटी का खून से लथपथ शव बिस्तर पर पड़ा है और उनका बेटा उनके पास ही सो रहा है। यह देखकर लोगों के होश उड़ गए। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। लोगों ने तुरंत इसकी सूचना बंटी के परिजनों और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुंगेर सदर अस्पताल भेज दिया। प्रथम दृष्टिकोण से पुरानी रंजिश को लेकर यह घटना को अंजाम दिया गया है। फिर भी एसएफएल की टीम आ गई है। जांच शुरू हो चुकी है। इस घटना की हर बिंदु पर जांच कर जल्द से जल्द अपराधी को पकड़ा जाएगा। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीण दहशत के कारण कुछ भी बताने से कतरा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

ईडी ने पीएचसी के संविदाकर्मी की 1.63 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की, एनआरएचएम फंड के दुरुपयोग मामला

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रांची शाखा ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत बड़ी कार्रवाई की है। आय से अधिक संपत्ति और राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) फंड के दुरुपयोग से जुड़े मामले में जांच एजेंसी ने प्रमोद कुमार सिंह और उनके परिवार की 1.63 करोड़ रुपये (लगभग) की अचल संपत्ति अस्थायी रूप से जब्त की है। एजेंसी के अनुसार प्रमोद कुमार सिंह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लॉक अकाउंट मैनेजर के पद पर संविदा के आधार पर कार्यरत थे।

शीर्ष 8 कंपनियों की पूंजी 1.53 लाख करोड़ बढ़ी; आईआईएचएल की देरी से समाधान योजना हुई धीमी

नई दिल्ली। बाजार में सूचीबद्ध शीर्ष आठ कंपनियों की पूंजी पिछले हफ्ते 1.53 लाख करोड़ बढ़ गई। इस दौरान बॉम्बे स्टॉक का सेंसेक्स 1,279 अंक बढ़कर सार्वकालिक उच्च स्तर 82,365 पर बंद हुआ। आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान सबसे ज्यादा 47,195 करोड़ रुपये एयरटेल की पूंजी बढ़ी। यह 9 लाख करोड़ के पार हो गई है। इन्फोसिस की पूंजी 33,611 करोड़ रुपये की तेजी के साथ 8.07 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

विदेशी निवेशकों ने 7,320 करोड़ रुपये के खरीदे शेयर

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने अगस्त में भारतीय बाजार में शुद्ध रूप से 7,320 करोड़ के शेयर खरीदे हैं। डेट बाजार में इन्होंने 17,960 करोड़ का निवेश किया है। जुलाई में इन्होंने 32,365 करोड़ और जून में 26,565 करोड़ के शेयर खरीदे थे। इन निवेशकों के पास बहुत सस्ते बाजारों में निवेश करने के अवसर हैं। इसलिए दूसरे बाजारों में भी पैसे लगा रहे हैं।

पिछले दो महीनों की तुलना में इन निवेशकों की दिलचस्पी कम होने का मूल कारण भारतीय बाजार में उच्च मूल्यांकन है। वित्त वर्ष 2025 की अनुमानित आय से 20 गुना अधिक पर निफ्टी कारोबार के साथ अब दुनिया का सबसे महंगा बाजार है।

आईआईएचएल की देरी से समाधान योजना हुई धीमी

कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल के कर्जदाताओं ने आरोप लगाया कि आईआईएचएल देरी कर रही है। इससे समाधान योजना को अपनाने में देरी हो रही है। हिंदुजा समूह की कंपनी ने जवाब में कहा कि वह उचित प्रक्रिया का पालन कर रही है।

मॉरीशस की इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) रिलायंस कैपिटल के अधिग्रहण के लिए एक सफल बोलीदाता के रूप में उभरी है। आईआईएचएल सूत्रों ने कहा, सभी आरोप गलत हैं।

विनिर्माण क्षेत्र में नए कारोबार और उत्पादन में मामूली वृद्धि, पीएमआई के आंकड़े जारी

नई दिल्ली भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि अगस्त में धीमी रही क्योंकि उत्पादन और बिक्री जनवरी के बाद से सबसे कम दर से बढ़ी। इस बीच प्रतिस्पर्धी दबाव और मुद्रास्फीति की चिंताओं ने कारोबारी विश्वास को बाधित किया। सोमवार को एक मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अगस्त में 57.5 पर रहा। यह आंकड़ा जुलाई के 58.1 की रीडिंग से कम है, लेकिन यह दीर्घकालिक औसत 54.0 के ऊपर रहा, जो परिचालन स्थितियों में पर्याप्त सुधार के संकेत देते हैं।

पीएमआई की भाषा में, 50 से ऊपर का प्रिंट विस्तार को दशार्ता है, जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दशार्ता है। एचएसबीसी के मुख्य भारतीय अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, "अगस्त में भारतीय विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार जारी रहा, हालांकि विस्तार की गति थोड़ी धीमी रही। नए ऑर्डर और आउटपुट ने भी हेडलाइन ट्रेंड को प्रतिबिंबित किया, कुछ पैनलिस्टों ने सुस्ती के कारण के रूप में भयंकर प्रतिस्पर्धा का हवाला दिया।"

सर्वेक्षण के अनुसार, वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही में नए व्यवसाय में तेजी से वृद्धि हुई, लेकिन विस्तार की गति सात महीने के निचले स्तर पर आ गई। इसी तरह, नए निर्यात ऑर्डर 2024 कैलेंडर वर्ष की शुरूआत के बाद से सबसे कम गति से बढ़े।

भंडारी के अनुसार कीमतों के मोर्चे पर, अगस्त के दौरान लागत दबाव में कमी से माल उत्पादकों को लाभ हुआ। भंडारी ने कहा, "सकारात्मक बात यह है कि इनपुट लागत में वृद्धि में तेजी से कमी आई। निमार्ताओं ने सुरक्षा स्टॉक बनाने के लिए अपने कच्चे माल की खरीद गतिविधि में वृद्धि की। इनपुट लागत के अनुरूप, आउटपुट मूल्य मुद्रास्फीति की गति में भी कमी आई, लेकिन यह कमी बहुत कम हद तक थी, जिससे निमार्ताओं के लिए मार्जिन में वृद्धि हुई।"

सर्वेक्षण में आगे कहा गया कि दूसरी वित्तीय तिमाही के मध्य में रोजगार सृजन में कमी आई क्योंकि कुछ फर्मों ने कर्मचारियों की संख्या में कटौती की। फिर भी, ऐतिहासिक डेटा के संदर्भ में रोजगार वृद्धि की समग्र दर ठोस रही। सर्वेक्षण के अनुसार, कारोबारी विश्वास में कमी आई है और पैनलिस्ट अप्रैल 2023 के बाद से अपने सबसे कम आशावादी स्तर पर हैं।

वैल्यू निवेश के लिए धैर्य रखने की जरूरत, पूरा लाभ मिलने के लिए समय लग सकता है

नई दिल्ली। वैल्यू निवेश के लिए धैर्य की जरूरत होती है, क्योंकि पूरा लाभ मिलने में समय लग सकता है। जब आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने 2004 में वैल्यू डिस्कवरी फंड लॉन्च किया, तो इस बात पर संदेह था कि क्या भारत जैसे बाजार में वैल्यू निवेश बढ़ सकता है। हालाँकि, उद्योग को यह विश्वास था कि वैल्यू निवेश, जो अमेरिका जैसी अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सफल साबित हुआ था, यहां भी अपनी जगह बनाएगा। वैल्यू निवेश दृष्टिकोण भारतीय बाजार में भी प्रभावी है। इस स्कीम ने धैर्यवान निवेशकों को लंबे समय में बेहतर मुनाफा दिया है। दो दशकों में वैल्यू डिस्कवरी फंड ने दिखाया है कि वैल्यू निवेश वास्तव में भारत जैसे विकासशील बाजार में काम कर सकता है। बाजार के खराब प्रदर्शन वाले चरण जैसे कि मई 2006 से फरवरी 2009 के बीच व फिर 2016 से 2018 तक दीर्घकालिक परिणाम वैल्यू निवेश की स्थायी ताकत को दिखाते हैं।

कृषि क्षेत्र के लिए करीब 14000 करोड़ रुपये की सात योजनाओं को कैबिनेट की मंजूरी, वैष्णव ने किया एलान

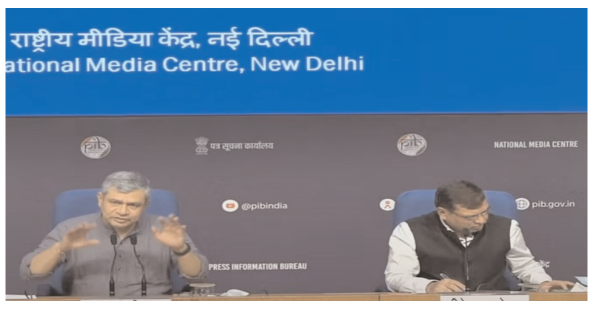

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सोमवार को कृषि क्षेत्र से संबंधित सात बड़ी योजनाओं को मंजूरी दी। इन योजनाओं पर सरकार करीब 14,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इन योजनाओं में 2,817 करोड़ रुपये का डिजिटल कृषि मिशन और फसल विज्ञान के लिए 3,979 करोड़ रुपये की योजना शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन फैसलों को कैबिनेट की ओर से हरी झंडी दिए जाने की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कृषि शिक्षा और प्रबंधन को मजबूत करने के लिए 2,291 करोड़ रुपये के कार्यक्रम को मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा कि पशुधन के स्थायी स्वास्थ्य और उनके उत्पादन के लिए 1,702 करोड़ रुपये की योजना को भी मंजूरी दी गई है।

इसके अलावे बागवानी के सतत विकास के लिए कैबिनेट ने 860 करोड़ रुपये की एक और बड़ी योजना हरी झंडी दिखाई है। इसके अलावा कृषि विज्ञान केंद्रों को मजबूत करने पर 1,202 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वहीं, प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन से जुड़ी योजना पर 1,115 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सभी सातों योजनाओं पर कुल 13,960 करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया है।

गुजरात में एक और सेमीकंडक्टर इकाई को मंजूरी...प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट की बैठक के दौरान गुजरात के साणंद में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। यह प्रस्ताव कायन्स सेमीकॉन प्राइवेट लिमिटेड की ओर से दी गई थी। प्रस्तावित इकाई 3,300 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित की जाएगी।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, इस इकाई की क्षमता प्रतिदिन 60 लाख चिप्स होगी। इस इकाई में उत्पादित चिप्स विभिन्न प्रकार क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करेंगे जिनमें औद्योगिक, ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रिक वाहन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार और मोबाइल फोन जैसे क्षेत्र शामिल हैं। भारत में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास के लिए एक कार्यक्रम को 21 दिसंबर, 2021 को 76,000 करोड़ रुपये की लागत के साथ अधिसूचित किया गया था। जून, 2023 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुजरात के साणंद में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। फरवरी, 2024 में, तीन और सेमीकंडक्टर इकाइयों को मंजूरी दी गई। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स गुजरात के धोलेरा में एक सेमीकंडक्टर फैब और असम के मोरीगांव में एक सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापित कर रही है।

सीजी पावर गुजरात के साणंद में एक सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापित कर रही है। सेमीकंडक्टर यूनिटों का निर्माण तेजी से चल रहा है और यूनिटों के पास एक मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम उभर रहा है। ये यूनिट्स लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश लाएंगे और इनकी संचयी क्षमता लगभग 7 करोड़ चिप्स प्रतिदिन होगी। टाटा समूह को उम्मीद है कि गुजरात और असम में दो प्लांटों में सेमीकंडक्टर चिप्स का व्यावसायिक उत्पादन 2026 में शुरू हो जाएगा। कोविड के दौरान चिप की कमी ने राष्ट्रीय सुरक्षा की कमी को पूरा करने और स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी विनिर्माण के महत्व को उजागर किया। गुजरात के साणंद में अमेरिकी चिप निमार्ता माइक्रोन का हाई-एंड सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट, जो भारत का पहला है, तेजी से बन रहा है। इसके 2024 के अंत में शुरू होने की उम्मीद है।

सोने में 250 रुपये कमजोर हुआ, चांदी 1700 रुपये फिसली

नई दिल्ली। आभूषण विक्रेताओं और फुटकर विक्रेताओं के बीच मांग घटने के कारण दिल्ली सराफा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 250 रुपये की गिरावट के साथ 74,100 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी।

इससे पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 74,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, सिक्का निमार्ताओं और औद्योगिक इकाइयों के कमजोर उठान के कारण चांदी की कीमत भी 1,700 रुपये लुढ़ककर 85,500 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया।

इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 250 रुपये की गिरावट के साथ 73,750 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। व्यापारियों ने सोने की कीमतों में गिरावट का कारण स्थानीय आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की कमजोर मांग को बताया। वैश्विक स्तर पर कॉमेक्स सोना 2,531.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। कोटक सिक्योरिटीज की एवीपी-जिंस शोध कायनात चैनवाला ने कहा, ह्यह्यकमजोर डॉलर और पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच सुरक्षित निवेश की मांग के कारण सोने की कीमतें 2,564 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गईं।

चैनवाला ने कहा कि इसके अलावा मजबूत उपभोक्ता खर्च, मुद्रास्फीति में कमी और अमेरिका में बेहतर जीडीपी वृद्धि ने फेडरल रिजर्व द्वारा अधिक आक्रामक ढील की उम्मीदों को कम कर दिया है। एशियाई कारोबारी घंटों में, चांदी की कीमतें 0.52 प्रतिशत गिरकर 28.99 डॉलर प्रति औंस रह गईं।

अदाणी पावर की याचिका पर हिमाचल सरकार को नोटिस, जलविद्युत परियोजनाओं से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अदाणी पावर लिमिटेड की ओर से दायर याचिका पर हिमाचल प्रदेश सरकार से जवाब मांगा है। याचिका में किन्नौर जिले में दो जलविद्युत परियोजनाओं के संबंध में राज्य सरकार से ब्याज सहित 280 करोड़ रुपये वापस करने की मांग की गई है। उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने 18 जुलाई को अदाणी पावर को 280 करोड़ रुपये की राशि लौटाने के एकल पीठ के फैसले को पलट दिया था। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने अदाणी पावर की ओर से उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार को नोटिस जारी किया।

अदाणी पावर ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है। उच्चतम न्यायालय में अदाणी पावर की ओर से दायर याचिका में कहा गया है, ह्ययहां यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण होगा कि हिमाचल सरकार की मंत्रिपरिषद ने चार सितम्बर, 2015 को निर्णय के तहत प्रतिदाय जारी करने का निर्णय लिया था। निस्संदेह, राज्य ने अपनी इच्छा से याचिकाकर्ता (अदाणी पावर) को उक्त धनराशि वापस करने का निर्णय लिया था।

इसमें कहा गया, हालांकि, याचिकाकर्ता बिना किसी कारण के और राज्य के जोखिम पर अर्थसंकट का सामना कर रहा है। इससे याचिकाकर्ता की वित्तीय क्षमता और निवेश प्रवाह पर बहुत बुरा असर पड़ा है। उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने 2022 में एकल पीठ के फैसले के खिलाफ हिमाचल प्रदेश सरकार की आरे से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया था। यह मामला दो जलविद्युत परियोजनाओं - जंगी थोपन और थोपन पोवारी- से संबंधित है, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 480 मेगावाट है।

कतर स्थित बैंक के साथ 61 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी कर केरल में बेनामी निवेश

नई दिल्ली। कतर स्थित एक बैंक के साथ धोखाधड़ी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल के एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की। आरोपी व्यक्ति पर 61 करोड़ रुपये की गड़बड़ी करने का आरोप है। जांच एजेंसी ने बयान जारी कर बताया कि 28 अगस्त को राज्य में तीन स्थानों पर आवासीय परिसरों में छापेमारी अभियान चलाया गया। ये परिसर इस्माइल चक्कारथ नामक व्यक्ति से संबंधित हैं।

जांच एजेंसी के अनुसार धनशोधन का यह मामला क्राइम ब्रांच और केरल पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू, कन्नूर और कसरागोड जिले) की ओर से दर्ज एफआईआर से सामने आया है। चक्कारथ कन्नूर के थुवाकुन्नू का रहने वाला है और दोहा में ग्रांट मार्ट ट्रेडिंग नामक फर्म का संचालन करता है। उक्त व्यक्ति पर कतर के दोहा स्थित यूनाईटेड बैंक लिमिटेड से धोखाधड़ी कर अर्जित आय को भारत भेजने का आरोप है।

ईडी ने बताया है कि आरोपी चक्कारथ अपने करोबार के विस्तार के लिए कतर गया था। उसने वहां यूनाईटेड बैंक लिमिटेड से 3,06,43,204 क्यूएआर (कतर की मुद्रा) लोन लिया। यह राशि भारतीय रुपये में करीब 61.28 करोड़ रुपये होती है। लोन लेने के बाद अरोपी ने न यह राशि बैंक को लौटाई और न ही इसका इस्तेमाल अपने कारोबार के विस्तार में किया। ईडी ने कहा, "लोन की राशि को भारत भेजकर बेनामी संपत्ति के रूप में वायनाड जिले में निवेश किया गया।

जांच एजेंसी के अनुसार, 2.02 करोड़ रुपये की राशि एक अचल संपत्ति की खरीद के लिए खर्च की गई, पर यह सौदा आखिरकार नहीं हो पाया। ईडी ने बताया कि चक्कारथ और उससे जुड़ी इकाइयों के खिलाफ छापेमारी के दौरान 3.50 लाख रुपये और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए। साथ ही, चक्कारथ के 10 बैंक खातों को भी फ्रीज किया गया।

मारुति, ह्यूंडई,और टाटा की बिक्री में गिरावट कंपनियों ने आपूर्ति में कटौती की

नई दिल्ली। गाड़ियों की बिक्री के लिहाज से अगस्त का महीना वाहन कंपनियों के लिए?अच्छा नहीं रहा है।?अग्रणी वाहन कंपनियों मारुति सुजुकी, ह्यूंडई और टाटा मोटर्स की थोक बिक्री में गिरावट आई है।?इन कंपनियों ने मांग में गिरावट के कारण वाहनों की आपूर्ति में कटौती की है और डीलर स्तर पर भंडार घटाया है। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की यात्री वाहनों की थोक घरेलू बिक्री अगस्त में आठ फीसदी घटकर 1,43,075 इकाई रह गई।?एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी ने 1,56,114 वाहन बेचे थे। प्रतिद्वंद्वी ह्यूंडई की घरेलू बिक्री भी आठ फीसदी गिरकर 49,525 इकाई रह गई। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की थोक बिक्री तीन फीसदी घटकर 44,142 इकाई रही।

किआ, ?टोयोटा और एमजी मोटर ने बेची अधिक गांड़ियां

किआ इंडिया की अगस्त में थोक बिक्री 17 फीसदी बढ़कर 22,523 इकाई पहुंच गई।?अगस्त, 2023 में कंपनी ने 19,219 गाड़ियां बेची थीं। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की कुल थोक बिक्री 35 फीसदी की वृद्धि के साथ 30,879 इकाई पहुंच गई।?इसमें घरेलू बिक्री व निर्यात दोनों का आंकड़ा शामिल है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की बिक्री 9 फीसदी बढ़कर 4,571 इकाई पहुंच गई।

दोपहिया वाहनों में तेजी

दोपहिया वाहन क्षेत्र में टीवीएस मोटर कंपनी की अगस्त में कुल बिक्री 13 फीसदी बढ़कर 3,91,588 इकाई हो गई। अगस्त, 2023 में कंपनी ने डीलरों को 3,45,848 इकाइयां भेजी थीं।

चीन से छाते, खिलौने जैसे आयात से छोटे कारोबारियों को घाटा, जीटीआरआई रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। चीन से छाते, खिलौने, कुछ कपड़े और संगीत वाद्ययंत्र जैसे सामानों के बढ़ते आयात से देश के छोटे और मझोले कारोबारियों को भारी नुकसान हो रहा है। इनमें से कई उत्पाद घरेलू बाजारों में भी बनते हैं। जीटीआरआई रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से जून 2024 के दौरान भारत ने केवल 8.5 अरब डॉलर का माल निर्यात किया। आयात 50.4 अरब डॉलर रहा। यानी 41.9 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने रविवार को जारी रिपोर्ट में कहा, कम निर्यात और ज्यादा आयात चीन को भारत का सबसे बड़ा व्यापार घाटे वाला भागीदार बनाता है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, भारत के औद्योगिक सामानों के आयात में चीन की हिस्सेदारी 29.8 फीसदी है। भारत को चीन से महत्वपूर्ण औद्योगिक उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम करने के लिए गहन विनिर्माण में निवेश करना चाहिए।

उन्होंने कहा, सस्ते चीनी सामान के कारण छोटे एवं मझोले उद्योग (एमएसएमई) के लिए प्रतिस्पर्धा करना कठिन हो गया है। इनको अस्तित्व के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। इस वजह से कुछ एमएसएमई को परिचालन बंद करना पड़ा या कम करना पड़ा। कम लागत वाले चीनी उत्पादों तक आसान पहुंच के कारण उन्हें आगे बढ़ना मुश्किल हो गया। ये चुनौतियाँ भारत में रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को प्रभावित करती हैं।

95.8 फीसदी छतरियां चीन से आ रहीं...चीन भारत की 95.8 फीसदी छतरियां और धूप छाते (3.1 करोड़ डॉलर) और 91.9 फीसदी कृत्रिम फूल की आपूर्ति करता है। इसके अतिरिक्त, कांच के बर्तन (52.1 करोड़ डॉलर, 59.7 फीसदी), हैंडबैग सहित चमड़े के सामान (12 करोड़ डॉलर, 54.3 फीसदी), और खिलौने (12 करोड़ डॉलर, 52.5 फीसदी) आपूर्ति कर रहा है। इससे घरेलू निमार्ता गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। इसके अलावा, भारतीय एमएसएमई फर्नीचर, बिस्तर और लैंप जैसे उद्योगों में भी चीन से प्रतिस्पर्धा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

अमेरिका सहित 151 देशों में पहली छमाही में कारोबार बढ़ा...अमेरिका, नीदरलैंड सहित 151 देशों में इस साल की पहली छमाही यानी जनवरी से जून के बीच भारत का कारोबार बढ़ गया है। दूसरी ओर, चीन और रुस समेत 75 देशों में व्यापार घाटे में कमी आई है। जीटीआरआई ने कहा, भारत को कच्चे तेल और कोयले के आयात से व्यापार घाटे के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के मुताबिक, जनवरी से जून 2024 के बीच 151 देशों को 55.8 फीसदी का निर्यात किया गया। आयात केवल 16.5 फीसदी था। सबसे अधिक ट्रेड सरप्लस अमेरिका (21 अरब डॉलर) और नीदरलैंड (11.6 अरब डॉलर) के साथ रहा। 75 देशों के साथ व्यापार घाटा था। इनको 44.2 फीसदी का निर्यात हुआ। आयात 83.5 फीसदी था। इसके चलते 185.4 अरब डॉलर का घाटा हुआ।

रविवार को जारी रिपोर्ट में कहा, भारत को विशेष रूप से चीन जैसे देशों से औद्योगिक वस्तुओं के आयात को कम करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, क्योंकि इससे भारत की आर्थिक संप्रभुता को खतरा हो सकता है। इस स्थिति से विशेष आयातों पर निर्भरता को कम करने और घरेलू उत्पादन को मजबूत करने की जरूरत है।

सोना-चांदी के आयात वाले देशों से रहें सावधान...जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, भारत जिन देशों से मुख्य रूप से सोना, चांदी और हीरा का आयात करता है, उन्हें लेकर भी सजग रहना चाहिए। बजट में इन पर शुल्क को 15 फीसदी से घटाकर छह फीसदी कर दिया गया है। ऐसे देश का सबसे ज्यादा आयात बिल कच्चे तेल में होता है। दूसरी ओर, भारत ने चीन के सामानों पर डंपिंग ड्यूटी का इस्तेमाल कर आयात को कम करने का प्रयास जरूर किया है, लेकिन उसके बाद सबसे ज्यादा देश का आयात भी चीन से ही होता है।

शेयर बाजार में मजबूती बरकरार, सेंसेक्स 194 अंक चढ़ा, निफ्टी 25250 के ऊपर

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के पहले करोबारी दिन हरे निशान पर क्लोजिंग हुई। लगातार 13वें सत्र के बाद निफ्टी हरे निशान पर बंद हुआ। लगातार चौथे दिन 50 शेयरों का बेंचमार्क इंडेक्स नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर आर्थिक सुस्ती के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में बढ़िया वृद्धि दर्ज की गई। इसका फायदा शेयर बाजार को मिला। सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान आईटी और वित्तीय सेवाओं से जुड़े शेयरों में अच्छी खरीदारी दिखी। 30 शेयरों का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 194 अंकों या 0.24% की बढ़त के साथ 82,560 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 43 अंक या 0.17% प्रतिशत मजबूत होकर पहली बार 25,278 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स-निफ्टी में किस शेयर का कैसा रहा प्रदर्शन...निफ्टी के शेयरों में बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, एचसीएलटेक, हीरो मोटोकॉर्प और एसबीआई लाइफ के शेयर टॉप गेनर्स रहे। इन शेयरों में 2% से 3.3% तक की बढ़त दिखी। दूसरी ओर, डॉ रेड्डीज लैब्स, टाटा मोटर्स, एनटीपीसी और ओएनजीसी के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, इंडसइंड बैंक, ईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक और इन्फोसिस सर्वाधिक बढ़त हासिल करने में सफल रहीं। दूसरी तरफ टाटा मोटर्स, एनटीपीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टुब्रो और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

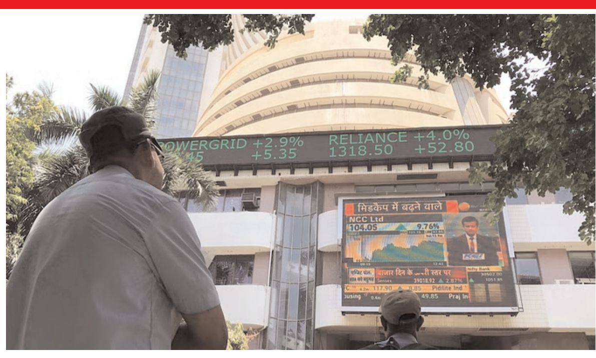

1996 में शुरूआत होने के बाद से निफ्टी में तेजी का सबसे लंबा दौर...निफ्टी में लगातार 13वें दिन की बढ़त पर विश्लेषकों ने कहा कि एनएसई निफ्टी की वर्ष 1996 में शुरूआत होने के बाद से यह तेजी का यह सबसे लंबा दौर है। रिकॉर्डतोड़ तेजी के इस दौर में सेंसेक्स कुल 2,135.16 अंक यानी 2.65 प्रतिशत चढ़ा है, जबकि निफ्टी ने करीब 1,140 अंक यानी 4.72 प्रतिशत की छलांग लगाई है। कारोबारियों ने कहा कि अमेरिका में नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ने और घरेलू स्तर पर विदेशी पूंजी के प्रवाह से शेयर बाजारों में तेजी का दौर देखा जा रहा है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, ह्यह्यनिफ्टी ने लगातार 13वें सत्र में अपनी बढ़त का सिलसिला जारी रखा जो पिछले कई दशक का सबसे लंबा दौर है।

स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में दिखी गिरावट...हालांकि, व्यापक बाजार में बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक में 0.47 प्रतिशत और मिडकैप में 0.03 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की सकारात्मक दायरे में बंद हुए जबकि चीन के शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग के हैंगसेंग में नुकसान रहा।यूरोप के अधिकांश बाजार नकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे।

बीते शुक्रवार को एफआईआई ने 5,318.14 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे...शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 5,318.14 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ह्यह्यगुणवत्तापूर्ण बड़ी कंपनियों के शेयरों की वजह से बाजार स्थिर लेकिन हल्की तेजी के दौर में पहुंचता दिख रहा है। पिछले सप्ताह कुछ बड़े थोक सौदों की वजह से एफआईआई के लिवाल बनने से भी बाजार की धारणा बेहतर हुई है ह्लह्ल वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.14 प्रतिशत बढ़कर 77.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 231.16 अंक चढ़कर 82,365.77 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुआ था। वहीं एनएसई निफ्टी 83.95 अंक की बढ़त के साथ 25,235.90 अंक के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है .

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संध्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुकाचार्य के कारण संध्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संध्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त की। शक्तियों के कारण संध्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संध्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संध्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शक्तिशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संध्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आएं। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें-

ऊँ शनैश्वराय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

तीन मिटटी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।

गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

पान के पांच पत्ते चंद्रमा को अर्पित करें।

बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लेँ। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ भू पुत्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

बुध के लिए

बुधवार को छः मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छः सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ बुधाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।

केले के पत्ते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ बृहस्पते नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।

बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

शुक्र के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लेँ। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ शुक्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।

गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आएं और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ सूर्याय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ राहवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ केतवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।

फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

कौन-से देवता होते हैं भादो मास में प्रसन्न

भाद्रपद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार वर्ष का छठा महीना और चतुर्मास का दूसरा महीना है। इसे भादो भी कहते हैं। आओ जानते हैं कि इस पवित्र माह में कौनसे 10 देवताओं की पूजा करने से वे होते हैं प्रसन्न।

श्रीकृष्ण : इसी माह में कृण जन्मोत्सव मनाया जाता है, क्योंकि उनका जनन्म भाद्रपद की अष्टमी को हुआ था। डोल ग्यारस तक उनके जन्मोत्सव की धूम रहती है। इस माह में उनकी पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलरामजी की जयंती भी रहती है।

माता पार्वती : इस माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरितालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। व्रत रखकर माता दुर्गा, पार्वती और शिवजी की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।

गणेश जी : भाद्रपद की शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव मनाया जाता है। भगवान गणेश की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।

विश्वकर्मा जी : भाद्रपद की परिवर्तनी एकादशी के दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।

भगवान विष्णु : भाद्रपद की चतुर्दशी को भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा होती है। इसी पूजा से अनंत भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा भाद्रपद की अजा और परिवर्तनी एकादशी के दिन भी भगवान विष्णु की पूजा होती है।

श्रीराधा जी : भाद्रपद की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को श्री कृष्ण का जन्म और शुक्ल अष्टमी को राधाजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। राधा अष्टमी के दिन राधाजी की श्री कृष्ण के साथ पूजा करने से वे प्रसन्न होती हैं।

पितृदेव : भाद्रपद माह की पूर्णिमा से ही श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो जाता है। इस माह में पितृदेव या पितरों के देव अर्यमा को प्रसन्न किया जाता है। ऋषियों की पूजा के साथ पितृदेव की पूजा करें।

शिव जी : चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद विष्णुजी पाताल लोग में योगनिद्रा में चले जाते हैं तब चार माह के लिए शिवजी अपने रुद्र रूप में सृष्टि का संचालन करते हैं अतः इस माह में शिवजी के रुद्र रूप की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन उनकी पूजा करने चाहिए।

सूर्यदेव : इस माह में सूर्यदेव की पूजा भी की जाती है। उन्हें अर्घ्य देने से वे प्रसन्न होते हैं।

हनुमान जी : भाद्रपद के अंतिम मंगलवार को बुढ़वा मंगलवार मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन रावण ने उनकी पूंछ में आग लगा दी थी। जिसके चलते लंका दहन हो गया था।

श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोदंड, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था सारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।

भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा।

शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।

कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।

कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1.गांडीव, 2. पिनाक और 3.सारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।

यह भी कहा जाता है कि वत्तासुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए दधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने- 1.गांडीव, 2.पिनाक और 3.सारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वत्तासुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।

एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्व के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्व ने कृष्ण के बाएं हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्व के सिर को धड़ से अलग कर दिया।

कहते है कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गांडिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के नास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवरात को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।

शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।

हताशा से घिर जाएं तो यह उपाय अपनाएं

हमारे आसपास अगर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है तो यह जीवन में हताशा लाता है। इसके लिए वास्तु दोष भी कारण हो सकते हैं। अगर मन में नकारात्मक विचारों का प्रवाह बढ़ रहा है तो वास्तु में बताए गए आसान से उपायों को अपना सकते हैं। यह उपाय जीवन जीने की प्रेरणा देंगे और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाएंगे। हताशा अगर घेरने लगे तो शिव स्तुति, महामृत्युंजय मंत्र, शिवकवच, देवीकवच का पाठ करें। नियमित रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पांच अन्न गेहूं, ज्वार, चावल, मूंग, जवा और बाजरा का दान करें। पक्षियों को अन्न खिलाएं। नमक के जल से स्नान करें। घर में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक हैं। घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छे से साफ करें। अगरबत्ती या धूप जलाएं। गायत्री मंत्र का उच्चारण करें। घर में हवन या पूजा कराएं। घर को व्यवस्थित रखें। पुराने पर्दे या चादरें बदल दें। घर के जिस हिस्से में नकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता हो वहां जोर-जोर से ताली बजाएं। तुलसी के पौधे को घर में जरूर लगाएं। शनिवार के दिन वस्त्र और भोजन बांटें। घर में सदैव शांति बनाए रखने का प्रयास करें। यह भी माना जाता है कि किसी दूसरी जगह जाने से हताशा और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल जाता है।

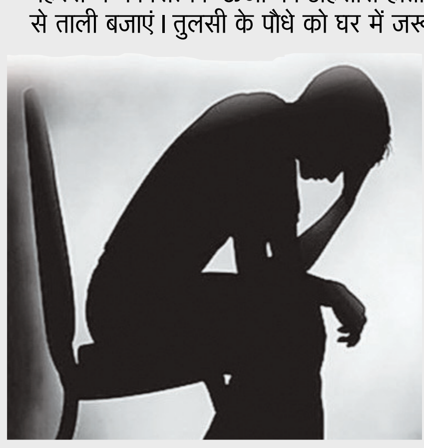

घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में। घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें। हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नहीं छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें। घर की छत पर लाल रंग की पताका लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें। घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसो के तेल का दीपक भी जलाएं। दक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोएं। पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।

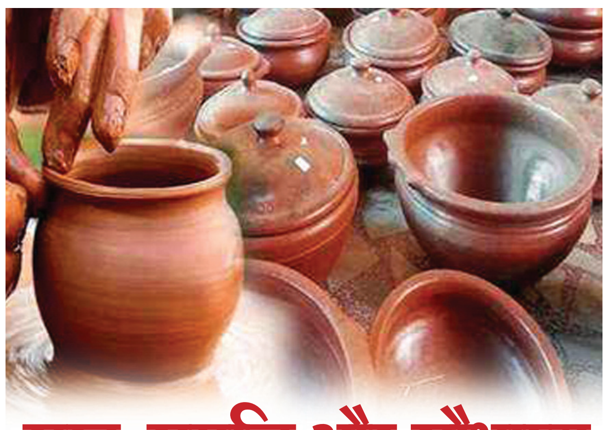

सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

आखिर गीता में क्या खास है?

कलियुग के प्र

अलावा सं

श्रीकृष्ण ने

श्लोक क

तब मार्गशी

रविवार था

दिया था।

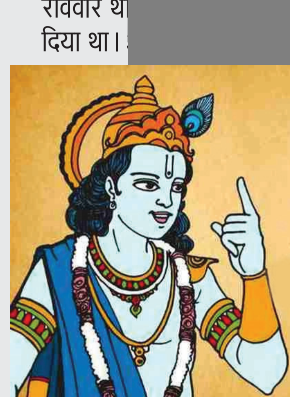

रहस्य खु

लिखा जा

का रिपिटे

अध्याय में

- गीता में सृ

मानव उत्

उपासना,

आकाश,

प्रारब्ध, जी

की संकल्

है। गीता

जानना या

- श्रीमद्भगवद्

में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है।

हसन महमूद और नाहिद राणा ने पाकिस्तान 172 पर समेटा

रावलपिंडी, एजेंसी। हसन महमूद (पांच विकेट) और नाहिद राणा (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर बंगलादेश ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन पाकिस्तान को दूसरी पारी में 172 के स्कोर पर ढ़ेर कर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। बंगलादेश को जीत के लिये 184 रन बनाने है।

आज पाकिस्तान ने कल के 12 रन पर दो विकेट के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। सईम अयूब और शान मसूद ने संभल कर खेलते हुए अभी पारी के स्कोर को 47 तक ले गये थे कि तसकीन अहमद ने सईम अयूब (20) को आउट कर पाकिस्तान को तीसरा झटका दिया। 17वें ओवर में नाहिद राणा ने शान मसूद(28) को पवेलियन भेज दिया। बाबर आजम (11), सऊद शकील (एक) रन बनाकर आउट हुये। एक समय पाकिस्तान ने 81 के स्कोर पर अपने छह विकेट गवां दिये थे। ऐसे समय में मोहम्मद रिजवान (43) और आगा सलमान नाबाद (47) ने पारी को फिर संभाला। हसन महमूद ने 37वें ओवर में मोहम्मद रिजवान को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद के चार

बल्लेबाज तू चल मैं आया की तर्ज पर एक के एक पवेलियन लौट गये। पाकिस्तान की दूसरी पारी 46.4 ओवर में 172 के स्कोर पर सिमट गई।

बंगलादेश की ओर से हसन महमूद ने पांच विकेट विकेट लिये और नाहिद राणा को चार विकेट मिले। तसकीन अहमद ने एक बल्लेबाज को आउट किया। बंगलादेश ने लंच टाईम तक छह ओवर में बिना कोई विकेट खोए 37 रन बना लिये है और अभी उसे जीत के लिए 148 रनों की जरूरत है।

इससे पहले रविवार को लिटन कुमार दास (138) शतकीय और मेहदी हसन मिराज की (78) रनों अर्द्धशतकीय पारियों के दम पर बंगलादेश ने रविवार को दूसरे टेस्ट मैच में पहली पारी के आधार 12 रन से पिछड़ने के बाद हसन महमूद की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान पर दबाव बनाया था।

टेस्ट मैच के तीसरे दिन पाकिस्तान के गेंदबाज खुर्रम शहजाद की घातक गेंदबाजी (90 रन पर छह विकेट) के बदौलत बंगलादेश टीम के सात खिलाड़ी दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाए। मात्र चार खिलाड़ी दहाई संख्या के स्कोर में पहुंचे जिसमें शतकवीर लिटन दास के अलावा मेहदी हसन मिराज ने (78) एवं हसन महमूद नाबाद (13) और शादमन इस्लाम 10 रन शामिल है। बंगलादेश को 11 अतिरिक्त रन मिले है। बंगलादेश की पारी 78.4 ओवर में 162 के स्कोर पर सिमट गई।

पाकिस्तान की ओर से खुर्रम शहजाद ने छह विकेट तथा मीर हमजा एवं आगा सलमान ने दो दो विकेट लिए।

पाकिस्तान की 12 रनों की छोटी बढ़त के बाद दूसरी पारी में उसकी शुरूआत अच्छी नहीं हुई और 3.4 ओवर में मात्र नौ रन पर दो विकेट गवां दिए। खेल समाप्ति के समय सईम अयूब छह पर नाबाद रहे।

सलामी बल्लेबाज अब्दुल्लाह शफीक को हसन महमूद ने लिटन दास के हाथों के सात रन के स्कोर पर कैच आउट कराकर बंगलादेश को पहली सफलता दिलाई। दो रन बाद ही महमूद ने खुर्रम शहजाद को बोल्ड कर पाकिस्तान को दूसरा झटका देकर संकट में डाल दिया। पाकिस्तान ने पहली पारी में 274 का स्कोर बनाया था।

कीर्ति आजाद की पत्नी पूनम का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर एवं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद कीर्ति आजाद की पत्नी पूनम आजाद का सोमवार को निधन हो गया। वह पिछले कई वर्षों से गंभीर रुप से बीमार थी।

श्री आजाद ने यह जानकारी आज सोशल मीडिया मंच "एक्स" पर दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा मेरी पत्नी पूनम अब नहीं रही। आज दोपहर 12:40 बजे उनका निधन हो गया। आप सभी को संवेदना देने के लिए धन्यवाद। दामोदर घाटी श्मशान घाट पर शाम चार बजे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। उन्हें दुगार्पुर में यह जगह बहुत पसंद थी।

श्रीमती आजाद ने लोकसभा चुनाव में पति के साथ कई बार व्हीलचेयर पर बैठकर प्रचार अभियान में भाग लिया था। हाल ही में उन्हें कई बार अपने श्री आजाद के साथ कार्यक्रम में भी देखा गया था।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री

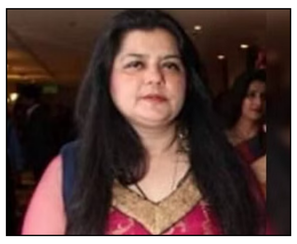

ममता बनर्जी ने कीर्ति आजाद की पत्नी के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने एक्स पर शोक संदेश में लिखा, यह जानकर दुख हुआ कि हमारे सांसद और क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे क्रिकेटर कीर्ति आजाद की पत्नी पूनम झा आजाद ने अंतिम सांस ली है। मैं पूनम को लंबे समय से जानती थी। मुझे यह भी पता था कि वह पिछले कुछ सालों से गंभीर रूप से बीमार थीं। कीर्ति और परिवार के अन्य सदस्यों ने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की और उनकी अंतिम सांस तक उनके साथ रहे। कीर्ति और परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति मेरी संवेदना। उनकी आत्मा को शांति मिले।

राकेश पैरालंपिक में लगातार शिनलियांग से हारे, कांस्य पदक के लिए भिड़ेंगे

पेरिस, एजेंसी। भारतीय तीरंदाज राकेश कुमार रविवार को यहां पैरालंपिक के कंपाउंड पुरुष ओपन तीरंदाजी सेमीफाइनल में चीन के प्रतिद्वंद्वी एन शिनलियांग के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने में विफल रहे और दो अंक से हार गए। दुनिया के नंबर एक तीरंदाज राकेश अब कांस्य पदक के लिए खेलेंगे।

शिनलियांग ने सेमीफाइनल में राकेश को 145-143 से शिकस्त दी। यह चीन के खिलाड़ी की भारतीय खिलाड़ी पर लगातार तीसरी जीत है। राकेश का अभियान तोक्यो पैरालंपिक में शिनलियांग से क्वार्टर में इसी समान स्कोर से हार से समाप्त हुआ था। इससे पहले राकेश ने अपनी विश्व नंबर एक रैंकिंग को सही साबित करते हुए लगातार शूट-ऑफ जीतते हुए पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

तोक्यो पैरालंपिक में क्वार्टर फाइनल में बाहर होने वाले 39

वर्षीय भारतीय अनुभवी तीरंदाज ने पहले इंडोनेशिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी केन स्वगुमिलांग को 144-144 (10-8) से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

खेल मनोवैज्ञानिक और आहार विशेषज्ञ राकेश ने असाधारण संयम का परिचय देते हुए दो घंटे के भीतर एक और रोमांचक शूट-ऑफ कनाडा के काइल ट्रेम्बले को एकदम सटीक निशाना लगाकर 144-144 (10*-10) से हराया।

राकेश की शुरूआत धीमी रही। वह नौ तीरों के बाद दो अंकों से पीछे चल रहे थे। पर उन्होंने धैर्य बनाए रखते हुए चौथी सीरीज में तीन परफेक्ट 10 लगाए जिससे उन्हें 116-115 की मामूली बढ़त हासिल हुई।

पर रोमांच तब पैदा हुआ जब राकेश एक अंक से पिछड़ गए। कनाडाई तीरंदाज ने दो 10 अंक के शॉट लगाए और उनका अंतिम तीर केंद्र के करीब लगा।

स्कोर 144-144 से बराबर था। राकेश इसी स्कोरलाइन के बाद शूट-ऑफ से क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे।

इससे पहले राकेश ने अपने अंतिम तीर की गलती से वापसी करते हुए इंडोनेशिया के केन को शूटऑफ में हराकर लगातार दूसरी दफा पैरालंपिक खेलों के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

दुनिया के शीर्ष दो तीरंदाजों के बीच मुकाबले में राकेश ने एक अंक की मामूली बढ़त बनाए रखी और उन्हें जीतने के लिए नौ अंक के शॉट की जरूरत थी। लेकिन वह आठ अंक की रिंग में शॉट लगा बैठे। इससे दोनों तीरंदाज 15 तीर के बाद 144-144 से बराबरी पर पहुंच गये।

तोक्यो पैरालंपिक में क्वार्टर फाइनल से बाहर होने वाले 39 वर्षीय अनुभवी राकेश ने इसके बाद हुए शूट-ऑफ में परफेक्ट 10 शॉट लगाने के लिए संयम बनाए रखा जबकि केन आठ अंक का शॉट ही लगा सके।

गत चैंपियन कोको गॉफ अमेरिकी ओपन से बाहर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। गत चैंपियन कोको गॉफ का अमेरिकी ओपन टेनिस टूनार्मेंट के महिला एकल में अपने खिताब का बचाव करने का अभियान चौथे दौर में ही थम गया।

तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने 19 डबल फॉल्ट किए जिसका आखिर में उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा और वह एम्मा नवारो से 6-3, 4-6, 6-3 से हार गईं।

गॉफ का पिछली कुछ प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। वह पेरिस ओलंपिक के तीसरे दौर में हार गई थी जबकि अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में खेले गए टूनार्मेंट में भी वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। उन्होंने हालांकि इसे सकारात्मक रूप में लिया।

गॉफ ने कहा, ह्यह्यभले ही कुछ परिणाम अनुकूल नहीं रहे लेकिन मैंने इस सत्र में अच्छा

प्रदर्शन किया। कितने ही खिलाड़ी हैं जो चौथे दौर में पहुंचाना चाहते हैं और ओलंपिक का हिस्सा बनना चाहते हैं। कई खिलाड़ी हैं जो ध्वजवाहक बनना चाहते हैं। यह इस परिप्रेक्ष्य में है।

यह परिणाम शुक्रवार को मौजूदा पुरुष चैंपियन नोवाक जोकोविच की तीसरे दौर में हार के बाद आया है। इसका मतलब है कि अमेरिकी ओपन में अपने खिताब का बचाव करने में असफल रहने का पिछले कुछ वर्षों से चला आ रहा सिलसिला जारी रहेगा।

महिला एकल में ऐसा करने वाली आखिरी खिलाड़ी सेरेना विलियम्स थी जिन्होंने 2012 से 2014 तक खिताब जीते थे। पुरुष वर्ग में ऐसा कारनामा रोजर फेडरर ने 2004 से 2008 तक किया था।जोकोविच को हराने वाले 28 वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन का सफर भी लंबा नहीं चल पाया और वह फ्रांसिस टियाफो से 6-4, 7-6 (3), 2-6, 6-3 से हारकर बाहर हो गए।

बोपन्ना–एबडेन की पुरुष युगल जोड़ी अमेरिकी ओपन से बाहर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन की तीसरे दौर में हार के साथ ही भारत की अमेरिकी ओपन टेनिस टूनार्मेंट के पुरुष युगल में चुनौती समाप्त हो गई।

बोपन्ना और एबडेन की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी रविवार की रात को खेले गए मैच में मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोल्टेनी की अर्जेंटीना की 16वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से 66 मिनट में 1-6, 5-7 से हार गई।

बोपन्ना और एबडेन ने इस साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पुरुष युगल का खिताब जीता था।

44 वर्षीय बोपन्ना पहले ही डेविस कप से संन्यास लेने की घोषणा कर चुके हैं और यह देखना दिलचस्प होगा कि वह जनवरी 2025 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपने खिताब का बचाव करने के लिए कोर्ट पर उतरेंगे या नहीं। सुमित नागल शुरूआती दौर में हार के साथ पुरुष एकल से बाहर हो गए थे, जबकि युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी इससे पहले टूनार्मेंट के विभिन्न चरणों में पुरुष युगल में हार गए थे।

बोपन्ना की मिश्रित युगल में चुनौती अभी बरकरार है जहां उन्होंने इंडोनेशिया की अल्दिला सुत्जियादी के साथ जोड़ी बनाई है।

सुहास और नितेश पेरिस पैरालंपिक बैडमिंटन के फाइनल में

पेरिस, एजेंसी। सुहास यथिराज और नितेश कुमार रविवार को यहां पेरिस पैरालंपिक में अपने अपने वर्ग में पुरुष एकल फाइनल में पहुंचकर अपने पहले स्वर्ण पदक के करीब पहुंच गए।

तोक्यो चरण के रजत पदक विजेता सुहास हमवतन सुकांत कदम को सीधे गेम में हराकर पुरुष एकल बैडमिंटन एसएल4 फाइनल में पहुंचे और वह पैरालंपिक में लगातार दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय शटलर बनने के लिए तैयार हैं।

शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय नितेश ने सेमीफाइनल में जापान के डाइसुके फुजिहारा पर सीधे गेम में शानदार जीत से पुरुष एकल एसएल3 वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर पदक सुनिश्चित कर दिया।

नितेश (29 वर्ष) ने 48 मिनट तक चले सेमीफाइनल में फुजिहारा पर 21-16 21-12 से जीत के साथ अपना दबदबा दिखाया। 2009 में हुई एक दुर्घटना में उनका पैर स्थायी रूप से विकलांग हो गया था।

2007 बैच के आईएएस अधिकारी 41 वर्षीय सुहास ने सुकांत को 21-17, 21-12 से हराकर एक बार फिर पैरालंपिक के फाइनल में जगह बनाई।

सुहास ने कहा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मैं लगातार पैरालंपिक के फाइनल में पहुंचा। भगवान का शुक्र है। मैंने अपना

सर्वश्रेष्ठ दिया और दबाव में नहीं आया। सुकांत अब कांस्य पदक के लिए खेलेंगे।

आईआईटी मंडी के स्नातक नितेश ने इस तरह सुनिश्चित किया कि भारत एसएल3 वर्ग से पदक के साथ लौटे। प्रमोद भगत ने तीन साल पहले तोक्यो में पैरा बैडमिंटन में स्वर्ण पदक जीता था।

एसएल3 वर्ग के खिलाड़ी निचले अंगों की विकलांगता के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं।

नितेश का सामना सोमवार को फाइनल में ब्रिटेन के डेनियल बेथेल से होगा जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में थाईलैंड के बन्सन मोंगखोन को 21-7, 21-9 से हराया।

तोक्यो पैरालंपिक में प्रमोद भगत के बाद दूसरे स्थान पर रहे बेथेल अब नितेश के लिए एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी हैं।

नितेश की खेल यात्रा की शुरूआत बचपन में फुटबॉल के प्रति जुनून के साथ शुरू हुई। उन्हें हालांकि विशाखापत्तनम में एक दुर्घटना के कारण महीनों तक बिस्तर पर रहना पड़ा। इस दुर्घटना में उनका पैर स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बावजूद, खेलों में उनकी रुचि बनी रही। आईआईटी-मंडी में पढ़ाई के दौरान उन्होंने बैडमिंटन में गहरी रुचि विकसित की।

कोविड-19 महामारी के दौरान गौतम बुद्ध नगर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में काम करने वाले सुहास प्रयागराज के डीएम भी थे।

फाइनल में अब उनका सामना फ्रांस के लुकास माजुर से होगा जो तीन साल पहले तोक्यो पैरालंपिक के फाइनल में उनसे हारने के बाद बदला चुकता करना चाहेंगे।

कंप्यूटर इंजीनियर से आईएएस अधिकारी बने सुहास ने अपने टखने की कमजोरी को बैडमिंटन के प्रति अपने जुनून में कभी बाधा नहीं बनने दिया।

वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार के तहत युवा कल्याण और प्रांतीय रक्षक दल के सचिव और महानिदेशक के रूप में तैनात सुहास का प्रशासन से बैडमिंटन कोर्ट तक का सफर उनकी उल्लेखनीय दृढ़ता के बारे में है।

नित्या सिवन सुमति महिला एसएच6 श्रेणी के क्वार्टर फाइनल में पोलैंड की ओलिविया स्जमीगील को 21-4, 21-7 से हराया। सेमीफाइनल में उनके सामने चीन के लिन शुआंगबाओ की चुनौती होगी। चीन की इस खिलाड़ी ने ग्रुप चरण के करीबी मुकाबले में नित्या को शिकस्त दी थी।

इससे पहले मनीषा रामदास ने एसयू5 वर्ग में महिलाओं के एकल सेमीफाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना हमवतन तुलसीमति मुरुगेसन से होगा जिससे भारत का इस स्पर्धा में पदक पक्का हो गया।

मनीषा के दाहिने हाथ में जन्म से ही विकार था। इस 19 वर्षीय खिलाड़ी को क्वार्टर फाइनल में जापान की मामिको टोयोडा को 21- 13 21-16 से हराने में कोई परेशानी नहीं हुई।

दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने अपनी गैरवरीय प्रतिद्वंद्वी को केवल 30 मिनट में बाहर का रास्ता दिखाया।

अंतिम चार में मनीषा का मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त तुलसीमति से होगा, जिन्होंने शनिवार को ग्रुप ए में पुर्तगाल की बीट्रिज मोंटेइरो को हराया था।

एसएल4 वर्ग में पुरुष एकल सेमीफाइनल में दो भारतीय खिलाड़ी सुहास यतिराज और सुकांत कदम आमने-सामने होंगे। इस तरह से इन दोनों ने बैडमिंटन में भारत का पहला पदक पक्का किया था।

इससे पहले मनदीप कौर और पलक कोहली क्वार्टर फाइनल से आगे बढ़ने में नाकाम रही।

एसएल3 वर्ग में खेल रही मनदीप नाइजीरिया की तीसरी वरीयता प्राप्त बोलाजी मरियम एनियोला के सामने किसी तरह की चुनौती पेश नहीं कर पाई और 23 मिनट में 8-21, 9-21 से मुकाबला हार गई।

मनदीप की एनियोला के खिलाफ यह लगातार दूसरी हार है। इससे पहले वह ग्रुप चरण में भी नाइजीरियाई खिलाड़ी से हार गई थी।

एसएल4 वर्ग में पैरा विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता पलक इंडोनेशिया की खलीमातुस सादियाह से 28 मिनट में 19-21, 15-21 से हार गईं।

एक नजर

बैडमिंटन खिलाड़ी थुलासिमथी मुरुगेसन पैरालंपिक खेलों के फाइनल में

पेरिस, एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी थुलासिमथी मुरुगेसन ने हमवतन मनीषा रामदास को हराकर पैरालंपिक खेलों में महिला एकल एसयू5 वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। तमिलनाडु की रहने वाली शीर्ष वरीयता प्राप्त मुरुगेसन ने रविवार रात खेले गए सेमीफाइनल में मनीषा को 23-21, 21-17 से हराया। मुरुगेसन ने मैच के बाद कहा, यह सपना सच होने जैसा है। मैं खुश हूं लेकिन मुझे फाइनल के लिए तैयारी करनी होगी। मैंने इस मैच के लिए मानसिक रूप से तैयारी की है। मेरे और मनीषा के बीच हमेशा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होती है। एसयू5 श्रेणी में उन खिलाड़ियों को रखा जाता है जिनके ऊपर के अंगों में विकलांगता है। मनीषा के बाएं हाथ में जन्मजात विकार था। मुरुगेसन ने कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया है। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी को फाइनल में चीन की यांग क्यूक्सिया की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

स्कॉटलैंड ने महिला टी-20 विश्वकप के लिए टीम घोषित की

एडिनबर्ग, एजेंसी। स्कॉटलैंड ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अक्टूबर में होने वाले महिला टी-20 विश्वकप 2024 के लिए टीम की घोषणा कर दी। स्कॉटलैंड ने स्टार ऑलराउंडर कैथरीन ब्रायस कप्तान और उनकी बहन विकेटकीपर-बल्लेबाज सारा ब्रायस को उप-कप्तान बनाया गया है। इसके अलावा हाल ही में नीदरलैंड्स त्रिकोणीय सीरीज में टीम को जीत दिलाने वाली अनुभवी लेग स्पिनर अबताहा मकसूद को भी टीम जगह दी गई हैं। महिला टी-20 विश्वकप के लिए घोषित की गई स्कॉटलैंड की टीम इस प्रकार हैः कैथरीन ब्राइस (कप्तान), सारा ब्राइस (उपकप्तान), लोर्ना जैक-ब्राउन, एब्बी एटकेन-ड्रमंड, अब्ताहा मकसूद, सास्किया होर्ले, क्लो एबेल, प्रियानाज चटर्जी, मेगन मैककॉल, डार्सी कार्टर, ऐल्सा लिस्टर, हन्ना रेनी, राचेल स्लेटर, कैथरीन फ्रेजर और ओलिविया बेल। स्कॉटलैंड, पड़ोसी देशों इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के साथ प्रतियोगिता के ग्रुप बी में है।

निहाल और आमिर मिश्रित निशानेबाजी स्पर्धा से बाहर

पेरिस, एजेंसी। भारतीय निशानेबाज निहाल सिंह और आमिर अहमद भट सोमवार को पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों की निशानेबाजी स्पर्धा में पी3 मिश्रित 25 मीटर पिस्टल एसएच1 क्वालिफिकेशन स्पर्धा बाहर हो गए।

आज खेले गए मुकाबलों में निहाल सिंह और आमिर अहमद भट 10वें एवं 11वें स्थान पर रहे एवं स्पर्धा से बाहर हो गए। निहाल सिंह 569 अंकों के साथ 10वें स्थान पर रहे जबकि आमिर 568 अंकों के साथ 11वें स्थान पर रहे।

तुलसीमथी स्वर्ण पदक, मनीषा और नित्या कांस्य के लिए खेलेंगी

पेरिस, एजेंसी। भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी तुलसीमथी मुरुगेसन ने पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों में हमवनत मनीषा रामदास को 2-0 से हराकर महिला एकल एसयू 5 के फाइनल में जगह बना ली हैं। वहीं नित्या श्री को चीन की लिन शुआंगबाओ से हार के बाद कांस्य पदक के लिए इंडोनेशियाई खिलाड़ी से भिड़ेगी। रविवार रात खेले गये मुकाबले में तुलसीमथी मुरुगेसन ने मनीषा रामदास को 23-21, 21-17 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। तुलसीमथी का फाइनल में मुकाबला चीन की किउ शिया यांग से होगा। वहीं मनीषा का डेनमार्क की कैथरीन रोसेनग्रेन से भिड़ेंगी। एक अन्य मुकाबले में नित्या श्री को सेमीफाइनल में चीन की लिन शुआंगबाओ के खिलाफ 13-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। नित्या आज रात 8.20 बजे इंडोनेशिया की लीना मार्लिना के साथ कांस्य पदक मैच खेलेंगी। वही मिश्रित युगल एसएस6 के कांस्य पदक मैच मैच में नित्या श्री और शिवराजन सोलामलाई की भारतीय जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा। नित्या श्री और शिवराजन सोलामलाई को इंडोनेशिया के सुभान और मार्लिना ने 2-0 से हराया। भारतीय जोड़ी ने मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया लेकिन अंततः 17-21 और 12-21 से हार गए।

सुयश पैरालंपिक खेलों में भाग लेने के लिए पेरिस रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तैराक सुयश जाधव सोमवार को पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों में भाग लेने के लिए रवाना हो गए।

एथलीट सुयश जाधव आज यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से पेरिस के लिए रवाना हुए। वह पेरिस में चल रहे पैरालंपिक खेलों में पुरुषों की 50 मीटर बटरफ्लाई एस7 स्पर्धा में भाग लेंगे।

पुणेरी पल्टन ने जयपुर पैट्रियट्स को 9-6 से हराया

चेन्नई, एजेंसी। पुनेरी पल्टन टेबल टेनिस ने रविवार को इंडियनऑयल यूटीटी 2024 के रोमांचक मुकाबले में जयपुर पैट्रियट्स को 9-6 से हराकर नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीद बनाये रखी।

जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में पुनेरी पल्टन इस मुकाबले से पहले आठ टीमों की तालिका में सबसे नीचे थी और जयपुर स्थित फ्रैंचाइजी पर जीत ने उन्हें 28 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंचा दिया। लीग चरण के अंत में शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करेंगी। जयपुर पैट्रियट्स ने 25 अंकों के साथ एक पायदान की छलांग लगाकर पांचवां स्थान हासिल किया। दोनों टीमें लगभग अंत तक बराबरी की रहीं।अंकुर भट्टाचार्जी ने पहले पुरुष एकल में रोनित भांजा को 2-1 (10-11, 11-10, 11-8) से हराकर पुणेरी पल्टन बढ़त दिलायर। सुथासिनी सवेत्ताबट ने हालांकि जयपुर पैट्रियट्स को अयहिका मुखर्जी पर 2-1 (8-11, 11-10, 11-7) के फैसले के साथ बराबरी पर ला दिया। पुणेरी पल्टन टेबल टेनिस ने तुरंत ही उस समय बढ़त हासिल कर ली, जब नतालिया बाजोर और अनिरबन घोष ने मिश्रित युगल मुकाबले में नित्याश्री मणि और चो सेउंगमिन को 2-1 (11-10, 7-11,11-9) से हराया। पुनेरी पल्टन टेबल टेनिस ने आखिरकार जयपुर पैट्रियट्स के साथ अपने बीच कुछ अंतर बनाए रखा, जब जोआओ मोंटेइरो ने खतरनाक चो सेउंगमिन को 2-1 (8-11,11-10,11-7) से हराकर पुणे स्थित फ्रैंचाइज के लिए अपनी पहली जीत दर्ज की।

साई शक्ति ने जीत के साथ खोला खाता

नई दिल्ली, एजेंसी। पहली हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष और महिला इंटर-जोन चैंपियनशिप 2024 के पहले दिन रविवार को लखनऊ में पुरुष वर्ग में साई शक्ति ने उत्तर क्षेत्र को आसानी से शिकस्त दी वहीं रांची में महिला वर्ग के मैचों में साई शक्ति, साई बाल और वेस्ट जोन ने जीत हासिल की। महिला वर्ग के पहले मैच में साई शक्ति ने नॉर्थ जोन पर 4-1 से जीत हासिल की। साई शक्ति ने रवीना (22'), सेजल (37'), रूथी लल्लावमजुअली (40'), और कौर सुखवीर (50') के गोल की मदद से आरामदायक बढ़त बना ली जबकि उत्तरी क्षेत्र की कप्तान रितिका (53') अंतिम क्वार्टर में सांत्वना गोल करने में सफल रहीं।

अगर हम वास्तविक समानता हासिल कर लें तो हर दिन एक उत्सव होगा

महिला समानता दिवस पर बात करते हुए अभिनेत्री काम्या पंजाबी ने कहा कि अगर वास्तविक समानता हासिल कर ली जाए तो हर दिन एक उत्सव होगा। काम्या ने कहा, हम इसके बारे में बात करते हैं और इसका जश्न मनाते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि अगर हम वास्तविक समानता हासिल कर लें तो हर दिन एक जश्न होगा। यह किसी खास दिन या अवसर तक सीमित नहीं होगा। दुर्भाग्य से हमें समाज में अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। लोग कहते हैं कि चीजें बदल गई हैं, लेकिन हम जानते हैं कि अभी भी भरोसे और विश्वास की कमी है। मुझे अक्सर लगता है कि समानता का विचार उन लोगों के लिए एक मजाक है, जो असमानताओं को नहीं देख पाते।

उन्होंने आगे कहा, मनोरंजन उद्योग में यह और भी मुश्किल है। यहां लोग एक-दूसरे का समर्थन करने के बजाय अपना स्टेटस बनाए रखने पर अधिक ध्यान देते हैं। समर्थन की यह कमी और असुरक्षा हमें पीछे धकेल देती है। अभिनेत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम ऐसे क्षेत्रों में एक-दूसरे का समर्थन करना शुरू करें। मनोरंजन का मतलब दर्शकों का मनोरंजन करना है, लेकिन इसमें सामाजिक संदेश देने की भी शक्ति है। हमें एक-दूसरे का समर्थन करते हुए बेहतरीन चीजें बनाने के लिए एक साथ आने की आवश्यकता है। टेलीविजन शो में महिलाओं के काम को लेकर काम्या ने कहा, एक समय था जब महिलाओं को अक्सर कमजोर दिखाया जाता था, इसके बावजूद भी वह अपने दम पर दृढ़ रहते हुए अपने परिवार का समर्थन करने में कामयाब रहीं। समय बहुत बदल गया है, और अब हम स्क्रीन पर महिलाओं को शक्तिशाली रूप में देख सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरा किरदार मोहिनी बहुत ही मजबूत और दृढ़ निश्चयी है। मेरा शो इश्क जबरिया भी दो महिलाओं के बीच के संघर्ष को दिखाता है कि कैसे वे कभी-कभी एक-दूसरे को नीचा दिखा सकती हैं। इसके अलावा शो का मुख्य किरदार गुलकी (सिद्धि शर्मा) एक मजबूत महिला है जो हार नहीं मानती और अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहती है। काम्या वर्तमान में सन नियो के इश्क जबरिया में काम कर रही है।

कृति सेनन ने बॉलीवुड का किया बचाव, कहा- फिल्मों से दर्शकों की अपेक्षाएं बढ़ीं

कृति सेनन ने इस वर्ष लगातार दो हिट फिल्में दी हैं। उन्होंने अपनी शानदार भूमिका से दर्शकों को प्रभावित भी किया। कृति अभिनय के साथ-साथ अपनी बातों को स्पष्टता से रखने के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने निखिल कामथ के पॉडकास्ट शो में बॉलीवुड पर चर्चा की। इस दौरान शो में निखिल के द्वारा की गई टिप्पणी कि बॉलीवुड फिल्म उद्योग पहले की तरह बेहतर नहीं कर पा रहा, पर अपनी प्रतिक्रिया दी। कृति ने इंडस्ट्री का बचाव करते हुए कहा कि आज के समय में दर्शकों की फिल्मों से अपेक्षाएं भी बढ़ गई हैं। वहीं, जब पॉडकास्ट में कहा गया कि बॉलीवुड इंडस्ट्री की सफलता में गिरावट आई है और पहले की तरह लोगों को रोजगार देने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। इस पर कृति ने अपनी असहमति जताई। उन्होंने अपनी फिल्म 'क्रू' और 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' का उदाहरण दिया। अभिनेत्री ने अपनी नजरिया साझा करते हुए विस्तार से बताया कि जहां एक समय 100 करोड़ रुपये कमाना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हुआ करती थी, वहीं अब यह एक मामूली आंकड़ा बन गया है। उन्होंने स्वीकार किया कि एक दौर ऐसा भी था जब बॉलीवुड फल-फूल नहीं रहा था, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि अब थिएटर मजबूती के साथ वापसी कर रहे हैं। अभिनेत्री की फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया', जो 9 फरवरी, 2024 को रिलीज हुई को जबरदस्त सफलता मिली है। इस फिल्म में कृति ने 'सिफ़ा' नामक एक ह्यूमनॉइड रोबोट की भूमिका निभाई है। अभिनेत्री ने स्क्रीन पर दर्शकों को अपनी उपस्थिति से प्रभावित किया।

वहीं, अपनी हालिया फिल्म 'क्रू' में कृति ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है और आलोचकों की प्रशंसा भी बटोरी है। करीना और तब्बू जैसी इंडस्ट्री की दिग्गज हस्तियों के साथ स्क्रीन साझा करने के बावजूद कृति का अभिनय शानदार रहा है, जिसने फिल्म की सफलता में अहम भूमिका निभाई। कृति के आगामी कार्यों की बात करें तो वह शशांक चतुर्वेदी की आगामी मिस्ट्री क्राइम-थ्रिलर 'दो पत्ती' नजर आएंगी।

बतौर होस्ट रातोंरात स्टार बन गई थीं शिबानी, रिएलिटी शो में फरहान के साथ बढ़ीं नजदीकियां

शिबानी दांडेकर बॉलीवुड की दुनिया का जाना माना नाम हैं। अभिनय में आने से पहले अभिनेत्री जिस भी शो की मेजबानी करतीं, उसमें एक नई जान फूंक देती थीं। एक्टिंग से पहले शिबानी ने मॉडलिंग की दुनिया में भी खूब नाम कमाया है। इसके बाद उन्होंने अभिनय इंडस्ट्री में कदम रखा था। शिबानी ने अपने करियर में ज्यादातर अंग्रेजी शो ही होस्ट किए. उन्होंने टीवी शो ग्रैमी नॉमिनी स्पेशल में भी बतौर होस्ट काम किया है। शिबानी दांडेकर का जन्म 27 अगस्त 1980 में हुआ था। अपनी पढ़ाई पूरी कर काम की तलाश में शिबानी 2001 में न्यूयॉर्क चली गई थीं। न्यूयॉर्क में अभिनेत्री ने अमेरिकन टीवी शो से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने तीन टेलीविजन शो नमस्ते अमेरिका, वी देसी और एशियन वैरायटी को होस्ट किया। बतौर होस्ट शिबानी रातोंरात स्टार बन गई थीं। हालांकि, शिबानी का जीवन तब बदला, जब उनकी जिंदगी में प्यार की एंट्री हुई और उन्होंने अपने प्यार फरहान अख्तर से शादी रचाई। फरहान और शिबानी के प्यार की शुरुआत एक एक रियलिटी शो के दौरान हुई थी। इस शो के होस्ट फरहान थे। वही, शिबानी इस शो की कंटेस्टेंट थीं। रिएलिटी शो के दौरान ही ऐसी अफवाहें उड़ने लगी थीं कि फरहान और शिबानी एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। यही नहीं, जल्द ही चारों तरफ दोनों के रिलेशनशिप की चर्चाएं भी शुरू हो गई थी। फरहान और शिबानी का प्यार जब सबको दिखने लगा तो उन्होंने ने भी बगैर छुपाए इसे दुनिया के सामने जाहिर कर दिया।

मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स भेड़िया 2 में दिखेगा खौफ-दहशत का मंजर

स्त्री 2 की आपार सफलता के बाद प्रशंसकों को मैडॉक फिल्म्स की आगामी फिल्मों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। स्त्री 2 मैडॉक की पांचवीं फिल्म है। अब जल्द ही इसकी एक और फिल्म भेड़िया 2 रिलीज होने वाली है। वहीं स्त्री 3 को लेकर भी प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। सबसे पहले बात करते हैं फिल्म स्त्री की। इस फिल्म में ओ स्त्री कल आना को लेकर कहानी की शुरुआत होती है। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी और इस फिल्म को प्रशंसकों का काफी अच्छा रिस्पांस भी मिला था। अब इसके बाद इसका दूसरा भाग स्त्री 2 14 अगस्त 2024 को रिलीज हुआ है। फिल्म अभी भी सिनामागरों में अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है। इस बार फिल्म में सरकटे का आतंक दिखाया गया है, जो दर्शकों को बेहद पसंद आ रहा है। अब बात करें स्त्री 3 की। तो इस फिल्म में वैम्पायर एंगल नजर आ सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में वैम्पायर का रोल आयुष्मान खुराना निभाएंगे और उनके साथ इस फिल्म में रश्मिका मंदाना की जोड़ी देखने को मिलेगी। साल 2022 में रिलीज हुई निर्देशक अमर कौशिक की फिल्म भेड़िया दर्शकों को बेहद पसंद आई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब इस फिल्म का दूसरा भाग भेड़िया 2 को लेकर प्रशंसकों में बेहद उत्साह है। इस फिल्म में वरुण धवन एक बार फिर से खूंखार जानवर बनकर लौटेंगे। हालांकि, फिल्म की शूटिंग अभीतक शुरू नहीं हुई है।

अब बात करें 7 जून 2024 को रिलीज हुई हॉरर-कॉमेडी फिल्म मुंजा की। इस फिल्म ने भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई और बॉक्स ऑफिस पर सफल हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इसका सीक्वल जल्द ही आएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुंजा 2 में मैडॉक के आगे की फिल्म की झलक देखने को मिल सकती है, जैसे कि मुंजा में देखने को मिली थी।

मुझे साधारण इंसान का रोल करना है, क्योंकि डाकू और पुलिस का किरदार अब ज्यादा हो गया है

डांसर, होस्ट और अब एक्टर बने राघव जुयाल अपनी फिल्म किल और वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह को लेकर चर्चा में हैं। पिछले दिनों फिल्म किल में डाकू के रोल में वाहवाही लूटने वाले राघव जुयाल हाल ही ओटीटी पर पुलिस के रोल में भी दिखे। हमसे खास बातचीत में उन्होंने कहा कि अब वह किसी सामान्य इंसान का रोल करना चाहते हैं-

हाल फिलहाल में आप डाकू भी बन गए और पुलिस भी बन गए। अब क्या बनना है इसके बाद?

अब शायद LIC एजेंट बनना बाकी है। मेरा मतलब है कि मुझे एक सामान्य इंसान का रोल करना है, जिसकी एक नॉर्मल लाइफ हो। बंदा आराम से घर आ रहा है वापस। परिवार के साथ खा रहा है, पी रहा है। इधर पुलिस का रोल भी एक्सट्रीम हो गया, डाकू का भी हो गया। इसलिए ही कह रहा हूं कि अब मुझे नॉर्मल रोल दे दो।

अपनी हालिया वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह में आप पिछले दिनों आई फिल्म किल से एकदम अपोजिट अंदाज में दिखे?

मैंने समझ लिया कि किल में इतना ज्यादा एक्शन होने की वजह से बच्चों की ऑडियंस मुझसे दूर हो गई थी। मुझे लगा कि फिर से अच्छा बच्चा बन जाना चाहिए। मेरी मम्मी ने जब किल फिल्म देखी, तो उन्होंने कहा कि तूने तो मुझे कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं छोड़ा। तब उमेश सर ने उनसे बोला कि आप चिंता मत करो। मैं 1 महीने में इसकी इमेज सुधार दूंगा। वैसे मैं पिछले कुछ तीन-चार साल से अपनी इमेज ही सुधार रहा हूं।

आप लोगों ने अपनी वेब सीरीज की शूटिंग उत्तराखंड में की। आपने साथियों के साथ कोई प्रैंक तो नहीं किया?

हमारा शूटिंग का एक्सपीरियंस बहुत लाजवाब था। आउटडोर में शूटिंग का अलग ही मजा होता है। ऐसी रियल लोकेशन पर अगर हम किसी के साथ प्रैंक करेंगे, तो हमारे साथ ही प्रैंक हो जाएगा। वहां पर कभी हम पहाड़ की चोटी पर शूट कर रहे थे, तो कभी पहाड़ पर। आगे हजार फिट की खाई थी। हमने बहुत ठंडे मौसम मे शूट किया है। हर किसी ऐक्टर का सपना होता है किसी ऐसी स्क्रिप्ट का हिस्सा होना, मुझे अच्छा मौका मिला।

इस सीरीज का ऑफर मिलने पर क्या प्रतिक्रिया थी आपकी?

मुझे लगा कि इतने अच्छे मेकर्स और डायरेक्टर के साथ मौका मिल रहा है। हर किसी ऐक्टर का सपना होता है किसी ऐसी स्क्रिप्ट का हिस्सा होना। इतनी अच्छी कहानी, इतना अच्छा स्क्रीन प्ले, इतना अच्छा कॉन्सेप्ट, तो मैंने कुछ खास नहीं सोचा और हां बोल दिया। मेरा मानना है कि आपको जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए एक एक सीढ़ी चढ़नी पड़ती है। इसलिए मैं इस वेब सीरीज में एक करेक्टर प्ले करने को अपनी बहुत बड़ी उपलब्धि मानता हूं।

अपारशक्ति खुराना के बयान से छिड़ा स्त्री 2 का क्रेडिट वॉर

स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। साथ ही वीकडेज पर भी अच्छी खासी कमाई करती नजर आ रही है। फिल्म के निर्माता, निर्देशक और स्टारकास्ट इसकी सफलता का जश्न मना रहे हैं। हालांकि, जहां सक्सेस क्रेडिट की बात आती है तो वह सबसे ज्यादा श्रद्धा कपूर को मिल रहा है। फिल्म में श्रद्धा की स्क्रीन टाइम भी कम रही है। ऐसे में बीते दिन बिट्टू का किरदार निभाने वाले अभिनेता अपारशक्ति खुराना के बयान ने हर किसी को चौंका दिया। अपारशक्ति खुराना ने कहा, मैं इस पर कुछ नहीं बोलूंगा, क्योंकि बात खुलेगी तो दूर तक जाएगी। मैं कुछ बोलना नहीं चाहूंगा, ऑडियंस जो कहे वो सही है। वहीं, अब इस क्रेडिट वॉर पर निर्देशक अमर कौशिक ने चुप्पी तोड़ी है। साथ ही अपने बयान से मामले को ठंडा करने की कोशिश करते नजर आए हैं।

स्त्री 2 के निर्देशक अमर कौशिक इस बात पर जोर देते हैं कि कहानी को एक स्टार तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इसे सामूहिक प्रयास के रूप में सराहा जाना चाहिए। वहीं, फिल्म के मुख्य कलाकार को लेकर बहस तेज हो गई है, प्रशंसक उत्साहपूर्वक बहस कर रहे हैं कि क्या स्त्री 2 को राजकुमार राव या श्रद्धा कपूर की फिल्म के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए। इस पर कौशिक ने इसे महिला केंद्रित कहने से परहेज करते हुए कहा, मैं इसे ऐसा नहीं कहूंगा। कौशिक ने विस्तार से बताया, मैं इसे महिला केंद्रित फिल्म नहीं कहूंगा, यह उससे कहीं ज्यादा है। हां ये बात सच है कि फिल्म में महिला किरदार ज्यादा दमदार है। हमारी फिल्म में एक महिला पुरुषों को बचा रही है। स्त्री 2 का सितारा कौन है, इस सवाल को संबोधित करते हुए, कौशिक फिल्म के प्रचार कंटेंट की ओर इशारा करते हैं, जिसमें इसके कलाकारों का संतुलित प्रतिनिधित्व होता है। कौशिक इस बात पर जोर देते हैं, वे सभी पांच इस फिल्म के सितारे हैं, उनके किरदार फिल्म बनाते हैं। अन्य लोग आएंगे और जाएंगे, लेकिन ये पांच हमारी फिल्म की आत्मा होंगे। उनका कहना है कि फिल्म की सफलता पूरी टीम के सामूहिक प्रयास का परिणाम है, जिसमें तकनीशियन भी शामिल हैं जिन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ काम किया है। कौशिक ने निष्कर्ष निकाला कि फिल्म से जुड़ा हर एक शख्स अपने आप में एक सितारा है, जो फिल्म निर्माण से जुड़ा हुआ है। उनका मानना है कि इसमें शामिल प्रत्येक व्यक्ति के योगदान के बिना फिल्म अपनी वर्तमान सफलता हासिल नहीं कर पाती।

उम्र के हिसाब से काम करना पसंद करूंगी

औरा भटनागर अपने शो अनुपमा को लेकर काफी चर्चा में चल रही हैं। हाल ही में, ऐसी खबरें आई थीं कि शो में लीप आने वाला है, जिसके बाद औरा भटनागर, रुपाली गांगुली और गौरव खन्ना शो छोड़ने वाले हैं। हालांकि, मेकर्स ने इन सभी खबरों को बेबुनियादी बताया है। औरा का कहना है कि अभी लीप का कोई प्लान नहीं है, लेकिन भविष्य में मेकर्स अगर कोई लव एंगल सीन करने को कहते हैं तो मैं शो छोड़ दूंगी। औरा का कहना है कि मैं अभी सिर्फ 13 साल की हूं और अपनी उम्र के हिसाब से रोल करना पसंद करूंगी। बता दें कि आध्या की भूमिका में औरा को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है।